■ वर्ष-23 ■ अंक-223
■ पृष्ठ-8 ■ मूल्य-2.00

भोपाल

■ रविवार ■ 15 मार्च 2026

चैत्र कृष्ण पक्ष एकादशी
विक्रम संवत्-2082

E-mail
dainiksamayjagat@gmail.com
insmjagat@gmail.com

प्रधान संपादक : अशोक त्रिपाठी

दैनिक
समय जगत

भोपाल, दिल्ली, म.प्र., उ.प्र. और अन्य राज्यों से एक साथ प्रकाशित

एक संदेश-पूरा देश

म.प्र. के सर्वाधिक केंद्रों तक प्रसारित प्रदेश का एकमात्र समाचार पत्र

ईश्वर से अधिक मूल्यवान दुनिया में कुछ भी नहीं...

शीर्ष की ओर 'समय जगत'
Facebook
asksamayjagat
Instagram
@asksamayjagat
Twitter
@asksamayjagat
यूट्यूब पर
'खबर समय जगत'
को भी सब्सक्राइब करें
www.dainiksamayjagat.in

मुख्यमंत्री ने विजयराघवगढ़ विधानसभा को दी 1000 करोड़ की सौगात

डॉ यादव ने कहा, अब स्कूली बच्चों को दूध पिलाएगी सरकार

समय जगत,जबलपुर। कटनी के विजयराघवगढ़ विधानसभा के बरही में प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने जनसमुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा सरकार में विकास का कारवां चलता रहेगा। आपके प्रेम और आशीर्वाद ने हमारी सरकार बनाई है, इसलिए अच्छे कार्यों का सिलसिला चलता रहेगा। मुख्यमंत्री ने विजयराघवगढ़ के विकास के लिए एक हजार करोड़ की सौगात देने के साथ ही क्षेत्र की जनता की मांग के अनुरूप अनेक सड़कों के निर्माण, खेल मैदान, पुल पुलियों और अन्य योजनाओं की स्वीकृति भी प्रदान की। उन्होंने कहा कि कुछ माहों के बाद वे फिर विजयराघवगढ़ आयेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश में विकास की सबसे तेज रफ्तार मध्यप्रदेश की है। बेरोजगारी की सबसे कम दर मध्यप्रदेश में है। उन्होंने कहा प्रदेश में 9 लाख करोड़ की लागत से फैक्ट्रियां लगाई जा रही हैं ताकि युवाओं को रोजगार से जोड़ा जा सके। इससे पूर्व मुख्यमंत्री के यहां पहुंचने पर क्षेत्रीय विधायक संजय सत्येंद्र पाठक ने गर्म जोशी से उनका स्वागत किया।

सोना उगलती धरती, सोने की फसल जैसा आशीर्वाद

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि कटनी की धरती तो सोना उगलने वाली धरती है। यहां आशीर्वाद भी सोने की फसल जैसा है। उन्होंने कहा प्रत्येक गांव तक सिंचाई का रकवा बढ़ाना है। किसानों को अब दिन में बिजली मिलेगी ताकि वे फसल की सिंचाई और अन्य कार्य दिन के उजाले में बिना खतरा उठाए कर सकें। किसानों के

बच्चे संदीपनी विद्यालयों में शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। माता शारदा के आशीर्वाद से बच्चे आगे बढ़े। उन्होंने कहा कि उन्हें श्रीकृष्ण और सुदामा याद आते हैं। भगवान कृष्ण ने घर में घुसकर कंस का काम तमाम कर दिया था, ये गायों के दूध की ताकत है।

स्कूलों में बच्चों को बांटेंगे दूध के पैकेट, बच्चों को दूध पिलाएगी मोहन सरकार

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि हमारी सरकार दूध डेयरी व्यवसाय को बढ़ावा दे रही है। कक्षा पहली से आठवीं तक के बच्चों को स्कूलों में दूध के पैकेट बांटे जाएंगे। बच्चों को दूध पिलाकर हष्टपुष्ट बनाने के लिए सरकार माता यशोदा के नाम पर इस योजना का शुभारंभ कर रही है। स्कूलों में किताबें, गणवेश के साथ स्कूल बस की सुविधा भी मिलेगी।

प्रत्येक गरीब को देंगे मकान फिर से होगा सर्वे

सीएम डॉ मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार हर वर्ग के लिए काम कर रही है। उन्होंने घोषणा की कि फिर से सर्वे कराकर गरीब वर्ग के लोगों को आवास उपलब्ध कराए जायेंगे। मेडिकल कॉलेज का जिक्र, घायलों को अस्पताल ले जाने वालों को प्रोत्साहन राशि मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि कटनी में अब तो मेडिकल कॉलेज भी बनने जा रहा है। उन्होंने कहा कि एक्सीडेंट में कोई घायल व्यक्ति यदि सड़क पर पड़ा मिले तो अब पुलिस से घबराने की जरूरत नहीं है। सरकार घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाने वाले को 25 हजार की प्रोत्साहन राशि देगी। इसके अलावा घायल व्यक्ति का डेढ़ लाख तक का इलाज सरकार कराएगी। उन्होंने कहा कि इंसान की जिंदगी बचाना सबसे बड़ा काम है। सरकार ने संकल्प लिया है कि हर जरूरतमंद का इलाज आवश्यकता के अनुसार दिल्ली, मुंबई, जबलपुर, नागपुर जैसे बड़े शहरों में कराएंगे। और बीमार या घायल व्यक्ति को ले जाने के लिए हेलिकाप्टर और हवाई जहाज भी सरकार उपलब्ध कराएगी। सभा में जिले के प्रभारी मंत्री राव उदय प्रताप सिंह, विधायक धीरेन्द्र सिंह, विधायक कटनी संदीप जायसवाल, विधायक प्रणय पांडे, सहित पार्टी के नेता और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

सामाजिक सद्भाव बढ़ाने का सशक्त माध्यम हैं सामूहिक विवाह: डॉ. यादव

सम्मेलन में हुआ 162 बेटियों का विवाह और 38 बेटियों का निकाह

समय जगत, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारी संस्कृति के मूल में सामाजिकता है, सद्भाव है और इस सद्भाव को बढ़ाने में सामूहिक विवाह सम्मेलन एक बड़ा ही मजबूत और कारगर माध्यम है। बेटियों के पाणिग्रहण संस्कार से बड़ा पुण्य का, कोई दूसरा काम हो ही नहीं सकता। पहले बेटी के जन्म होने के साथ ही उसके परिवार को बेटी की शादी की चिंता सताती थी, लेकिन अब मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजना के माध्यम से मध्यप्रदेश सरकार बेटियों का कन्यादान और विदाई कर रही है। इस योजना से प्रदेश के गरीब-वंचित और जरूरतमंद परिवारों की बेटियों का घर बस रहा है। जन्म से लेकर पढ़ाई, नौकरी, मातृत्व और विवाह तक हमारी सरकार हर कदम पर बहनों-बेटियों के साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि मितव्ययिता बेहद जरूरी है। इसलिए शादी-ब्याह में होने वाले फिजूलखर्चों से हमेशा बचें। अपने बेटे-बेटियों का विवाह/निकाह सामान्य समारोह या सामूहिक विवाह सम्मेलन में ही करें। इससे जो धन बचे, वह अपने बच्चों के बेहतर जीवन के लिए बचाकर रखें। मुख्यमंत्री ने बताया कि उन्होंने अपने पुत्र का विवाह भी सामूहिक विवाह सम्मेलन में ही कराया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को मुख्यमंत्री निवास से शुजालपुर (जिला शाजापुर) में हुए सर्व धर्म सामूहिक विवाह सम्मेलन को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार बेटियों के सम्मान, इनके सशक्तिकरण और सामाजिक सुरक्षा के लिए सदैव ही प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सभी नवविवाहित जोड़ों को बधाई और सफल वैवाहिक जीवन की शुभकामनाएं और आशीर्वाद दिया। सम्मेलन में 200 बेटियों का

सामूहिक विवाह/निकाह सम्पन्न हुआ। इसमें 162 बेटियों का विधि-विधान से विवाह और 38 बेटियों का कबूलियत निकाह कराया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर नवविवाहित जोड़े को मंगलाशीष के तौर पर सरकार की ओर से गृहस्थी के लिए 49-49 हजार रूपए दिए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सामूहिक विवाह सम्मेलन वर-वधु को जन्म-जन्मांतर तक साथ देने की अमरता की बेला का उत्सव है। उन्होंने आशा व्यक्त करते हुए कहा कि यह सामूहिक विवाह सम्मेलन आगे और भी अधिक विशाल बनेगा तथा सभी जरूरतमंद परिवारों के लिए सबसे बड़े मददगार के रूप में अपनी पहचान बनाएगा। उच्च शिक्षा, आयुष एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री श्री इंदर सिंह परमार ने विवाह सम्मेलन में कहा कि हमारी सरकार ने समाज के हर वर्ग के कल्याण के लिए योजनाएं बनाई हैं। सामाजिक सुरक्षा और सद्भाव के लिए मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजना ने अपनी एक अलग ही पहचान बनाई है। आज के दौर में विवाह आयोजनों में फिजूलखर्ची बढ़ रही है। यह समाज के हित में नहीं है। इसलिए सभी को अपने पुत्र-पुत्रियों का विवाह सामूहिक विवाह और ऐसे आयोजनों में ही कराने की ओर बढ़ना होगा। श्री परमार ने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि सभी का जीवन प्रेम, विश्वास, सम्मान और संस्कारों से परिपूर्ण रहे। सर्व धर्म सामूहिक विवाह/निकाह सम्मेलन में जिला पंचायत अध्यक्ष हेमराज सिंह सिसोदिया, जनपद पंचायत शुजालपुर की अध्यक्षा श्रीमती सीताबाई रामचन्दर पाटोदिया, उपाध्यक्ष श्रीमती मंजूबाई गोविन्दसिंह मेवाड़ा, नगर पालिकाध्यक्ष शुजालपुर श्रीमती बबीता परमार, विजय सिंह बैस, कृपाल सिंह मेवाड़ा, अशोक नायक, नरेन्द्र सिंह यादव, देवेन्द्र तिवारी सहित बड़ी संख्या में नागरिक एवं वर-वधु के परिजन उपस्थित थे।

मोबाइल डेटा पर लग सकता है नया टैक्स

नई दिल्ली। भारत में आने वाले समय में मोबाइल इंटरनेट इस्तेमाल करना महंगा हो सकता है। सरकार मोबाइल डेटा के इस्तेमाल पर नया टैक्स लगाने के विकल्प को देख रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस मामले में डिपार्टमेंट ऑफ टेलीकम्युनिकेशन से कहा गया है कि वह इस पर स्टडी करे और बताए कि क्या डेटा यूज पर टैक्स लगाना संभव है या नहीं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक हाल ही में टेलीकॉम सेक्टर की एक रिव्यू मीटिंग में यह मुद्दा सामने आया। इसके बाद डिपार्टमेंट ऑफ टेलीकम्युनिकेशन को कहा गया कि वह यह जांच करे कि मोबाइल डेटा के इस्तेमाल पर टैक्स लगाया जा सकता है या नहीं और अगर लगाया जाए तो उसका मॉडल क्या होगा। रिपोर्ट्स के अनुसार सरकार जिस विकल्प को देख रही है उसमें 1 प्रति जीबी डेटा पर टैक्स लगाया जा सकता है। अगर ऐसा होता है तो हर बार जब कोई यूजर मोबाइल डेटा इस्तेमाल करेगा तो उस पर यह अतिरिक्त चार्ज जुड़ सकता है। बताया जा रहा है कि अगर प्रति जीबी का टैक्स लागू होता है तो इससे सरकार को हर साल लगभग 22,900 करोड़ तक की कमाई हो सकती है। हालांकि अभी यह सिर्फ एक प्रस्ताव है और इस पर कोई अंतिम फैसला नहीं लिया गया है। भारत दुनिया के उन देशों में है जहां मोबाइल डेटा काफी सस्ता है। सस्ते इंटरनेट की वजह से भारत में डेटा की खपत बहुत तेजी से बढ़ी है। वीडियो स्ट्रीमिंग, सोशल मीडिया, ऑनलाइन गेमिंग और रील्स देखने की वजह से मोबाइल डेटा का इस्तेमाल लगातार बढ़ रहा है। एक और अहम बात यह है कि अभी भी मोबाइल रिचार्ज और पोस्टपेड बिल पर 18 प्रतिशत जीएसटी लिया जाता है। यानी यूजर्स पहले से ही टेलीकॉम सर्विस पर टैक्स दे रहे हैं।

भारत ने बढ़ाई विदेशियों के वीजा की वैधता

तय समय से ज्यादा रुके तो नहीं लगेगा जुर्माना

नई दिल्ली। ईरान-इजराइल और अमेरिका के बीच चल रहे युद्ध के बीच भारत सरकार ने राहत की घोषणा की है, जिसके तहत प्रभावित विदेशी नागरिकों के लिए सभी प्रकार के वीजा की वैधता 30 दिनों के लिए बढ़ाने की घोषणा की है। अब तय समय सीमा से ज्यादा ठहरने पर कोई जुर्माना नहीं लगेगा। दुबई स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने शुक्रवार एक्स पर एक पोस्ट के जरिए यह घोषणा की। नियमों में दी गई यह छूट सभी प्रकार के वीजा- नियमित वीजा और ई-वीजा पर लागू है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वीजा विस्तार और जुर्माने की माफी खाड़ी देशों सहित विदेशी नागरिकों पर लागू होगी। दुबई स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने कहा है कि सभी प्रकार के वीजा और ई-वीजा जिनकी वैधता समाप्त हो रही है या जल्द ही समाप्त होने वाली है, उन्हें प्रभावित नागरिकों के लिए एक महीने के लिए बढ़ा दिया जाएगा। यह विस्तार विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (एफआरआरओ) द्वारा मामले-दर-मामले के आधार पर दिया जाएगा। प्रभावित विदेशी नागरिकों द्वारा 28 फरवरी के बाद तय सीमा से ज्यादा समय तक रहने पर लगने वाले जुर्माने को भी माफ कर दिया है। भारतीय अधिकारियों ने फंसे हुए विदेशी नागरिकों को निकास परमिट और अस्थायी लैंडिंग परमिट में निःशुल्क छूट देने की घोषणा की है। वाणिज्य दूतावास ने आगे घोषणा की कि प्रभावित विदेशियों को निकास परमिट निःशुल्क प्रदान किए जाएंगे। विदेशियों द्वारा निकास परमिट के लिए आवेदन न करना और वीजा का विस्तार कराना आव्रजन कानून का उल्लंघन नहीं माना जाएगा। भारत ने उड़ानों के मार्ग परिवर्तन के कारण भारत आने वाले विदेशी नागरिक को अस्थायी लैंडिंग परमिट (टीएलपी) देने की भी घोषणा की है।

तुर्की के राजदूत ने की भारत की तारीफ

कौटिल्य के अर्थशास्त्र व मंडल सिद्धांत का किया जिक्र

नई दिल्ली। भारत में तुर्की के राजदूत अली मूरत एरसोय ने कहा है कि ईरान का युद्ध एशिया पर असर डाल रहा है। युद्ध ने बड़ी ताकतों की आपसी होड़ के कारण स्थिरता के पारंपरिक स्तंभों पर दबाव डाला है। साथ ही भारत, ऑस्ट्रेलिया और जापान जैसी मध्यम ताकतों के लिए मौजूदा टूटी-फूटी अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में पुल बनने का रास्ता खोला है। उन्होंने भारत की तारीफ करते हुए कहा कि दिल्ली की भूमिका ज्यादा अहम हो गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एरसोय ने कहा कि आज के अंतरराष्ट्रीय माहौल में मध्यम ताकतें बड़ी ताकतों की होड़ की सिर्फ दर्शक बनकर नहीं रह गई हैं। भारत, जापान, ऑस्ट्रेलिया और अन्य देश अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के अंदर जोड़ने वाली कड़ियों के तौर पर काफी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था बहु-केंद्रित वास्तविकता की ओर बढ़ रही है, जहां स्थिरता की गारंटी कोई एक महाशक्ति नहीं है।

तुर्की के राजदूत ने कहा कि मध्यम ताकतें अलग-अलग भौगोलिक केंद्रों के साथ संबंध बनाए रखती हैं और वैश्विक व्यवस्था में स्थिरता लाने वाले कारक के तौर पर काम करती हैं। उन्होंने कहा कि भारत अब एक स्थिर करने वाली ताकत के तौर पर अहम मुकाम रखता है। एरसोय ने कहा कि नई दिल्ली की विश्वसनीयता उसकी रणनीतिक स्वायत्तता के प्रति प्रतिबद्धता से आती है। इससे भारत अलग-अलग साझेदारों के साथ अपने संबंध बनाए रखता है। इसी वजह से भारत की कूटनीति ऐसा मॉडल बन गई है, जिसकी प्रासंगिकता बढ़ती जा रही है। भारत भविष्य में अंतरराष्ट्रीय संबंधों के नए नियम-कायदे तय करने में अहम भूमिका निभा सकता है। एरसोय ने कौटिल्य के अर्थशास्त्र और मंडल सिद्धांत का जिक्र किया, जो कि राजकाज का एक प्राचीन सिद्धांत है। एरसोय ने कहा कि इस सिद्धांत ने 2,000 साल से भी पहले आज की भू-राजनीतिक स्थितियों का अंदाजा लगा लिया था। इस विचार के मुताबिक स्थिरता केवल पक्के गठबंधनों से नहीं बल्कि रिश्तों के सावधानीपूर्वक प्रबंधन और संतुलन से आती है। एरसोय ने पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष पर कहा कि तुर्की की भूमिका मुख्य रूप से संघर्षरत पक्षों को बातचीत की मेज पर लाने की कोशिश तक सीमित रही है। तुर्की ने सभी पक्षों-अमेरिका, इजराइल और ईरान को बातचीत के लिए अंकारा में एक साथ लाने का प्रस्ताव दिया था लेकिन उसे किसी भी पक्ष से कोई जवाब नहीं मिला।

कोच्चि बंदरगाह पर खड़े ईरानी युद्धपोत के 100 सदस्य स्वदेश हुए रवाना

कोच्चि। केरल के कोच्चि बंदरगाह पर खड़े ईरानी नौसैनिक पोत आईआरआईएस लावन के चालक दल के लगभग 100 सदस्य शुक्रवार देर रात विशेष चार्टर्ड विमान के जरिए भारत से रवाना हो गए हैं। हालांकि, दक्षिणी नौसेना कमान की ओर से इस संबंध में अभी तक कोई औपचारिक आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है, लेकिन विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार, इन सदस्यों को ले जाने के लिए कोलंबो से एक विशेष विमान कोच्चि हवाई अड्डे भेजा गया था। विमान के गंतव्य का खुलासा सुरक्षा कारणों से नहीं किया गया है, जबकि युद्धपोत और उसके शेष सदस्य फिलहाल रखरखाव और परिचालन संबंधी जरूरतों के लिए कोच्चि में ही मौजूद हैं। यह घटनाक्रम बेहद तनावपूर्ण अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के बीच सामने आया है। दरअसल, आईआरआईएस लावन अंतरराष्ट्रीय बेड़ा समीक्षा के लिए इस क्षेत्र में तैनात था। इसके कुल 183 चालक दल के सदस्यों को स्थानीय नौसेना सुविधाओं में ठहराया गया था। इस पोत के भारत आने की कहानी भी नाटकीय रही है। 28 फरवरी को, जिस दिन अमेरिका और इजरायल ने अपना एपिक फ्यूरी सैन्य अभियान शुरू किया था, ईरान ने तकनीकी समस्याओं का हवाला देते हुए भारत से इस पोत को सुरक्षित आश्रय देने का आपातकालीन अनुरोध किया था। नई दिल्ली ने मानवीय और कूटनीतिक आधार पर 1 मार्च को इसे मंजूरी दी, जिसके बाद 4 मार्च को यह कोच्चि पहुंचा। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि भारत के इस समयबद्ध फैसले ने आईआरआईएस लावन और उसके दर्जनों सैनिकों की जान बचा ली।

व्यवस्था

होर्मुज स्ट्रेट से गुजर सकेंगे भारत के एलपीजी जहाज

किल्लत से जूझ रहे देश को मिलेगी संजीवनी

नई दिल्ली। भारत में गहराते रसोई गैस संकट के बीच एक बड़ी और राहत भरी कूटनीतिक जीत सामने आई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान के बीच हुई उच्च स्तरीय बातचीत के बाद ईरान ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में फंसे दो भारतीय ध्वज वाले एलपीजी जहाजों को सुरक्षित गुजरने की अनुमति दे दी है। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब भारत में कमर्शियल एलपीजी की आपूर्ति 80 प्रतिशत तक गिर चुकी थी और सिलेंडर की कीमतें 2,300 के पार पहुंचने से रेस्टोरेंट व हॉस्पिटैलिटी सेक्टर ठप होने की कगार पर था। ईरान और अमेरिका के बीच युद्ध शुरू होने के बाद दोनों शीर्ष नेताओं के बीच यह पहली सीधी और निर्णायक बातचीत थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया के माध्यम से इस चर्चा की पुष्टि करते हुए बताया कि राष्ट्रपति पेजेश्कियान के साथ बातचीत में क्षेत्र की गंभीर स्थिति और बढ़ते तनाव पर

चिंता व्यक्त की गई। प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया कि युद्ध के कारण आम नागरिकों की जान जाने और बुनियादी ढांचे को हो रहे नुकसान के बीच भारतीय नागरिकों की सुरक्षा और ऊर्जा संसाधनों का निर्बाध आवागमन भारत की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने बातचीत और कूटनीति के माध्यम से शांति बहाली का आग्रह भी किया। इस चर्चा के साथ ही विदेश मंत्री एस. जयशंकर और ईरानी विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची के बीच हुई गहन वार्ता के बाद जहाजों को हरी झंडी मिलने का रास्ता साफ हुआ। ईरानी राजदूत मोहम्मद फताली ने इस निर्णय को दोनों देशों की अटूट मित्रता का प्रमाण बताया है। उन्होंने कहा कि भारत और ईरान का भाग्य और हित एक समान हैं, इसीलिए युद्ध जैसी कठिन परिस्थितियों में भी ईरान अपने मित्र राष्ट्र की सहायता के लिए प्रतिबद्ध है। राजदूत ने संकेत दिया कि वर्तमान में फंसे करीब दो दर्जन अन्य भारतीय जहाजों को भी सुरक्षित मार्ग देने पर सक्रिय चर्चा जारी है। इसके साथ ही, सऊदी अरब से कच्चा तेल लेकर आ रहा एक अन्य टैंकर भी सफलतापूर्वक होर्मुज जलडमरूमध्य पार कर चुका है और उसके शनिवार तक भारत पहुँचने की उम्मीद है। वर्तमान में लगभग 24 भारतीय जहाज हॉर्मुज के पश्चिमी हिस्से में फंसे हुए हैं, जिन्हें निकालने के लिए भारत सरकार लगातार ईरानी प्रशासन के संपर्क में है। इन एलपीजी जहाजों के भारत पहुँचने से घरेलू बाजार में सप्लाई चेन फिर से बहाल होगी और बफर स्टॉक बढ़ने से कीमतों में आई बेतहाशा वृद्धि पर लगाम लगने की उम्मीद है। यह कूटनीतिक सफलता न केवल भारत की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करेगी, बल्कि मध्य पूर्व के युद्ध की आग के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था को बड़ी राहत भी प्रदान करेगी।

स्कूल शिक्षा विभाग का एक और कारनामा, फर्नीचर खरीदी में हुआ करोड़ों का घोटाला?

जरूरत के बिना स्कूलों में जबरन पहुंचाया गया कान्फ्रेंस हॉल का फर्नीचर, भुगतान के लिए बनाया जा रहा दबाव

समय जगत, सिलवानी। मध्यप्रदेश के स्कूल शिक्षा विभाग में एक और बड़ा फर्नीचर घोटाला सामने आया है। बताया जा रहा है कि करीब दो करोड़ रुपये की फर्नीचर खरीदी में अनियमितता करते हुए जिले के कई स्कूलों में कॉन्फ्रेंस हॉल के नाम पर टेबल-कुर्सियां जबरन सप्लाई कर दी गई, जबकि कई स्कूलों में इसकी जरूरत ही नहीं थी। जानकारी के अनुसार प्रदेश के स्कूलों में बच्चों के लिए फर्नीचर खरीदी की प्रक्रिया संकुल स्तर पर की जानी है, लेकिन इस प्रक्रिया में लोक शिक्षण संचालनालय स्तर से सीधे दखल दिया गया। रायसेन जिले के सिलवानी क्षेत्र के करीब एक दर्जन हाईस्कूल और हायर सेकेंडरी स्कूलों के प्राचार्यों से दबाव बनाकर फर्नीचर खरीदी के आदेश जारी कराए गए। बताया जा रहा है कि बीईओ कार्यालय में पदस्थ लिपिक शिवम श्रीवास्तव द्वारा प्राचार्यों को कार्यालय बुलाकर पहले से तैयार कार्यादेशों पर हस्ताक्षर कराए गए। प्राचार्यों ने जब आपत्ति जताई कि उनके पास न तो वरिष्ठ कार्यालय से

ऐसा कोई आदेश है और न ही खरीदी के लिए कोई बजट, तब उन्हें कहा गया कि भुगतान आपको नहीं करना है, ऊपर से आदेश है, केवल साइन करना है।

स्कूलों में पहुंचा कॉन्फ्रेंस हॉल का फर्नीचर: कुछ दिनों बाद स्कूलों में करीब 30-35 रिवॉल्विंग कुर्सियां और एक बड़ी कॉन्फ्रेंस टेबल पहुंचने लगीं। प्राचार्यों ने आपत्ति जताई कि स्कूलों में बच्चों के बैठने तक की जगह नहीं है, ऐसे में कॉन्फ्रेंस हॉल का फर्नीचर कहां रखा जाएगा। इसके बावजूद सप्लायर द्वारा फर्नीचर स्कूलों में उतरवा दिया गया। सूत्रों के अनुसार श्रीप्रदा सेल्स एंड कॉरपोरेशन, श्री श्याम सेल्स एंड कारपोरेशन, स्वास्तिक इंटरप्राइजेज भोपाल के माध्यम से सप्लाई किया गया। सप्लायर ने प्राचार्यों से कहा कि यह सामग्री सीधे डीपीआई स्तर से भेजी जा रही है, इसलिए इसे लेना ही पड़ेगा। फर्नीचर पहुंचने के बाद अब बीईओ कार्यालय पर भुगतान कराने का दबाव बनाया जा रहा है। हालांकि बीईओ रुपेंद्र ठाकुर ने स्पष्ट कहा है कि जब तक बिल-वाउचर और वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जाएंगे, भुगतान नहीं किया जाएगा। सिलवानी क्षेत्र के जिन स्कूलों में यह फर्नीचर भेजा गया उनमें हाईस्कूल खैरी, कीरतपुर, सियलवाड़ा, करतोली, चीकली, देवरी हतनापुर, खमरिया खुर्द, चंदन पिपरिया, छिंद, नारायणपुर तथा हायर सेकेंडरी प्रतापगढ़ और साईखेड़ा शामिल हैं। समस्त प्राचार्ययों ने कार्रवाई हेतु लिखित आवेदन जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय और विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय को दिया है।

मोहगांव विकासखंड के जर्जर स्कूल भवनों से प्रभावित हो रही पढ़ाई, तीन नए भवनों को मिली स्वीकृति

70-75 स्कूल भवन अब भी खस्ताहाल, एक ही कमरे में पढ़ने को मजबूर दर्जनों बच्चे : शिवकुमार

मंडला। जिले के विकासखंड मोहगांव के शासकीय स्कूलों में भवनों की जर्जर स्थिति के कारण बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। इस समस्या को लेकर जनपद पंचायत मोहगांव के उपाध्यक्ष एवं शिक्षा समिति अध्यक्ष शिवकुमार मिश्रा (अड्डू मिश्रा) द्वारा लगातार विभागीय अधिकारियों को मौखिक एवं पत्राचार के माध्यम से अवगत कराया जाता रहा है। इसके परिणामस्वरूप तीन स्कूलों के नए भवनों की स्वीकृति मिली है। स्वीकृत शाला भवनों में प्राथमिक शाला पडादर, जीपीएस (ईजीएस) चिरवई टोला और माध्यमिक शाला बड़झर शामिल हैं। श्री मिश्रा ने इस स्वीकृति पर खुशी जाहिर की है, लेकिन उनका कहना है कि पूरे विकासखंड में लगभग 70 से 75 स्कूल भवन जर्जर स्थिति में हैं, ऐसे में मात्र तीन भवनों की स्वीकृति पर्याप्त नहीं है। श्री मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि उन्नत शिक्षा

गारंटी शाला आमाटोला (गिठार मलपहरी) में भवन जर्जर होने के कारण अतिरिक्त कक्ष के एक ही कमरे में कक्षा 1 से 5 तक के लगभग 45 बच्चे पढ़ाई कर रहे हैं। इसी प्रकार उन्नत शिक्षा गारंटी शाला तालाब टोला (गिठार मलपहरी) में भी एक ही कमरे में करीब 71 बच्चे पांचों कक्षाओं के साथ अध्ययन करने को मजबूर हैं। वहीं उन्नत शिक्षा गारंटी शाला कुंडा टोला (गिठार मलपहरी) में करीब 13 बच्चे जर्जर भवन के कारण परेशान हैं, जबकि प्राथमिक शाला कसौटा (मुनू) में लगभग 20 बच्चे जर्जर शाला भवन के कारण आंगनबाड़ी केंद्र में पढ़ाई कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि उक्त सभी स्कूलों के लिए नए भवनों का निर्माण अत्यंत आवश्यक है। इसके लिए कार्ययोजना में शामिल करते हुए संबंधित विभाग से भवनों की मांग की गई है। शिवकुमार मिश्रा का कहना है कि जिले के जिला शिक्षा केंद्र के अधिकारियों का ग्रामीण क्षेत्रों के शाला भवनों के निर्माण एवं मरम्मत कार्य को लेकर ढुलमुल रवैया बना हुआ है, जिससे क्षेत्र में नाराजगी बढ़ रही है।

उन्होंने कहा कि यदि जल्द ही इस दिशा में कार्रवाई नहीं हुई तो बच्चों की पढ़ाई की स्थिति को देखते हुए ग्रामीणों को आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ सकता है। श्री मिश्रा ने विश्वास जताया कि जिले के संवेदनशील कलेक्टर इस गंभीर समस्या पर ध्यान देंगे और मोहगांव विकासखंड के जर्जर स्कूल भवनों के निर्माण की स्वीकृति के लिए संबंधित विभाग को आवश्यक निर्देश देंगे।

संक्षिप्त समाचार

विवाद के बाद फिर से एक हुआ परिवार

सारंगपुर । विगत 3 साल से चला रहा परिवारिक विवाद में पवन , घिसी बाई जिनके अधिवक्ता दिनेश मालवीय एवं निर्मला बाई के अधिवक्ता मनोहर बामनिया थे । दो भाइयों और मां का लोक अदालत में न्यायाधीश श्री मति आकांक्षा कत्याल ने समझाइश देकर फिर से पूरे परिवार को एक साथ रहने के लिए तैयार किया । न्यायाधीश की समझाइश को मानते हुए पूरा परिवार एक साथ होने के लिये राजी हुआ । इस प्रकरण में दोनों पक्ष के अधिवक्ताओं का भी विशेष योगदान रहा ।

वार्ड नंबर चार में मैहर नगरपालिका की मासिक बैठक का किया गया आयोजन

मैहर। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद भोपाल के निर्देशानुसार नवांकुर संस्था सेक्टर क्रमांक 2 मैहर के मां धेनु सुविधार्थ जनकल्याण संरक्षणार्थ सेवा समिति मैहर के द्वारा नगर विकास प्रस्फुटन समिति वार्ड नंबर 4 मैहर नगरपालिका की मासिक बैठक का आयोजन किया। पतैहरा विद्यालय में आयोजित इस बैठक में वर्तमान में चल रही शिक्षा व्यवस्था के महत्व एवं पर्यावरण के सामाजिक मुद्दे पर आगामी कार्यों पर चर्चा की गई जिसमें समिति के राज कुमार विश्वकर्मा कांधीलाल कोरी एवं अन्य सदस्य समिति के शामिल हुए।

कक्षा पांचवी तक के छात्र-छात्राओं के परिणाम हुए घोषित

समय जगत, इटारसी। जीनियस प्लेनेट स्कूल के कक्षा पांचवी तक के छात्र-छात्राओं के परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। कक्षा 2 ए के घोषित परिणाम में अनय राजपूत 94 प्रतिशत अंक प्राप्त कर कक्षा में चौथा स्थान अर्जित किया है। अनय राजपूत को मिली सफलता पर वरिष्ठ पत्रकार संजय शर्मा, विजय तिवार, ज्योति शर्मा अर्पित शर्मा, मोनू शर्मा सहित अनेक लोगों ने बधाई दी है।

ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों का क्षमता वृद्धि प्रशिक्षण बरेज में संपन्न, पौधरोपण भी किया

जल, पर्यावरण संरक्षण व जनजागरूकता पर दिया जोर, उत्कृष्ट कार्य करने वाली समितियों का सम्मान

सिरोंज। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के अंतर्गत संचालित ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों का एक दिवसीय क्षमता वृद्धि प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रस्फुटन ग्राम बरेज में आयोजित किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम बमोरीसाला सेक्टर की नवांकुर संस्था सर्वधर्म जन कल्याण सेवा समिति के तत्वाधान में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं तथा समिति सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। वहीं कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा के पथरिया मंडल महामंत्री शिवराज सिंह रघुवंशी उपस्थित रहे। विशेष अतिथि के रूप में सरपंच प्रतिनिधि भगवत सिंह राजपूत तथा पीएम श्री विद्यालय के प्राचार्य संतोष जैन ने कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई। कार्यक्रम का संचालन नवांकुर संस्था प्रमुख प्रमोद रघुवंशी ने किया, जबकि आभार चाठोली प्रस्फुटन समिति के अध्यक्ष संजीव दांगी ने व्यक्त किया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा भारत माता एवं स्वामी विवेकानंद के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। इसके पश्चात प्रमोद रघुवंशी ने जन अभियान परिषद की अवधारणा और उसके उद्देश्यों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए परिषद द्वारा समाज में किए जा रहे विभिन्न जनकल्याणकारी कार्यों की जानकारी दी। मुख्य अतिथि शिवराज सिंह रघुवंशी ने प्रशिक्षण को संबोधित करते हुए

कहा कि मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद अपने नाम के अनुरूप समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि परिषद द्वारा जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी को बढ़ावा देने और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूकता फैलाने जैसे महत्वपूर्ण कार्य लगातार किए जा रहे हैं, जो समाज के लिए प्रेरणादायी हैं। विशेष अतिथि सरपंच प्रतिनिधि भगवत सिंह राजपूत ने कहा कि गांवों में परिषद के माध्यम से कई रचनात्मक कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। जल संरक्षण को लेकर पदयात्रा, नदी में बोरिबंधान तथा सामूहिक श्रमदान जैसे कार्यों ने ग्रामीणों में जागरुकता और सहभागिता की भावना को मजबूत किया है। प्रशिक्षण कार्यक्रम चार अलग-अलग सत्रों में आयोजित किया गया, जिसमें समितियों को दस्तावेजीकरण, कार्यों के प्रस्तुतीकरण और संगठनात्मक क्षमता को मजबूत करने के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी गई। अंत में उत्कृष्ट कार्य करने वाली प्रस्फुटन समितियों को प्रमाण पत्र और पुष्पमाला पहनाकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रस्फुटन समिति के अध्यक्ष नवल सिंह, शिवहरि शर्मा, बलराम सिंह राजपूत, माखन सिंह महावर, लल्लू अहिरवार सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन एवं समिति सदस्य उपस्थित रहे।

वन्दनीया माताजी की जन्मशताब्दी पर लिये गये संकल्पों को करेंगे पूरा

समय जगत, ब्यावरा। अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के मार्गदर्शन में जिला समन्वय समिति जिला राजगढ़ का स्थानीय गायत्री शक्तिपीठ ब्यावरा पर पुनर्गठन कार्य गुना उपजोन समन्वयक महेश केवट की उपस्थिति में संपन्न हुआ। देव पूजन एवं अतिथि सत्कार के पश्चात् उपजोन प्रभारी ने म.प्र. जोन शांतिकुंज हरिद्वार एवं मध्यप्रदेश जोन कार्यालय भोपाल से प्राप्त दिशा निर्देशों से सभी को अवगत कराया। जिले में गायत्री परिवार के कार्यों को और अधिक गति देने एवं परम वन्दनीया माताजी की जन्मशताब्दी पर लिये गये संकल्पों को सुव्यवस्थित रूप से पूरे करने के उद्धेश्य से गायत्री परिवार के सभी परिजनों के मध्य एक जिला स्तरीय समन्वय समिति का गठन किया जाना है। इसके पश्चात पुनर्गठन प्रक्रिया प्रारंभ हुई। जिसमें सर्वसहमति से डॉ. ओ.पी. पंवार को जिला समन्वयक, अनिल शर्मा सह समन्वयक पदेन, भारत सिंह राठौर सह समन्वयक, ए.के. सिंह मंडल विस्तार अभियान श्रीमती ज्योत्सना दांगी नारी जागरण अभियान श्रीमती वैशाली वैद्य आओं गढें संस्कारवान पीढी रामबाबू दांगी युवा जोड़ो अभियान धुरीलाल नागर भारतीय सस्कृति ज्ञान परीक्षा गिरिराज शर्मा साधना एवं स्वाध्याय महेन्द्र सक्सेना पर्यावरण एवं जल संरक्षण विष्णु नागर शिक्षा एवं बाल संस्कार शाला बजेसिंह चौहान स्वावलम्बन एवं शिक्षण-प्रशिक्षण ।संजय पालीवाल नशा मुक्ति, व्यसन कुरीति उन्मूलन एवं आदर्श ग्राम विष्णु लववंशी साहित्य एवं पत्रिका विस्तार तेजकरण साहू स्वास्थ्य अभियान के प्रभारी बनाए गए। कार्यक्रम का संचालन किशोर जानोरिया द्वारा किया गया।

नेशनल लोक अदालत का किया गया आयोजन

समय जगत बीनागंज/चांचौड़ा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में शनिवार को वर्ष की प्रथम नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। गुना जिला न्यायालय तथा तहसील न्यायालय चांचौड़ा, राघौगढ़ और आरोन सहित विभिन्न विभागों में आयोजित इस लोक अदालत में आपसी सहमति से अनेक प्रकरणों का निराकरण किया गया। इस पहल के माध्यम से लोगों ने वर्षों से चले आ रहे आपसी विवादों और तकरारों को आपसी रजामंदी से समाप्त किया। लोक अदालत में न्यायालयों में लंबित दीवानी और आपराधिक शमनीय मामलों के साथ-साथ बैंक, विद्युत, श्रम, जलकर और संपत्तिकर से जुड़े प्री-लिटिगेशन प्रकरणों सहित विभिन्न मामलों का निपटारा किया गया।

नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष अमिताभ मिश्रा के मार्गदर्शन में जिला सत्र न्यायाधीश मनीष भट्ट, न्यायाधीश प्रियम सेन, न्यायाधीश डिम्पल कश्यप एवं अभिभाषक संघ अध्यक्ष

श्रीलाल श्रीवास्तव द्वारा मां सरस्वती के पूजन, महात्मा गांधी के चित्र पर माल्यार्पण तथा दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर अभिभाषक संघ चांचौड़ा के अध्यक्ष श्रीलाल श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष दिनेश दास वैरागी, सचिव रंजीत सिंह गौर एडवोकेट, कार्यकारिणी सदस्य अजय कुमार जैन एडवोकेट, जयराज सिंह खींची एडवोकेट, चंद्रभान यादव, प्रदीप कुमार शर्मा एडवोकेट, रामचरण अहिरवार, चंचरीक राजौरिया, समीना बानो, दिलीप लोधी, योगेश खरे सहित चाँचौड़ा न्यायालय के स्टाफ, नायब नाजिर अनिल कुमार सेन, तहसील विधिक सेवा प्राधिकरण के राजकुमार मौर्य, छोटेसिंह राजपूत, रितेश गुप्ता, विनय रघुवंशी, नीलेश गुप्ता, अंजली गुप्ता, ललित व्यास, सुनीत अहिरवार, मिथुन प्रजापति, शरद शर्मा, प्रदीप यादव, प्रमोद कोरी, घनश्याम जावा, अमित दुबे, विकास सेन, चंद्रपाल सिंह सहित विभिन्न बैंकों और विभागों के अधिकारी, अधिवक्ता एवं न्यायालयीन कर्मचारी उपस्थित रहे। लोक अदालत के दौरान न्यायाधीश मनीष भट्ट एवं न्यायाधीश प्रियम सेन के न्यायालयों में लंबे समय से अलग रह रहे दंपतियों के बीच भी आपसी सहमति से राजीनामा कराया गया। इस अवसर पर दंपत्तियों ने एक-दूसरे को माला पहनाकर और मिठाई खिलाकर अपने मतभेद समाप्त किए। इस भावनात्मक क्षण के दौरान अधिवक्ता अवनीश राजोरिया, नंदकिशोर मीना, दिनेश दास वैरागी, मोहित श्रीमाल, अमित कुमार सेन, विनोद कुमार सेन, राजेन्द्र कुमार शर्मा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजवीर सिंह राजपूत, चंचरीक राजोरिया, दिलीप सिंह लोधी और योगेश खरे सहित अन्य अधिवक्ता मौजूद रहे।

मध्यप्रदेश ड्राइवर महासंघ मैहर बम-बम लहरी ग्रुप के तत्वावधान में भोपाल चलो पद यात्रा करेंगे आयोजित

समय जगत, मैहर। मध्यप्रदेश ड्राइवर महासंघ मैहर बम बम लहरी ग्रुप के तत्वावधान में विभिन्न मांगों को लेकर भोपाल चलो पद यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। इस यात्रा में 55 जिलों के ड्राइवर एवं महासंघ के पदाधिकारी शामिल रहेंगे। पद यात्रा रैली समस्त जिलों और बार्डर से चल कर के कटनी में एकत्रित होकर कटनी से दमोह, सागर विदिशा, रायसेन होते हुए भोपाल में अंबेडकर भवन से एकत्रित होकर मुख्यमंत्री आवास के लिए रवाना होंगे। ड्राइवर भाईयों के मान, सम्मान, हक अधिकार, ड्राइवर आयोग के गठन की मांग, ड्राइवरों को आवास योजना का लाभ, निःशुल्क ड्राइवरों का बीमा जैसे विभिन्न

मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा जाएगा। जिसमें साथ में राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रशांत मेंडुली (अज्जू भाई), प्रदेश उपाध्यक्ष द्वारिका भाई, प्रदेश महामंत्री श्रवण भाई, प्रदेश संगठन मंत्री तेज बली भाई, प्रदेश कोषाध्यक्ष दीपू भाई, मध्यप्रदेश ड्राइवर महासंघ जिला मैहर बम बम लहरी ग्रुप से प्रदीप सिंह, राजेश कुशवाहा सदस्य, बुद्ध सेन सचिव एवं सैकड़ों की संख्या में ड्राइवर भाई उपस्थित रहे।

पीपल मोहल्ला में एक करोड़ की नई पानी टंकी का निर्माण कार्य हुआ तेज

नपाध्यक्ष और सीएमओ ने किया निरीक्षण, शहर की बढ़ेगी जल भंडारण क्षमता

समय जगत, इटारसी। शहर की जल भंडारण क्षमता को आधुनिक और सुरक्षित बनाने के लिए नगरपालिका ने बड़ा कदम उठाया है। अमृत 2.0 योजना के तहत शहर के दो प्रमुख स्थानों पर पुरानी जर्जर पानी की टंकियों को हटाकर अधिक क्षमता वाली नई टंकियां बनाई जा रही हैं। इसी क्रम में पीपल मोहल्ला में करीब 1 करोड़ रुपए की लागत से बन रही नई पानी की टंकी का निरीक्षण नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे और सीएमओ रितु मेहरा ने किया। निरीक्षण के दौरान उनके साथ एई मीनाक्षी चौधरी, उपयंत्री आदित्य पांडे और पार्षद पुत्र आकाश यादव मौजूद रहे। इस दौरान अधिकारियों ने निर्माण कार्य

की प्रगति की जानकारी दी और इसे निर्धारित समय में पूरा करने के निर्देश दिए। नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे ने बताया कि इस परियोजना के पूरा होने के बाद शहर की कुल जल भंडारण क्षमता में 11 लाख लीटर का सीधा इजाफा होगा, जिससे आने वाले वर्षों में पानी की बढ़ती मांग को पूरा करने में मदद मिलेगी। यह योजना आने वाले 20-25 वर्षों की आबादी और पानी की जरूरत को ध्यान में रखकर बनाई गई है। तवा नदी क्षेत्र में नए ट्यूबवेल, धोखेड़ा से बिछ रही पाइपलाइन और नई टंकियों के निर्माण से इटारसी में जल संकट की समस्या काफी हद तक खत्म हो जाएगी। काम तेजी से कराया जा रहा है।

पीपल मोहल्ला: यहां स्थित 12 लाख लीटर क्षमता की पुरानी टंकी जर्जर हो चुकी थी। इसके स्थान पर अब 20 लाख लीटर क्षमता की नई टंकी बनाई जा रही है। इस टंकी से पुरानी इटारसी के लगभग 40 प्रतिशत हिस्से, मुख्य बाजार और आसपास के क्षेत्रों में पानी की सप्लाई होती है। नई टंकी बनने से इन क्षेत्रों में पानी का प्रेशर बढ़ेगा और सप्लाई अधिक सुचारू होगी।

न्यास कॉलोनी: प्रकाश उद्यान में स्थित 2 लाख लीटर क्षमता की पुरानी टंकी को हटाकर अब 5 लाख लीटर क्षमता की नई टंकी बनाई जा रही है। यह टंकी पूरी न्यास कॉलोनी की जलापूर्ति का मुख्य केंद्र है।

श्मशान मार्ग की पुलिया अधूरी, सात लाख की राशि के बंदरबांट का आरोप

समय जगत, मंडला। जहां हर व्यक्ति की अंतिम यात्रा गुजरती है, उस श्मशान मार्ग पर भी कथित भ्रष्टाचार के आरोप सामने आए हैं। मंडला जनपद की ग्राम पंचायत भपसा में श्मशान तक जाने वाले मार्ग पर लगभग 7 लाख रुपये की लागत से स्वीकृत पुलिया कम स्टापडैम का निर्माण कार्य करीब एक वर्ष से अधूरा पड़ा हुआ है, जबकि राशि निकाले जाने का आरोप लगाया जा रहा है। अधूरे निर्माण के कारण शव यात्रा को अब घुमावदार रास्ते से होकर गुजरना पड़ रहा है, जिससे ग्रामीणों में भारी नाराजगी है। ग्राम पंचायत के पंच अंकित कछवाहा, श्याम सिंगौर सहित कई ग्रामीणों ने आरोप लगाते हुए बताया कि सरपंच एवं उपसरपंच पतियों की मनमानी के चलते पंचायत में कराए जा रहे नाली सहित अधिकांश निर्माण कार्य गुणवत्ता विहीन किए जा रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि पुलिया निर्माण के नाम पर स्वीकृत लगभग 7 लाख रुपये की राशि निकाल ली गई, लेकिन कार्य आज तक पूर्ण नहीं हुआ। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि सरपंच

एवं उपसरपंच पतियों के खातों में पंचायत की राशि डाली गई है और राशि निकाली जा रही है। पंचायत के जिम्मेदारों को किसी प्रकार की जांच का भय नहीं है और पूरा खेल कागजों में ही किया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि पारदर्शिता का अभाव है। यहां तक कि पंचायत के निर्वाचित पंचों को भी विकास कार्यों की जानकारी नहीं दी जाती। कई बार उच्च अधिकारियों से शिकायत करने के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। ग्रामीणों ने अब पास के ग्राम हिरदेनगर में आयोजित एक धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होने आ रहे जिले के प्रभारी मंत्री से आग्रह किया है कि वे कुछ समय निकालकर ग्राम पंचायत भपसा के निर्माण कार्यों का निरीक्षण करें, जिससे वास्तविक स्थिति सामने आ सके और ग्रामीणों को राहत मिल सके।

राजस्व भूमि पर अवैध उत्खनन जिम्मेदार विभाग मौन

समय जगत, टीकमगढ़। जिले के अंतर्गत ग्राम पंचायत श्रीनगर भाटा में राजस्व भूमि पर अवैध उत्खनन का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार लुहारबाई हार के पास बीती रातों में मुरम की अवैध खुदाई लगातार की जा रही है। स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि रात के समय जेसीबी और ट्रैक्टर-ट्रॉलियों की मदद से बड़े पैमाने पर मुरम निकाली जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि इस अवैध उत्खनन की जानकारी संबंधित विभाग के अधिकारियों को होने के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। इससे शासन को राजस्व की हानि होने के साथ-साथ सरकारी जमीन को भी नुकसान पहुंच रहा है। बताया जा रहा है कि रातों-रात मुरम निकालकर उसे अन्य स्थानों पर सप्लाई किया जा रहा है। वहीं ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए और राजस्व भूमि पर हो रहे अवैध उत्खनन को तुरंत रोका जाए। अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस मामले को कितनी गंभीरता से लेता है और अवैध उत्खनन पर कब तक रोक लगाई जाती है।

डीआईजी विजय खत्री ने पुलिस अधीक्षक मनोहर सिंह मंडलोई के साथ पुलिस अधिकारियों की ली बैठक, प्रभावी कार्रवाई के दिए निर्देश

समय जगत, टीकमगढ़। छतरपुर रेंज के डीआईजी विजय खत्री द्वारा एसपी टीकमगढ़ मनोहर सिंह मंडलोई के साथ पुलिस कंट्रोल रूम, टीकमगढ़ में जिले के राजपत्रित अधिकारियों, थाना एवं चौकी प्रभारियों की महत्वपूर्ण अपराध समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में घटित अपराधों की स्थिति, लंबित प्रकरणों तथा कानून व्यवस्था से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक के दौरान डीआईजी द्वारा लंबित अपराधों की समीक्षा करते हुए प्रकरणों के शीघ्र निराकरण पर विशेष बल दिया गया। साथ ही लंबित चालानों की स्थिति की समीक्षा कर समयबद्ध तरीके से न्यायालय में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। गुम इंसान, बालक एवं बालिकाओं के मामलों को गंभीरता से लेते हुए उनके शीघ्र पता लगाकर दस्तयाब करने के लिए पुलिस अधिकारियों को सक्रिय रूप से कार्य करने हेतु कहा गया।

इसके अतिरिक्त प्राप्त शिकायतों का अधिकतम एवं संतोषजनक निराकरण सुनिश्चित करने, अनुसूचित जाति एवं जनजाति के विरुद्ध घटित अपराधों में त्वरित एवं संवेदनशील कार्रवाई करने, तथा लंबित खातमा एवं खारिजी प्रकरणों की नियमित समीक्षा कर

उन्हें शीघ्र निपटाने के निर्देश भी दिए गए। डीआईजी द्वारा लघु अधिनियम, जुआ एक्ट, आबकारी एक्ट एवं आर्म्स एक्ट के अंतर्गत प्रभावी कार्रवाई करने पर भी जोर दिया गया। साथ ही सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों का समय सीमा में संतोषजनक निराकरण सुनिश्चित करने तथा स्थायी वारंटों की तामील कर वारंटियों को न्यायालय में पेश करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। बैठक में अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया गया कि आमजन के साथ व्यवहार शालीन एवं संवेदनशील रखें तथा उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करें। साथ ही जनसंवाद के माध्यम से नशा मुक्ति, महिला सुरक्षा, यातायात नियमों के पालन तथा साइबर अपराधों से बचाव संबंधी जागरूकता अभियानों को गांव एवं कस्बों में प्रभावी ढंग से संचालित किया जाए। अपराध समीक्षा के दौरान डीआईजी द्वारा टीकमगढ़ पुलिस द्वारा की जा रही कार्रवाई एवं प्रयासों की सराहना करते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार सक्रिय एवं प्रभावी कार्यवाही जारी रखने के लिए प्रेरित किया गया।

बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विक्रम सिंह कुशवाह, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस टीकमगढ़ राहुल कटरे, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस जतारा अभिषेक गौतम, रक्षित निरीक्षक कनक सिंह चौहान सहित जिले के सभी थाना एवं चौकी प्रभारी तथा पुलिस अधीक्षक कार्यालय का स्टाफ उपस्थित रहा।

इंजीनियरिंग कालेज ने विन्ध्य की कई प्रतिभाओं को तराशा : डिप्टी सीएम श्री शुक्ल

श्री शुक्ल ने इंजीनियरिंग कालेज में टेक फेस्ट का किया शुभारंभ, रीवा से 17 मार्च को रायपुर तथा 15 अप्रैल से कोलकाता के लिए चलेंगे प्लेन

समय जगत, रीवा। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने इंजीनियरिंग कालेज रीवा में टेक फेस्ट का शुभारंभ किया। रीवा इंजीनियरिंग कालेज के 62वें स्थापना दिवस पर आयोजित समारोह में कालेज के पूर्व छात्र तथा उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि अपने स्थापना की 62वीं वर्षगांठ मना रहा इंजीनियरिंग कालेज रीवा तकनीक और विकास के नए आयाम गढ़ रहा है। इंजीनियरिंग कालेज के विकास में इसके पुरा छात्रों का सराहनीय योगदान है। इस इंजीनियरिंग कालेज ने विन्ध्य की कई प्रतिभाओं को तराशा है जो देश-विदेश के बड़े संस्थानों में अपनी प्रतिभा की चमक बिखेर रही हैं। इंजीनियरिंग कालेज के विकास के लिए हर संभव सहायता दी जाएगी। पुरा छात्रों के सहयोग से आज इंडस्ट्री इंस्टीट्यूट इंट्रैक्शन सेंटर की आधारशिला रखी गई है। यह सेंटर कालेज के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों, प्रोफेसरों को बड़े औद्योगिक संस्थानों से संवाद का केन्द्र बनेगा। इसके निर्माण के लिए मैं अपनी विधायक निधि से 10 लाख रुपए दे रहा हूं। भारत में वर्तमान में यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व में तेजी से विकास हो रहा है। भारत विश्वगुरू बनने की ओर तेजी से कदम बढ़ा रहा है। खाड़ी में अशांति के कारण होर्मूज स्टेट से किसी भी देश के जल जहाज पार नहीं हो रहे हैं, लेकिन ईरान ने भारत के जहाजों को जाने की अनुमति दी है। यह हमारे देश के कुशल नेतृत्व की विश्व में अच्छी साख का परिणाम है।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि रीवा बहुत तेजी से विकास कर रहा है। पेरिस सम्मेलन के बाद हमने सबसे पहले गुढ़ में 750 मेगावाट का सोलर प्लांट लगाया। इसकी बिजली से दिल्ली की मेट्रो चल रही है। रीवा से इंदौर, भोपाल और दिल्ली के लिए सीधी हवाई सेवा है। रीवा से 17 मार्च को रायपुर तथा 15 अप्रैल से कोलकाता के लिए भी हवाई सेवा शुरू हो रही है। अब बड़े उद्योगपतियों, निवेशकों तथा विशेषज्ञों को रीवा आने में किसी तरह की कठिनाई नहीं होगी। इंजीनियरिंग कालेज में रिसर्च और इनोवेशन की दिशा में लगातार अच्छे प्रयास किए जा रहे हैं। प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने एलपीजी गैस संकट से निपटने के लिए वैकल्पिक मॉडल प्रस्तुत किया है। यहाँ प्रतिभाओं की कमी नहीं है। बड़े प्लेटफार्म का अवसर मिलने पर विन्ध्य की प्रतिभाएं आसमान तक तिरंगा फहरा सकती हैं। उप मुख्यमंत्री ने समारोह के पूर्व ट्रिपल आई सेंटर का भूमिपूजन किया तथा विद्यार्थियों द्वारा लगाई गई टेक फेस्ट प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

समारोह में अडानी उद्योग समूह के रिन्यूअल एनर्जी के मैनेजिंग डायरेक्टर चैतन्य साहू ने कहा कि रीवा इंजीनियरिंग कालेज ने सफल इंजीनियरों के साथ उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल जैसा विकास के लिए समर्पित और सकारात्मक दृष्टिकोण वाला राजनेता भी हमें दिया है। विद्यार्थी अपनी प्रतिभा को आत्मविश्वास से आगे बढ़ाकर ऊंचे लक्ष्य प्राप्त करने की कोशिश करें। हर असफलता हमें सफलता की ओर कदम बढ़ाने की प्रेरणा देती है। कालेज के पूर्व विद्यार्थियों से मार्गदर्शन और प्रेरणा लेकर विद्यार्थी सफलता के नए शिखर छू लें। समारोह में कालेज के पुरा छात्र तथा एनटीपीसी के सेवानिवृत्त सीएमडी आरएस शर्मा ने कहा कि हम सबने इंजीनियरिंग कालेज के दो कमरों में जो सपने देखे थे वे आज पूरा आकार ले चुके हैं। कालेज के प्राचार्य, विद्यार्थी, पुरा छात्र, सरकार और औद्योगिक संस्थान आधार स्तंभ हैं। इनके समन्वय और संवाद के लिए ट्रिपल आई सेंटर का निर्माण किया जा रहा है। समारोह में कालेज के प्राचार्य आरपी तिवारी ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कालेज की विकास यात्रा की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कालेज में 1964 में तीन कोर्स शुरू किए गए। वर्तमान में पाँच कोर्स, पीजी कोर्स और पीएचडी की सुविधा है। कालेज में 9 यूजी कोर्स तथा 10 पीजी कोर्स शुरू करने के लिए 175 करोड़ की कार्ययोजना बनाई गई है। समारोह में विद्यार्थियों ने आरईसी हमारी शान है, इससे हमारी पहचान है गीत के माध्यम से संस्थान की उपलब्धियों का बखान किया। समारोह में नगर निगम के अध्यक्ष श्री व्यंकटेश पाण्डेय, अल्ट्राटेक सीमेंट मैहर के प्रेसिडेंट तथा प्लांट हेड विजनेश्वर मोहंती, टोंस हाइड्रल पावर के असिस्टेंट चीफ इंजीनियर पुरूषोत्तम गुप्ता, बीएसएनएल के पीजीएम यतीश कठेरिया, कालेज के प्रथम बैच के छात्र सेवानिवृत्त चीफ इंजीनियर अनुपम श्रीवास्तव, अन्य पूर्व छात्र, प्राध्यापकगण तथा विद्यार्थी उपस्थित रहे। समारोह का संचालन प्रोफेसर डॉ. संदीप पाण्डेय ने किया। समारोह का समापन चीफ इंजीनियर श्री विनोद सिंह द्वारा आभार प्रदर्शन से हुआ।

सार संक्षिप्त

सनावद तहसील में नवीन न्यायालय भवन निर्माण की मांग

समय जगत, बड़वाह। सनावद तहसील में नवीन एवं सर्वसुविधासंपन्न न्यायालय भवन की मांग विगत कई वर्षों से की जा रही है। मौजूदा न्यायालय भवन में स्थान की कमी के कारण न्यायिक कार्यों के सुचारु संपादन में सभी पक्षों को बड़ी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा रहा है। सनावद तहसील में न्यायिक संबंधी बढ़ते कामकाज मद्देनजर भी नवीन न्यायालय भवन की आवश्यकता बड़ी शिद्दत के साथ महसूस की जा रही है। इस तारतम्य में विधायक सचिन बिरला ने विधि एवं विधायी कार्य विभाग भोपाल के प्रमुख सचिव को पत्र प्रेषित कर सनावद तहसील में नवीन न्यायालय भवन के निर्माण की शीघ्र प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करने की मांग की है। पत्र में कहा गया कि सनावद तहसील में नवीन न्यायालय भवन की लंबे समय से आवश्यकता महसूस की जा रही है। मौजूदा न्यायालय भवन में स्थान की कमी के कारण न्यायिक कार्यों के सुचारु संपादन में सभी संबंधित पक्षों को बड़ी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। पत्र में विधायक ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि गत 9/12/2024 को माननीय उच्च न्यायालय जबलपुर में जिला न्यायपालिका अवसंरचना समिति की बैठक में सनावद तहसील में 3 कोर्ट रूम वाले नवीन न्यायालय भवन के निर्माण हेतु 1920.12 लाख रु के प्राक्कलन को अनुशंसा सहित स्वीकृति प्रदान की गई है। माननीय मुख्य न्यायाधिपति महोदय ने भी इस प्रस्ताव पर सहमति प्रदान की है। पत्र में कहा गया है कि माननीय उच्च न्यायालय द्वारा सनावद तहसील में नवीन न्यायालय भवन निर्माण हेतु विधि एवं विधायी कार्य विभाग मप्र शासन भोपाल को विस्तृत प्रस्ताव, डीपीआर एवं प्राक्कलन प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति हेतु पूर्व में ही प्रेषित किए जा चुके हैं। विधायक ने मांग की है कि सनावद तहसील में नवीन न्यायालय भवन निर्माण के जनहितैषी प्रोजेक्ट को प्राथमिकता दी जाए और प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति शीघ्र प्रदान की जाए।

एसडीएम हुजूर ने दो लापरवाह कर्मचारियों को दिया नोटिस

समय जगत, रीवा। एसडीएम हुजूर डॉ. अनुराग तिवारी ने सहायक वर्ग तीन दिलीप पाल तथा सहायक वर्ग तीन धर्मेन्द्र पटेल को कारण बताओ नोटिस दिया है। यह नोटिस मध्यप्रदेश सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के तहत दिया गया है। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में प्रसारित समाचारों में इन दोनों कर्मचारियों को 13 मार्च को एसडीएम कार्यालय में रात 10 बजे शराब पीते हुए दिखाया गया। इस आचरण से कार्यालय की छवि धूमिल होने के साथ इन कर्मचारियों की लापरवाही और अनुशासनहीनता प्रकट होती है जिसके कारण इन्हें नोटिस दिया गया है। नोटिस का 24 घंटे की समय सीमा में संतोषजनक उत्तर प्राप्त न होने पर एक पक्षीय अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। एसडीएम ने मामले की जाँच के लिए नायब तहसीलदार हुजूर की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय समिति में गठित की है। समिति को जाँच कर दो दिवस में प्रतिवेदन देने के निर्देश दिए गए हैं।

अजगरहा में आज मनाया जाएगा जल महोत्सव

समय जगत, रीवा। जलजीवन मिशन द्वारा जल संरक्षण के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में 15 मार्च को सुबह 11.30 बजे से पीएम श्री शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अजगरहा में जल महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस संबंध में जिला प्रबंधक जल जीवन मिशन चित्रांशु ने बताया कि समारोह में जल संरक्षण से जुड़ी विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। गांव में रैली निकालकर जल संरक्षण का संदेश दिया जाएगा। समारोह में शामिल सभी व्यक्तियों को जल संरक्षण और संवर्धन की समझाइश देने के साथ-साथ जल शपथ दिलाई जाएगी। कार्यक्रम का आयोजन ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति अजगरहा, ग्राम पंचायत तथा जल जीवन मिशन द्वारा किया जा रहा है।

सुपर स्पेशलिटी में किशोरी को किया गया पेसमेकर का सफल प्रत्यारोपण

समय जगत, रीवा। रीवा के सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में जटिल रोगों के उपचार में नित नई सफलताएं प्राप्त की जा रही हैं। अस्पताल में मऊगंज की 17 वर्षीय किशोरी को गंभीर हालत में भर्ती कराया गया। किशोरी जन्मजात पूर्ण हृदय ब्लॉक से गंभीर रूप से पीड़ित थी। उसे बेहोशी और दिल का दौरा पड़ने की स्थिति में डॉ. एस.के. त्रिपाठी के पास लाया गया। अस्पताल में डॉ. एस.के. त्रिपाठी (डी.एम. कार्डियोलॉजी) तथा उनकी कुशल टीम ने तत्काल कार्डियक कैथ लैब में पेसमेकर प्रत्यारोपण की जटिल प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी की, जिससे मरीज की जान बचाई गई। यह प्रक्रिया मरीज के जीवन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण साबित हुई। कैथ लैब टीम में जय नारायण मिश्रा, सत्यम, सुमन, मनीष, सुधांशु, निकित, सोनाली, विजय शामिल रहे। नर्सिंग स्टाफ में सतेन्द्र एवं किशोर ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। उप मुख्यमंत्री तथा स्वास्थ्य मंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल के विशेष प्रयासों और पहल से सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में जटिल रोगों के उपचार के लिए विश्व स्तरीय स्वास्थ्य सुविधाएं निरंतर विकसित हो रही हैं। जिनके कारण कई गंभीर रूप से बीमार व्यक्तियों की जान बचाई जा रही है। प्रक्रिया की सफलता पर संस्थान के डीन डॉ. सुनील अग्रवाल एवं अधीक्षक डॉ. अक्षय श्रीवास्तव ने पूरी टीम को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

पुलिस सुरक्षा के बीच शासकीय महाविद्यालय की जमीन का हुआ सीमांकन

बैकुण्ठपुर वार्ड 1 में 7 एकड़ जमीन पर बनेगा शासकीय महाविद्यालय भवन

रीवा। बैकुण्ठपुर नगर तथा आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक बड़ी और महत्वपूर्ण पहल की दिशा में शनिवार को प्रशासन द्वारा ठोस कदम उठाया गया। लंबे समय से प्रतीक्षित शासकीय उच्च शिक्षा महाविद्यालय के स्थायी भवन निर्माण की प्रक्रिया को आगे बढ़ाते हुए वार्ड क्रमांक 01 में आवंटित लगभग 7 एकड़ शासकीय भूमि का सीमांकन प्रशासन की मौजूदगी में कराया गया। सीमांकन के दौरान किसी भी प्रकार की बाधा या विवाद की स्थिति से निपटने के लिए मौके पर भारी पुलिस बल भी तैनात रहा। प्रशासनिक अधिकारियों और पुलिस की उपस्थिति में जमीन की स्पष्ट सीमा तय कर पत्थर गाड़कर चिन्हांकन किया गया, जिससे अब महाविद्यालय भवन निर्माण का रास्ता पूरी तरह साफ हो गया है। स्थानीय नागरिकों और विद्यार्थियों के लिए यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है, क्योंकि लंबे समय से क्षेत्र में शासकीय महाविद्यालय के स्थायी भवन की मांग की जा रही थी। बैकुण्ठपुर और आसपास के गांवों के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए पहले रीवा या अन्य बड़े शहरों का रुख करना पड़ता था, जिससे आर्थिक और सामाजिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। कई ऐसे छात्र-छात्राएं भी थे जो संसाधनों के अभाव में आगे की पढ़ाई नहीं कर पाते थे। ऐसे में बैकुण्ठपुर में महाविद्यालय की स्थापना क्षेत्र की शिक्षा व्यवस्था के लिए एक बड़ा बदलाव साबित हुई है। जानकारी के अनुसार, बैकुण्ठपुर नगर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों की लगातार मांग और क्षेत्रीय विधायक दिव्यराज सिंह के प्रयासों के परिणामस्वरूप तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बैकुण्ठपुर में शासकीय महाविद्यालय खोलने की घोषणा की थी। इस घोषणा के बाद शासन स्तर पर आवश्यक औपचारिकताएं पूरी की गई और लगभग तीन वर्ष पहले नगर परिषद बैकुण्ठपुर के खाली पड़े कमरों में अस्थायी रूप से महाविद्यालय की शुरुआत की गई थी। तब से यहां छात्र-छात्राओं की पढ़ाई जारी है। हालांकि अस्थायी भवन में संचालित हो रहे इस महाविद्यालय में विद्यार्थियों और शिक्षकों को कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था। कक्षाओं की कमी, बैठने की पर्याप्त व्यवस्था का अभाव, पुस्तकालय और प्रयोगशालाओं जैसी मूलभूत सुविधाओं की कमी के कारण पढ़ाई का वातावरण प्रभावित हो रहा था। इसके बावजूद विद्यार्थियों ने कठिन परिस्थितियों में भी अपनी पढ़ाई जारी रखी और क्षेत्र के अभिभावकों ने भी इस पहल का स्वागत किया। इन्हीं समस्याओं को ध्यान में रखते हुए महाविद्यालय के स्थायी भवन निर्माण की प्रक्रिया शुरू की गई। प्रशासन ने नगर के वार्ड क्रमांक 01 में वर्षों से खाली पड़ी लगभग 7 एकड़ शासकीय भूमि को महाविद्यालय भवन के लिए चिन्हित किया। यह भूमि शिक्षा संस्थान के लिए उपयुक्त मानी गई और इसे औपचारिक रूप से महाविद्यालय के नाम आवंटित करने की प्रक्रिया पूरी की गई। बताया जाता है कि महाविद्यालय के भवन निर्माण के लिए शासन स्तर से लगभग 13 करोड़ 26 लाख 5000 हजार रुपये की राशि स्वीकृत की जा चुकी है। इस बजट से आधुनिक सुविधाओं से युक्त महाविद्यालय भवन का निर्माण किया जाएगा। प्रस्तावित भवन में पर्याप्त कक्षाएं, प्रशासनिक कक्ष, पुस्तकालय, प्रयोगशालाएं, सेमिनार हॉल, खेल मैदान और अन्य आवश्यक सुविधाएं विकसित की जाएंगी, जिससे विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिल सके। हालांकि भूमि के सीमांकन की प्रक्रिया पहले भी कई बार शुरू करने की कोशिश की गई थी, लेकिन कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा विरोध किए जाने के कारण यह कार्य पूरा नहीं हो सका था। इसी कारण प्रशासन ने इस बार पूरी तैयारी के साथ सीमांकन कराने का निर्णय लिया। शनिवार को नायब तहसीलदार बिंदु तिवारी के नेतृत्व में राजस्व विभाग की टीम और पुलिस बल मौके पर पहुंचा और विधिवत प्रक्रिया का पालन करते हुए जमीन का सीमांकन किया गया। सीमांकन के दौरान राजस्व विभाग के अधिकारियों ने नाप-जोख कर जमीन की सटीक सीमा निर्धारित की और पत्थर गाड़कर स्थायी रूप से चिन्हांकन कर दिया। इस पूरी प्रक्रिया के दौरान पुलिस बल सतर्कता के साथ तैनात रहा, जिससे कार्य शांतिपूर्ण ढंग से पूरा हो सका। इस मौके पर बैकुण्ठपुर सर्किल के पटवारी मुकेश सिंह और ओ.एन. पिंजे भी मौजूद रहे, जिन्होंने सीमांकन की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके अलावा बैकुण्ठपुर थाना प्रभारी घनश्याम मिश्रा अपनी पुलिस टीम के साथ मौके पर मौजूद रहे और पूरे कार्यक्रम के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी निभाई। महाविद्यालय के प्राचार्य एच.एल. अहिरवार, महाविद्यालय के शिक्षक और कर्मचारी भी इस अवसर पर उपस्थित रहे। इसके साथ ही वार्ड क्रमांक 01 के पार्षद बृजलाल कुशवाहा और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक भी सीमांकन के दौरान मौके पर मौजूद रहे और इस ऐतिहासिक प्रक्रिया के साक्षी बने। स्थानीय लोगों ने इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि महाविद्यालय का स्थायी भवन बनने से क्षेत्र के विद्यार्थियों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और उच्च शिक्षा के लिए दूर-दराज के शहरों में जाने की मजबूरी कम होगी। अभिभावकों का कहना है कि जब महाविद्यालय का अपना भवन तैयार हो जाएगा तो यहां पढ़ाई का स्तर भी बेहतर होगा और अधिक विद्यार्थी उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित होंगे। क्षेत्र के कई सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भी इसे क्षेत्र के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है। उनका कहना है कि शिक्षा किसी भी समाज की प्रगति का आधार होती है और बैकुण्ठपुर में महाविद्यालय भवन का निर्माण होने से पूरे क्षेत्र में शिक्षा का स्तर बढ़ेगा। इससे आसपास के ग्रामीण इलाकों के विद्यार्थियों को भी बड़ा लाभ मिलेगा। बताया जा रहा है कि सीमांकन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब महाविद्यालय भवन निर्माण की प्रशासनिक औपचारिकताएं तेजी से आगे बढ़ेंगी। जल्द ही निर्माण कार्य शुरू होने की संभावना जताई जा रही है। यदि सब कुछ निर्धारित योजना के अनुसार होता है तो आने वाले समय में बैकुण्ठपुर में एक भव्य और आधुनिक सुविधाओं से युक्त शासकीय महाविद्यालय भवन तैयार हो जाएगा। महाविद्यालय भवन बनने के बाद यहां नए विषयों की पढ़ाई शुरू होने की भी संभावना है। इससे विद्यार्थियों को अपने क्षेत्र में ही विभिन्न विषयों में उच्च शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। साथ ही रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे और क्षेत्र के सामाजिक व आर्थिक विकास को गति मिलेगी। कुल मिलाकर, बैकुण्ठपुर में शासकीय महाविद्यालय की जमीन का सीमांकन केवल एक प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह क्षेत्र के हजारों विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है। स्थानीय नागरिकों को उम्मीद है कि अब जल्द ही महाविद्यालय भवन निर्माण का कार्य शुरू होगा और आने वाले वर्षों में बैकुण्ठपुर शिक्षा के क्षेत्र में एक नई पहचान स्थापित करेगा।

संपादकीय

इजराइल- ईरान के प्रति भारत का संतुलित दृष्टिकोण

इजराइल- ईरान युद्ध का भारत पर भी प्रभाव पड़ रहा है। खासकर ईंधन की उपलब्धता पर इसका अधिक असर देखा जा रहा है। विश्व के दूसरे देश भी इससे प्रभावित हो रहे हैं। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का लगभग 85 प्रतिशत कच्चा तेल आयात करता है और प्राकृतिक गैस की बड़ी मात्रा भी विदेशों से आती है।ऐसे में अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतों की अस्थिरता का सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था,परिवहन लागत और औद्योगिक उत्पादन पर पड़ सकता है। यही कारण है कि भारत ने ऊर्जा सुरक्षा को अपनी राष्ट्रीय नीति के प्रमुख स्तंभ के रूप में स्थापित किया है। भारत की ऊर्जा रणनीति का एक महत्वपूर्ण पहलू विविध स्रोतों से आयात सुनिश्चित करना है।पिछले कुछ वर्षों में भारत ने तेल आयात के अपने स्रोतों का विस्तार किया है और विभिन्न देशों के साथ ऊर्जा सहयोग को मजबूत किया है। इस संदर्भ में रूस से रियायती दरों पर कच्चे तेल की खरीद ने भारत की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। 2021 में जहाँ भारत के कुल तेल आयात में रूस की हिस्सेदारी बहुत कम थी,वहीं 2024-25 तक यह बढ़कर लगभग 35 प्रतिशत के आसपास पहुंच गई। इससे भारत को अंतरराष्ट्रीय बाजार की ऊंची कीमतों से काफी राहत मिली। इसी प्रकार पश्चिम एशिया के देशों के साथ भी भारत के ऊर्जा संबंध लगातार मजबूत हो रहे हैं।सऊदी अरब,संयुक्त अरब अमीरात और कतर जैसे देशों के साथ दीर्घकालिक तेल और गैस आपूर्ति समझौते भारत की ऊर्जा नीति की स्थिरता को सुनिश्चित करते हैं। कतर भारत को तरलीकृत प्राकृतिक गैस का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता है और भारत की गैस आधारित ऊर्जा संरचना में उसकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।ऊर्जा सुरक्षा के साथ-साथ भारत स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। सौर ऊर्जा,पवन ऊर्जा और हरित हाइड्रोजन जैसे क्षेत्रों में भारत ने उल्लेखनीय प्रगति की है।भारत का लक्ष्य 2030 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता स्थापित करना है।इस दिशा में अंतरराष्ट्रीय सहयोग भी बढ़ रहा है और भारत नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व की भूमिका निभाने की दिशा में अग्रसर है।विदेश नीति के स्तर पर भारत ने जिस संतुलित दृष्टिकोण को अपनाया है, वह वर्तमान वैश्विक परिस्थिति में विशेष महत्व रखता है। रूस-यूक्रेन संघर्ष के दौरान भारत ने किसी एक पक्ष का खुला समर्थन करने के बजाय संवाद और कूटनीतिक समाधान पर जोर दिया। संयुक्त राष्ट्र के मंचों पर भारत ने बार-बार यह कहा कि युद्ध किसी समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सकता और सभी पक्षों को बातचीत के माध्यम से समाधान तलाशना चाहिए। यह संतुलित नीति भारत को पश्चिमी देशों और रूस दोनों के साथ मजबूत संबंध बनाए रखने की क्षमता देती है। एक ओर भारत के रणनीतिक संबंध अमेरिका और यूरोपीय देशों के साथ लगातार मजबूत हो रहे हैं,वहीं दूसरी ओर रूस के साथ रक्षा और ऊर्जा सहयोग भी जारी है। भारत की प्रतिबद्धता हमेशा से ही विश्वशांति की रही है। भारत अपने श्रेष्ठ सिद्धांतों, सरोकारों और न्याय आधारित नैतिक प्रतिबद्धता का परंपरागत रूप से पालन कर रहा है। यही कारण है कि भारत के द्वारा अमेरिका, इजराइल और ईरान के मामले में संतुलन बरता जा रहा है तथा केन्द्र सरकार से यही अपेक्षा है कि वह कूटनीतिक दक्षता और समझ आधारित दृष्टिकोण के साथ काम करे। इजराइल- ईरान के बीच युद्धविराम के साथ शांति स्थापना में भारत की प्रभावी भूमिका परिलक्षित हो।

तेल-गैस संकट के बीच सेंसेक्स का गिरना क्या अर्थतंत्र में महासंकट के संकेत?

नजरिया

वैश्विक अर्थव्यवस्था में जब भी ऊर्जा संकट गहराता है, उसका सीधा असर वित्तीय बाजारों और आम लोगों की जेब पर दिखाई देता है। हाल के दिनों में कच्चे तेल और गैस की कीमतों में बढ़ोतरी तथा आपूर्ति को लेकर बढ़ती अनिश्चितता के बीच भारतीय शेयर बाजार का प्रमुख सूचकांक गिरावट की ओर गया है। यह गिरावट केवल बाजार की सामान्य हलचल नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था के सामने खड़े संभावित बड़े संकट का संकेत भी हो सकती है। वहीं जब मैं इस लेख को लिख रहा हूं तो सेंसेक्स और निफ्टी काफी हद तक गिर चुका है। ऐसे में सरकार के कहने के बावजूद जनमानस इस युद्ध के बीच ऊर्जा का भंडार भरकर रखना चाहता है, यह युद्ध क्या पटकथा लिखेगा कोई नहीं जानता क्योंकि रुस-युक्रेन युद्ध भी अभी तक समाप्त नहीं हुआ।

सौरभ वार्ष्णेय

भारत जैसे देश की ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयातित तेल और गैस पर निर्भर है। जब वैश्विक स्तर पर तेल-गैस की कीमतें बढ़ती हैं या आपूर्ति बाधित होती है, तो उसका असर सीधे महंगाई, उत्पादन लागत और व्यापार संतुलन पर पड़ता है। उद्योगों की लागत बढ़ती है, परिवहन महंगा होता है और अंततः इसका बोझ आम उपभोक्ता तक पहुंचता है। निवेशकों को भी यह संकेत मिलता है कि आने वाले समय में कंपनियों के मुनाफे पर दबाव बढ़ सकता है। शेयर बाजार का गिरना इसी चिंता का प्रतिबिंब है। निवेशक भविष्य की आशंकाओं को देखते हुए बाजार से पैसा निकालने लगते हैं। विदेशी निवेशक भी जोखिम से बचने के लिए उभरते बाजारों से पूंजी निकालते हैं, जिससे बाजार में गिरावट और तेज हो जाती है। यदि यह स्थिति लंबे समय तक बनी रहती है तो इसका असर निवेश, रोजगार और आर्थिक विकास की गति पर पड़ सकता है। ऊर्जा संकट का दूसरा पहलू राजकोषीय दबाव भी है। सरकार को महंगाई नियंत्रित करने के लिए करों में कटौती, सब्सिडी या अन्य राहत उपाय देने पड़ सकते हैं। इससे सरकारी खजाने पर अतिरिक्त बोझ बढ़ता है। साथ ही यदि आयात बिल बढ़ता है तो चालू खाते का घाटा भी बढ़ सकता है, जो आर्थिक स्थिरता के लिए चुनौती बन जाता है। हालांकि यह भी सच है कि शेयर बाजार हमेशा दीर्घकालिक आर्थिक स्थिति का सटीक दर्पण नहीं होता। कई बार वैश्विक परिस्थितियों, भू-राजनीतिक तनाव या निवेशकों की मनोवैज्ञानिक प्रतिक्रिया से भी बाजार अचानक गिर सकता है। इसलिए सेंसेक्स की गिरावट को तुरंत महा संकट मान लेना भी उचित नहीं होगा। लेकिन इसे एक चेतावनी संकेत जरूर माना जाना चाहिए। ऐसे समय में सरकार और नीति-निर्माताओं के सामने सबसे बड़ी चुनौती ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने की है। देश को तेल-गैस के आयात पर निर्भरता कम करने, नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने और रणनीतिक भंडार बढ़ाने जैसी नीतियों पर तेजी से काम करना होगा। साथ ही आर्थिक सुधारों और निवेश को बढ़ावा देकर बाजार का भरोसा बनाए रखना भी जरूरी है। अंततः कहा जा सकता है कि तेल-गैस संकट के बीच सेंसेक्स की गिरावट केवल बाजार की घटना नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था के सामने खड़ी चुनौतियों की याद दिलाती है। यदि समय रहते ठोस कदम उठाए जाएं तो यह संकट अवसर में भी बदल सकता है, लेकिन अगर इसे नजरअंदाज किया गया तो इसके गंभीर आर्थिक परिणाम सामने आ सकते हैं। वैश्विक और घरेलू आर्थिक परिस्थितियों के बीच आज निवेशक एक कठिन दौर से गुजर रहा है। बाजार में अनिश्चितता, अंतरराष्ट्रीय तनाव और महंगाई के दबाव ने निवेशकों को दोहरी दुविधा में डाल दिया है। एक ओर शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव है, वहीं दूसरी ओर सुरक्षित निवेश विकल्प भी अपेक्षित रिटर्न नहीं दे पा रहे हैं। ऐसे माहौल में यह सवाल महत्वपूर्ण हो गया है कि निवेशक अपने धन को कहाँ और कैसे सुरक्षित रखें। हाल के समय में वैश्विक स्तर पर कई घटनाएँ आर्थिक बाजारों को प्रभावित कर रही हैं। तेल-गैस की कीमतों में अस्थिरता, अंतरराष्ट्रीय संघर्ष और प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं की नीतियों में बदलाव का असर भारत सहित दुनिया के शेयर बाजारों पर दिखाई दे रहा है। जब भी वैश्विक स्तर पर संकट गहराता है, निवेशक जोखिम से बचने के लिए सुरक्षित विकल्पों की ओर रुख करते हैं। लेकिन वर्तमान स्थिति में सुरक्षित निवेश भी बहुत आकर्षक नहीं दिख रहा। दूसरी ओर घरेलू स्तर पर भी निवेशकों के सामने कई सवाल खड़े हैं। महंगाई की दर में उतार-चढ़ाव, ब्याज दरों की अनिश्चितता और कंपनियों के भविष्य को लेकर आशंकाएँ निवेशकों को निर्णय लेने में कठिनाई पैदा कर रही हैं। शेयर बाजार में निवेश करने पर जोखिम अधिक है, जबकि बैंक जमा या अन्य सुरक्षित विकल्पों में रिटर्न सीमित है। यही कारण है कि निवेशक समझ नहीं पा रहे कि जोखिम उठाकर बाजार में बने रहें या सुरक्षित विकल्पों में पैसा लगाएं। निवेशकों की यह दुविधा केवल आर्थिक नहीं, बल्कि मनोवैज्ञानिक भी है। बाजार की अस्थिरता के कारण कई छोटे निवेशक घबराकर अपने निवेश को निकाल लेते हैं, जिससे बाजार में और अधिक गिरावट देखने को मिलती है। वहीं कुछ अनुभवी निवेशक इसे अवसर के रूप में देखते हैं और गिरते बाजार में निवेश बढ़ाते हैं। ऐसी स्थिति में सबसे महत्वपूर्ण है संतुलित और दीर्घकालिक दृष्टिकोण। विशेषज्ञों का मानना है कि निवेशकों को घबराहट में निर्णय लेने के बजाय अपने निवेश को विविध क्षेत्रों में बांटना चाहिए और लंबी अवधि की रणनीति अपनानी चाहिए। इससे जोखिम कम किया जा सकता है और बाजार की अस्थिरता का प्रभाव भी सीमित किया जा सकता है। सरकार और नियामक संस्थाओं की भी जिम्मेदारी है कि वे आर्थिक स्थिरता बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाएँ। पारदर्शी नीतियाँ, निवेश के अनुकूल वातावरण और वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देकर निवेशकों का भरोसा मजबूत किया जा सकता है।

यह कहा जा सकता है कि वर्तमान समय निवेशकों के लिए परीक्षा का दौर है। दोहरी दुविधा के बीच सही निर्णय वही होगा जो धैर्य, समझ और दीर्घकालिक सोच पर आधारित हो। अगर निवेशक संतुलित रणनीति अपनाते हैं, तो अस्थिर बाजार भी भविष्य के अवसरों में बदल सकता है। विश्व राजनीति और ऊर्जा बाज़ार में बढ़ती अनिश्चितता ने एक बार फिर तेल-गैस संकट की आशंका को गहरा कर दिया है। मध्य-पूर्व में बढ़ते तनाव, आपूर्ति में रुकावट और अंतरराष्ट्रीय बाज़ार में कीमतों के उतार-चढ़ाव का सीधा असर भारत जैसे आयात-निर्भर देश पर पड़ता है। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात करता है, इसलिए जब भी वैश्विक स्तर पर संकट पैदा होता है, उसका दबाव देश की अर्थव्यवस्था, उद्योग और आम उपभोक्ता पर साफ दिखाई देता है।तेल और गैस केवल ईंधन नहीं, बल्कि आधुनिक अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। परिवहन, बिजली उत्पादन, उद्योग और घरेलू उपयोग—हर क्षेत्र इन पर निर्भर है। जब इनकी कीमतें बढ़ती हैं या आपूर्ति कम होती है, तो महंगाई बढ़ती है, उत्पादन लागत बढ़ती है और आर्थिक विकास की गति भी प्रभावित होती है। इसलिए यह केवल ऊर्जा संकट नहीं, बल्कि आर्थिक और सामाजिक चुनौती भी बन जाता है।इस संकट से निपटने के लिए सरकार को बहुस्तरीय रणनीति अपनानी होगी। सबसे पहले, ऊर्जा स्रोतों का विविधीकरण जरूरी है। भारत को केवल कुछ सीमित देशों पर निर्भर रहने के बजाय अलग-अलग क्षेत्रों से तेल और गैस की आपूर्ति सुनिश्चित करनी चाहिए। दीर्घकालिक समझौते और रणनीतिक भंडारण भी आपूर्ति सुरक्षा को मजबूत कर सकते हैं।दूसरा महत्वपूर्ण कदम वैकल्पिक और नवीकरणीय ऊर्जा का विस्तार है। सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा और हरित हाइड्रोजन जैसे स्रोत भविष्य में तेल-गैस पर निर्भरता कम कर सकते हैं। भारत ने इस दिशा में कुछ कदम उठाए हैं, लेकिन इसे और तेज़ी से बढ़ाने की आवश्यकता है।तीसरा, ऊर्जा दक्षता को बढ़ावा देना भी जरूरी है। उद्योगों, वाहनों और घरेलू उपयोग में ऊर्जा की बचत से खपत कम की जा सकती है। इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहन और सार्वजनिक परिवहन का विस्तार भी तेल की मांग घटाने में मदद कर सकता है। तेल-गैस संकट हमें यह याद दिलाता है कि ऊर्जा सुरक्षा केवल आयात से नहीं, बल्कि दीर्घकालिक नीति, तकनीकी नवाचार और आत्मनिर्भरता से ही सुनिश्चित हो सकती है। यदि भारत समय रहते सही कदम उठाता है, तो वह न केवल इस संकट से उबर सकता है, बल्कि भविष्य की ऊर्जा चुनौतियों का भी मजबूती से सामना कर सकता है।

'साइलेंट किलर' बन सकता है बढ़ता तापमान

ज्ञानेन्द्र रावत

भीषण गर्मी से स्वास्थ्य पर गंभीर खतरे हो सकते हैं, जैसे अंगों की क्रियाशीलता बाधित होना, विकलांगता आदि। साथ ही हृदयघात भी हो सकता है। इसके अतिरिक्त, शिक्षा, कृषि, उत्पादकता व जीवन पर भी खतरा मंडरा रहा है। वैज्ञानिकों ने इसे 'साइलेंट किलर' की संज्ञा दी है। दुनिया में बढ़ती गर्मी का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। अनुमान है कि साल 2050 तक, दुनिया के लगभग 41 फीसदी लोग खतरनाक स्तर पर भीषण गर्मी का सामना करने को विवश होंगे। साल 2010 तक यह आंकड़ा महज 23 फीसदी था। यह स्थिति तब होगी जब दुनिया का औसत तापमान औद्योगिक युग से दो डिग्री सेल्सियस बढ़ जाएगा। आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के अध्ययन में यह खुलासा हुआ है कि भारत, नाइजीरिया, इंडोनेशिया, पाकिस्तान, बांग्लादेश और फिलीपींस इससे सर्वाधिक प्रभावित होंगे। सच तो यह है कि भीषण गर्मी से स्वास्थ्य पर गंभीर खतरे हो सकते हैं, जैसे अंगों की क्रियाशीलता बाधित होना, विकलांगता, चक्कर, सिरदर्द आदि, साथ ही हृदयघात भी हो सकता है। इसके अतिरिक्त, शिक्षा, कृषि, उत्पादकता, जीवन और विस्थापन पर भी खतरा मंडरा रहा है। वैज्ञानिकों ने इसे 'साइलेंट किलर' की संज्ञा दी है। वर्ष 2026 की शुरुआत में ही गर्मी, सूखा और आग की घटनाओं ने चेतावनी दे दी है। यह बदलाव भारत जैसे विकासशील देशों के लिए एक गंभीर संकेत है, क्योंकि भारत की विशाल आबादी और पहले से ही गर्म जलवायु इसे और अधिक संवेदनशील बना देती है। इसका मुख्य कारण 1950 के बाद से लू या हीटवेव की आवृत्ति और तीव्रता में वृद्धि है। कमजोर बुनियादी ढांचे के कारण विकासशील देशों में आर्थिक रूप से कमजोर लोग गर्मी और स्वास्थ्य जोखिमों के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं। इंटरनेशनल लेबर आर्गेनाइजेशन के अनुसार, भारत में गर्मी के कारण उत्पादकता में भारी कमी आएगी और जीडीपी में गिरावट होने की आशंका है। वैज्ञानिकों का कहना है कि अमेरिका, चीन और भारत में 23 से 30 अतिरिक्त दिन गर्मी का सामना करना पड़ेगा। दुनिया के शोधों ने यह साबित कर दिया है कि भीषण गर्मी से प्रभावित देशों की सूची में भारत सबसे ऊपर है। भारत के आधे से अधिक जिले भीषण गर्मी का सामना करेंगे। यह निष्कर्ष 'नेचर सस्टेनेबिलिटी' जर्नल में प्रकाशित रिपोर्ट और 'हाउ एक्सट्रीम हीट इज़ इम्पैक्टिंग इंडियाः असेसमेंट डिस्ट्रिक्ट लेवल हीट रिस्क-2025' के नाम से सीईईडब्ल्यू के अध्ययन में सामने आया है। इस अध्ययन में सबसे गर्म रातों, यानी 'हॉट नाइट्स', की तादाद में वृद्धि का उल्लेख किया गया है, जिससे हृदय रोग और उससे जुड़ी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। हीट स्ट्रोक और हृदयाघात की संभावना भी अधिक रहती है। वैज्ञानिकों के अनुसार, गर्मी का यह असर 1.5 डिग्री की सीमा पार करने से पहले ही दिखने लगेगा। अगले 5 वर्षों में लाखों घरों और दफ्तरों को कूलिंग सिस्टम की जरूरत में बेतहाशा बढ़ोतरी होगी। इसके परिणामस्वरूप, जहां ऊर्जा की मांग बढ़ेगी, वहीं कार्बन उत्सर्जन में भी इजाफा होगा। गौरतलब है कि आज हम गर्मी के बढ़ते प्रभाव पर चर्चा करते हुए पर्यावरण में वृक्षों की महत्ता को नकार रहे हैं। दुख की बात यह है कि विकास के नाम पर हम हर साल लाखों हरे-भरे पेड़ों की बलि दे रहे हैं। यह सिलसिला पूरे देश में बेरोकटोक जारी है, और सरकार मौन है। राजस्थान में ग्रीन एनर्जी के नाम पर हजारों-लाखों खेजड़ी के पेड़ काटे जा रहे हैं। महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय के पर्यावरण विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष के अनुसार, खेजड़ी की कटाई के कारण इस क्षेत्र का तापमान 7 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ गया है।

सीईईडब्ल्यू के अनुसार, देश में गर्मी के सबसे अधिक जोखिम वाले राज्यों में दिल्ली, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, गोवा, केरल, राजस्थान, गुजरात, कर्नाटक और तमिलनाडु शामिल हैं। देश के 417 जिले उच्च जोखिम की श्रेणी में हैं, जबकि 201 जिले मध्यम जोखिम का सामना कर रहे हैं। अब उत्तर भारत के शुष्क क्षेत्रों में भी तटीय इलाकों की उमस बढ़ रही है और सिंधु और गांगेय क्षेत्रों में पिछले दशक के मुकाबले आर्द्रता में 10 फीसदी की वृद्धि हो चुकी है।

समरसता की चेतना का पोषण दूर करेगा विभाजन

डॉ ऋतु सारस्वत

समाज किसी एक व्यक्ति, समुदाय या समूह से नहीं बनता; उसका प्रत्येक अंग राष्ट्र-निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अतः आवश्यक है कि हम जातिगत पहचान से ऊपर उठकर व्यक्ति के व्यक्तित्व, उसकी प्रतिभा और उसके चरित्र की विशेषताओं को महत्व दें। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा प्रस्तावित नए नियमों को लेकर देशभर में विवाद पूरी तरह थमा नहीं है। बुद्धिजीवी वर्ग से लेकर शिक्षाविदों, छात्र संगठनों और आम नागरिकों तक, विभिन्न स्तरों पर इस प्रस्ताव का विरोध दिखाई दे रहा है। आलोचकों का मानना है कि इन नियमों से उच्च शिक्षा की स्वायत्तता और शैक्षणिक ढांचे पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है, जबकि सरकार और आयोग का तर्क है कि ये बदलाव शिक्षा व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से किए जा रहे हैं। यही कारण है कि यह मुद्दा केवल शैक्षणिक संस्थानों तक सीमित न रहकर सार्वजनिक बहस का विषय बन गया है। इस विरोध की तीव्रता का अंदाज़ा राजधानी दिल्ली में हुए प्रदर्शनों से लगाया जा सकता है। जंतर-मंतर पर बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी एकत्रित हुए और यूजीसी द्वारा प्रस्तावित नियमों का खुलकर विरोध किया। गौरतलब है कि कुछ ही दिनों पूर्व में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय की कुलपति शांतिश्री धुलिपुड़ी पंडित से विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 'प्रमोशन ऑफ इक्विटी इन हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशंस रेगुलेशन्स, 2026' के संदर्भ में पूछे गए प्रश्न के उत्तर ने व्यापक बहस को उत्पन्न कर दिया। अवांछित तर्कों के बीच हमें एक गंभीर विषय पर विचार करने की आवश्यकता है कि क्या वास्तव में हमारे उच्च शिक्षण संस्थानों में जाति-आधारित भेदभाव उस रूप में विद्यमान है, जिस रूप में यह प्रचारित और प्रसारित किया जा रहा है? सत्ताईस वर्षों के अध्यापन अनुभव और हजारों विद्यार्थियों के निकट संपर्क के आधार पर मेरा अनुभव रहा है कि महाविद्यालयीन परिसर जातिगत भेदभाव से मुक्त सामाजिक संरचना का उदाहरण प्रस्तुत करते हैं। वहां का वातावरण मूलतः संवाद, सहभागिता और मित्रता के आधार पर विकसित होता है, जहां पारस्परिक संबंध जातिगत पहचान के बजाय मानवीय संपर्क और साझा शैक्षणिक जीवन से निर्मित होते हैं। दुर्भाग्य यह है कि भारतीय समाज आज जातिगत विमर्श के ऐसे जाल में उलझता जा रहा है, जहां पूर्व धारणाएं प्रायः तथ्यों पर भारी पड़ती प्रतीत होती हैं। हम वास्तविकताओं की शांत और गहन पड़ताल करने के बजाय प्रचलित मान्यताओं को ही अंतिम सत्य मान लेने की प्रवृत्ति विकसित कर चुके हैं। यह भी एक व्यापक धारणा बन गई है कि भारतीय परंपराएं स्वयं जातिगत भेदभाव का पोषण करती रही हैं परंतु क्या यह सत्य है? या ऐसा कुछ है जिससे हम परिचित नहीं हैं। एएल बाशम ने 1954 में 'द वन्डर दैट वाज इण्डिया' में लिखा था कि 'मध्य युग के पूर्व भारत में जाति व्यवस्था सरल थी।' बहुत से उदाहरण ऐसे भी मिलते हैं जहां वर्ग परिवर्तित होता रहा है। कार्य को बदलने पर सामाजिक स्थिति बदलती रहती है। वैदिक वाङ्मय और प्राचीन संस्कृत साहित्य में कहीं भी जाति व्यवस्था या अस्पृश्यता के उदाहरण परिलक्षित नहीं होते हैं। शूद्र' शब्द को 'क्षुद्र' से बना हुआ मानना भाषाशास्त्रीय रूप से प्रामाणित नहीं है। इसकी व्युत्पत्ति को लेकर विद्वानों में मतभेद हैं, अतः इसे सीधे 'हीन' अर्थ से जोड़ना उचित प्रतीत नहीं होता। अथर्ववेद के शब्दों की निरुक्ति में अपने श्रम के स्वेद (पसीने) से विविध उत्पादकीय कार्य में रत वर्ग को शूद्र कहा गया है। अर्थात्? परिश्रमपूर्वक विविध प्रकार की मूल्यवान वस्तुओं के उत्पादन में रत (संलग्न) रहने वाले वर्ग को शूद्र कहकर संबोधित किया गया। इसमें किंचित भी संशय नहीं कि भारत पर हुए बाहरी आक्रमणों से पूर्व अपने उत्पादन कार्यों के प्रतिफल के स्वरूप शूद्र का समाज में आर्थिक एवं सामाजिक दृष्टिकोण से उच्च स्थान था। इसलिए कामन्दक नीतिसार में कहा गया है कि राजा को नया नगर बसाते समय शूद्र जो कि विभिन्न मूल्यवान वस्तुएं उत्पादित करते हैं उन्हें व वैश्य जो उन वस्तुओं के व्यापार से आय उत्पन्न करके राजस्व बढ़ाते हैं उन्हें अधिक संख्या में बसाना चाहिए। एगंस मेड्सिन ने अपने अध्ययन में स्पष्ट उल्लेखित किया है कि विश्व का एक-तिहाई उत्पादन भारत में होने व प्राचीन वाङ्मय के अनुसार समग्र उत्पादन का दायित्व शूद्रों के नियंत्रण में होने से ही शूद्र प्राचीन काल से ही राज्य की अर्थव्यवस्था का आधार रहे हैं। ऐसे में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक ही है कि यकायक शूद्र निम्न श्रेणी में कैसे अवस्थित हो गए? अगर इस प्रश्न पर गंभीरता से विचार किया जाए तो यह विदित होगा कि इस वर्ग के पास कौशल और परिश्रम की निधि थी जिसे औद्योगीकरण के प्रभाव ने समाप्त कर दिया और परिणामस्वरूप रोजगार का अभाव उनकी आर्थिक विपन्नता का कारण बना। अंग्रेजों द्वारा उन्हें यह विश्वास निरंतर दिलाया गया कि उनके साथ जो कुछ भी नकारात्मक हुआ है और हो रहा है उसका कारण श्रेष्ठी वर्ग हैं। असत्य को निरंतर दोहराने पर वह सत्य प्रतीत होने लगता है। ब्रिटिश काल में बोया गया जातिगत विभाजन का बीज धीरे-धीरे एक ऐसी बेल में परिवर्तित हो गया, जो समाज के अनेक हिस्सों में फैलता चला गया। समय के साथ हमने यह कठोर सत्य भी भुला दिया। जब-जब समाज बिखरता है तब तक राष्ट्र की शक्ति क्षीण होती है। इतिहास साक्षी है कि आंतरिक विभाजन किसी भी देश की प्रगति को धीमा कर देता है। हमारे पूर्वजों द्वारा स्थापित 'वर्ण व्यवस्था' 'जाति व्यवस्था' का आवरण पहन समय के साथ विकृत रूप ग्रहण करती गई और बीती कई सहस्राब्दियों में उसने भारतीय समाज के मूल आदर्श सहिष्णुता, सामाजिक समरसता तथा एकत्व भाव पर कुठाराघात किया। देश की सुदृढ़ता और अखंडता को सुरक्षित रखने के लिए आवश्यक है कि हम उन विखंडित इतिहास-कथनों और विभाजनकारी आख्यानों से स्वयं को मुक्त करें, जो हमें बार-बार यह विश्वास दिलाने का प्रयास करते हैं कि हम किसी से श्रेष्ठ हैं या किसी से निम्नतर हैं। हमें यह स्मरण रखना होगा कि समाज किसी एक व्यक्ति, समुदाय या समूह से नहीं बनता; उसका प्रत्येक अंग राष्ट्र-निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अतः आवश्यक है कि हम जातिगत पहचान से ऊपर उठकर व्यक्ति के व्यक्तित्व, उसकी प्रतिभा और उसके चरित्र की विशेषताओं को महत्व दें। किसी भी समाज की वास्तविक उन्नति व्यक्ति की क्षमता, परिश्रम, सामाजिक उत्तरदायित्व और नैतिक दृढ़ता पर आधारित होती है, न कि जन्माधारित पहचान पर। हम यह कैसे विस्मृत कर सकते हैं कि भारत वह राष्ट्र है जिसने 'वसुधैव कुटुम्बकम्' का उद्घोष किया है। जब हमारी सभ्यता विश्व को एक परिवार के रूप में देखने का आदर्श प्रस्तुत करती है, तब जाति की संकीर्ण विचारधाराओं में उलझे हमारे ही आदर्शों की खिल्ली उड़ाते प्रतीत हो रहे हैं। ध्यान रहे कि एक ऐसा समाज, जो स्वयं को लगातार खांचों में बांटता रहता है, अंततः अपनी सामूहिक शक्ति खो देता है। इसलिए आवश्यक है कि हम विभाजन की मानसिकता को नहीं, बल्कि समरसता की चेतना को पोषित करें।

घातक हो सकती है मशीनों की निर्णायक भूमिका

डॉ शशांक द्विवेदी

जब एल्गोरिद्म यह तय करने लगें कि किसे निशाना बनाया जाए, तो मानव नैतिकता और जिम्मेदारी का स्थान क्या होगा? युद्ध का निर्णय केवल तकनीकी गणना का विषय नहीं हो सकता। हर लक्ष्य के पीछे मनुष्य का जीवन और समाज की संरचना जुड़ी होती है। हाल ही में ईरान पर हुए हमलों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि आधुनिक युद्ध अब केवल हथियारों की ताकत से नहीं, बल्कि डेटा, एल्गोरिद्म और मशीनों की गति से भी लड़े जा रहे हैं। पिछले दिनों अमेरिका और उसके सहयोगियों द्वारा ईरान पर किए गए हमलों में एआई की निर्णायक भूमिका सामने आई। रिपोर्टों के अनुसार, एआई आधारित 'मेवन स्मार्ट सिस्टम' ने रियल-टाइम में लाखों डेटा और निगरानी सूचनाओं का विश्लेषण कर संभावित लक्ष्यों की पहचान की। इस तकनीक की मदद से कुछ ही घंटों में सैकड़ों हमले किए गए और बड़ी संख्या में लोग मारे गए। मेवन सिस्टम के विकास की शुरुआत 2017 में हुई थी। अमेरिकी रक्षा विभाग ने महसूस किया कि उनके पास ड्रोन फुटेज का इतना विशाल भंडार है कि उसे देखने के लिए पर्याप्त इंसान ही नहीं हैं। शुरुआत में, अमेरिकी सेना ने गूगल के साथ साझेदारी की। इसके विरोध में 3,000 से अधिक कर्मचारियों ने प्रदर्शन किया। वर्ष 2018 में गूगल ने इस प्रोजेक्ट से हाथ खींच लिए। बाद में पेंटागन ने एंडुइल इंडस्ट्रीज और पालंटिर जैसी छोटी टेक कंपनियों पर दांव लगाया। पालंटिर टेक्नोलाजीज द्वारा तैयार किया गया मेवन स्मार्ट सिस्टम बेहद शक्तिशाली एआई एल्गोरिदम है, जिसने आधुनिक युद्ध के तौर-तरीकों को पूरी तरह से बदल दिया है। इसका मुख्य काम कंप्यूटर विजन का उपयोग करके युद्ध के मैदान की लाखों तस्वीरों और वीडियो फुटेज को स्कैन करना है। ड्रोन और सेटेलाइट से मिलने वाले अंतहीन वीडियो फुटेज को इंसान के लिए देख पाना और उसमें से खतरे को पहचानना नामुमकिन है। मेवन इसे सेकंडों में कर लेता है। यह सिस्टम भीड़ में से दुश्मन की गाड़ियों, हथियारों के डिपो और छिपे हुए ठिकानों को पहचान सकता है। यह शोर और सिग्नल के बीच अंतर कर सकता है, जिससे नागरिकों की मौत की संख्या कम करने और सटीक हमले करने में मदद मिलती है। पहले किसी लक्ष्य की पहचान करने, उसकी पुष्टि करने और उस पर हमला करने में कई घंटे या कभी-कभी कई दिन लग जाते थे। अब यही प्रक्रिया कुछ ही मिनटों या सेकंडों में पूरी हो सकती है। उपग्रह चित्र, ड्रोन कैमरे, संचार संकेत और खुफिया जानकारी—इन सबका विश्लेषण करने के लिए एआई एल्गोरिद्म का उपयोग किया जा रहा है। मशीनें विशाल डेटा का विश्लेषण कर संभावित लक्ष्यों की सूची तैयार करती हैं और सैन्य कमांडरों को तुरंत निर्णय लेने में मदद करती हैं। मेवन प्रणाली उपग्रह चित्रों, ड्रोन फुटेज, संचार अवरोधन और अन्य खुफिया स्रोतों से आने वाले विशाल डेटा का विश्लेषण करती है। इसके बाद यह संभावित लक्ष्यों की सूची तैयार कर उन्हें प्राथमिकता के आधार पर क्रमबद्ध करती है, जिससे सैन्य कमांडर तेजी से निर्णय ले सकते हैं। यही कारण है कि आधुनिक युद्धों में हमलों की गति और तीव्रता दोनों बढ़ गई हैं। ऐसी तकनीक ने युद्ध संचालन की गति को लगभग दोगुना कर दिया है।

सवाल यह है कि जब एल्गोरिद्म यह तय करने लगें कि किसे निशाना बनाया जाए, तो मानव नैतिकता और जिम्मेदारी का स्थान क्या होगा? युद्ध का निर्णय केवल तकनीकी गणना का विषय नहीं हो सकता। हर लक्ष्य के पीछे मनुष्य का जीवन और समाज की संरचना जुड़ी होती है। विशेषज्ञों का मानना है कि एआई आधारित युद्ध प्रणाली में गलती की संभावना भी उतनी ही खतरनाक हो सकती है जितनी उसकी क्षमता। यदि किसी नागरिक क्षेत्र को गलती से सैन्य लक्ष्य मान लिया जाए, तो उसके परिणाम विनाशकारी हो सकते हैं। कई अंतर्राष्ट्रीय संगठन और नीति विशेषज्ञ इस बात पर जोर देते हैं कि एआई आधारित हथियारों में अंतिम निर्णय मनुष्य के हाथ में ही रहना चाहिए। इसे 'ह्यूमन-इन-द-लूप' सिद्धांत कहा जाता है। एआई, ड्रोन स्वार्म, स्वचालित हथियार और साइबर युद्ध—ये सब मिलकर भविष्य के युद्धों की नई तस्वीर बना रहे हैं। आने वाले वर्षों में युद्ध केवल जमीन, समुद्र और आकाश तक सीमित नहीं रहेगा; यह डेटा सेंटर, उपग्रह नेटवर्क और एल्गोरिद्म के स्तर पर भी लड़ा जाएगा। भारत ने हाल के वर्षों में रक्षा तकनीक, ड्रोन और एआई अनुसंधान में तेजी दिखाई है, लेकिन वैश्विक प्रतिस्पर्धा को देखते हुए इस क्षेत्र में और अधिक निवेश और रणनीतिक सोच की आवश्यकता है। आत्मनिर्भर रक्षा तकनीक केवल सुरक्षा का प्रश्न नहीं है, बल्कि भविष्य की वैश्विक शक्ति संरचना में अपनी भूमिका तय करने का भी माध्यम है। प्रश्न केवल तकनीक का नहीं, बल्कि मानवता का है। यदि युद्ध की गति मशीनों के हाथों में चली गई, तो क्या मानवीय विवेक पीछे छूट जाएगा? एआई युद्ध को तेज, सटीक और व्यापक बना सकता है, लेकिन यह भी उतना ही सच है कि हर बटन के पीछे अंततः एक मानव निर्णय होना चाहिए।

दिनेश सोमवंशी बने करणी सेना के कार्यकारी जिलाध्यक्ष

समय जगत, दतिया। करणी सेना परिवार के जिला संरक्षक शिशुपाल सिंह चौहान के यहां जिला स्तरीय बैठक का आयोजन जिलाध्यक्ष शिरोमणि सिंह सोलंकी की अध्यक्षता में किया गया। बैठक में क्षत्रिय समाज के विकास एवं अन्य वर्गों के साथ सौहार्द, समरसता भाईचारे के साथ सभी को साथ लेकर चलने एवं परस्पर आत्मीय संबंध विश्वास को मजबूत करने पर जोर दिया गया ताकि समाज को बांटने वाली ताकतों के दुष्प्रयासों को विफल किया जा सके। बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए जिला कार्य कारिणी का विस्तार किया गया और सर्व सम्मति से दिनेश सिंह सोमवंशी के दायित्व को पदोन्नति करते हुए उन्हें जिला कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया। जिलाध्यक्ष श्री सोलंकी ने दिनेश सोमवंशी को फूल माला पहनाकर नियुक्ति पत्र सौंपा। बैठक में राजू सिंह सोमवंशी, सुनील सिंह परिहार, रानू सिंह बुंदेला, कल्लू सिंह सोमवंशी, राजा भैया बुंदेला, कल्लू सिंह राठौड़, कृपाल सिंह बुंदेला, राघवेंद्र सिंह जादौन, जितेंद्र सिंह जादौन, सनी राजा परमार, शैलेंद्र सिंह परमार आदि उपस्थित रहे। बैठक के अंत में जिला संयोजक राघवेंद्र सिंह परमार ने सभी क्षत्रिय बन्धुओं का आभार व्यक्त किया।

सर्वर डाउन होने से नगर पालिका की लोक अदालत में अव्यवस्था

घंटों इंतजार के बाद भी टैक्स जमा नहीं हो सका

समय जगत, टीकमगढ़। नगर पालिका में आयोजित लोक अदालत शनिवार को अव्यवस्था की भेंट चढ़ती नजर आई। सर्वर डाउन होने के कारण टैक्स जमा कराने पहुंचे शहर के नागरिकों को घंटों इंतजार करना पड़ा और कई लोगों को निराश होकर वापस लौटना पड़ा।

लोक अदालत की जानकारी मिलने पर शहर के कई लोग अपने बकाया कर जमा कराने के उद्देश्य से नगर पालिका कार्यालय पहुंचे थे। लोगों को उम्मीद थी कि इस विशेष आयोजन में उन्हें राहत के साथ सुविधाजनक तरीके से अपने कर संबंधी मामलों का निपटारा करने का अवसर मिलेगा, लेकिन तकनीकी खामी के कारण यह संभव नहीं हो सका।

नगर पालिका का सर्वर बंद होने के कारण दोपहर करीब 2 बजे तक किसी भी व्यक्ति का टैक्स जमा नहीं हो पाया। इस दौरान कार्यालय परिसर में लोगों की भीड़ लगी रही और नागरिकों में नाराजगी भी देखने को मिली।

नागरिकों का कहना था कि जब नगर पालिका की तकनीकी व्यवस्था ही ठीक नहीं है, तो ऐसे कार्यक्रम आयोजित करने का क्या फायदा, जिसमें जनता को उचित लाभ ही न मिल सके। लोगों ने कहा कि वे सुबह से ही टैक्स जमा कराने के लिए पहुंचे थे, लेकिन सर्वर बंद होने के कारण उनका काम नहीं हो सका।

हालांकि दोपहर करीब 2 बजे सर्वर चालू होने के बाद टैक्स जमा करने की प्रक्रिया शुरू हो पाई और लोगों के बिल जमा होने लगे।

नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि भविष्य में इस तरह के आयोजनों से पहले तकनीकी व्यवस्थाओं को दुरुस्त किया जाए, ताकि आम लोगों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े।

गांधी भवन में सर्व समाज जन सेवक संगठन कार्यकारिणी की हुई बैठक

समय जगत, भोपाल। राजधानी भोपाल के गांधी भवन में सर्व समाज जन सेवक संगठन द्वारा कार्यकारिणी की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें संगठन के राष्ट्रीय, प्रदेश, संभाग, लोकसभा और विधानसभा स्तर के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने भाग लिया। बैठक के दौरान संगठन की आगामी कार्य योजनाओं पर विस्तृत चर्चा की गई, साथ ही पिछले एक वर्ष में किए गए सामाजिक और जनसेवा से जुड़े कार्यों की समीक्षा भी की गई। इस अवसर पर संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष नंद लाल यादव और राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष रघुवीर सिंह श्रीवास ने बताया कि संगठन मानवतावादी विचारधारा से प्रेरित होकर समाज के पीड़ित और जरूरतमंद लोगों की सेवा के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में समाज में जाति और धर्म के आधार पर विभाजन की प्रवृत्ति बढ़ती दिखाई दे रही है, ऐसे दौर में समाज को एकजुट रखने और मानवता की सेवा करने वाले संगठनों की आवश्यकता और अधिक महसूस की जा रही है। बैठक के दौरान अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मातृशक्ति का सम्मान भी किया गया, जिसमें समाज में उल्लेखनीय योगदान देने वाली महिलाओं को सम्मानित कर उनके कार्यों की सराहना की गई। कार्यक्रम के अंत में आपसी भाईचारे और सामाजिक सौहार्द का संदेश देने के लिए होली मिलन समारोह का भी आयोजन किया गया, जिसमें उपस्थित सभी सदस्यों ने एक-दूसरे को होली की शुभकामनाएं दीं और समाज में एकता, सद्भाव और सेवा की भावना को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

गैस सिलेंडर पर्याप्त संख्या में हैं उपलब्ध : एजेंसी संचालक मनीष अग्रवाल

गैस ऐजेंसी पर डीएसी नंबर, गैस पुस्तिका जमा कर थाने से मिल रहा है सिलेंडर

समय जगत, सिवनी मालवा। ईरान, इजरायल, अमेरिका युद्ध के चलते भारत में तेल पेट्रोल, गैस की कमी की अफवाह फैलने के कारण नागरिकों में चिंता व्याप्त हैं। जिसमें सबसे ज्यादा लोग गैस सिलेंडरों के लिए चिंतित हो परेशान हो रहे हैं। जबकि सरकार और प्रशासन पेट्रोल, गैस की कोई किल्लत नहीं होने की बात कर रहा हैं। एक ओर लोग पेट्रोल, डीजल का भंडार कर रहें हैं, वहीं गैस सिलेंडर लेने की होड़ में भी लगें हैं। गैस सिलेंडरों की मारामारी के पीछे लोगों का कहना हैं कि गैस बुकिंग का नम्बर ही नहीं लग रहा हैं। जब लगाते हैं, तब व्यस्त बताता हैं, इसलिए आम उपभोक्ता चिंतित हैं कि हमारा नम्बर लगेगा या नहीं। ये व्यवस्था सरकार को सुधारनी चाहिए। इसी के चलते गत दिवस उपभोक्ताओं ने बानापुरा स्थित गैस एजेंसी पर भीड़ लगाकर शोरशराबा करना शुरू कर दिया था। जिससे व्यवस्था बिगड़ने लगी थी। शुक्रवार से अमोल गैस एजेंसी संचालन और प्रशासन ने सिवनी मालवा थाने से पुलिस के संरक्षण में उपभोक्ताओं को गैस सिलेंडर देना शुरू कर दिया हैं। इस संबंध में अमोल गैस एजेंसी संचालक मनीष अग्रवाल ने बताया कि प्रशासन के निर्देश पर ये व्यवस्था बनाई गई हैं। जिसके तहत उन उपभोक्ताओं को सिलेंडर दिए जा रहें हैं, जिनके पूर्ववत नम्बर बुकिंग किए गए थे। उक्त लोगों से उनके डीएसी नम्बर और उपभोक्ता पुस्तिका एजेंसी पर जमा कराई जा रहीं हैं। जिसके बाद उन्हें सिवनी मालवा थाना परिसर से विधिवत गैस सिलेंडर दिए जा रहें हैं। एजेंसी संचालक मनीष अग्रवाल ने बताया गैस सिलेंडरों की कोई की कोई किल्लत नहीं हैं। सरकार, प्रशासन और हम भी बार बार कह रहें हैं कि उपभोक्ता चिंतित नहीं हो। नियमानुसार 25 दिन बाद गैस बुकिंग करें। गैस सिलेंडर मिलेगा। सिवनी मालवा थाने से बनाई गई व्यवस्था भारी भीड़ और उपभोक्ताओं को भटकने से बचाने के लिए बनाई हैं।

स्थानीय उपभोक्ताओं का कहना हैं कि पूर्व में नंबर लगाने के बाद भी गैस एजेंसी के चक्कर लगाने के बावजूद उन्हें सिलेंडर नहीं मिल पा रहा था। गैस एजेंसी पर भारी भीड़ होने से अत्यंत परेशानी हो रही थी। प्रशासन और एजेंसी संचालक के द्वारा थाना परिसर से गैस वितरण की व्यवस्था की गई हैं। जिससे हमें गैस सिलेंडर उपलब्ध हो रहा हैं। हमें अब गैस की किसी प्रकार की किल्लत का सामना नहीं करना पड़ा हैं। वहीं कुछ उपभोक्ताओं का कहना हैं कि गैस की बुकिंग हेतु ऑनलाइन नंबर पर बार-बार प्रयास करने के बाद भी हमारा नंबर नहीं लग रहा हैं। बुकिंग नंबर पर गैस की बुकिंग हो जाती हैं तो हमें भी गैस सिलेंडर मिल सकेगा। उपभोक्ता मधुसूदन राठौर का कहना हैं कि गैस की सिलेंडर लेने में हो रही परेशानी से बचने के लिए शासन एजेंसी संचालक को पूर्व की तरह ही नियम अनुसार घरों तक सिलेंडर पहुंचने लगे तो लाइन लगने और सिलेंडर लेने की परेशानी भी दूर हो सकती हैं। भारत सरकार द्वारा 25 दिन के बाद सिलेंडर की बुकिंग ऑनलाइन करने के नियम बनाने से गैस की काला बाजारी पर भी रोक लगेगी और उपभोक्ताओं को सिलेंडर प्राप्त करने में भी किसी प्रकार की कोई समस्या नहीं होगी। वहीं अमोल गैस एजेंसी संचालक मनीष अग्रवाल का कहना हैं कि गैस सिलेंडरों की किसी भी प्रकार की कोई समस्या नहीं हैं। पर्याप्त मात्रा में गैस उपलब्ध हैं। कुछ लोग भ्रम फैला रहें हैं कि गैस की किल्लत हैं। जिसके कारण उपभोक्ता बेकार चिंतित होकर सिलेंडरों का भंडारण कर रहें हैं। जिससे परेशानी उत्पन्न हो रही हैं। हमारे पास पर्याप्त मात्रा में गैस सिलेंडर उपलब्ध हैं और सभी उपभोक्ताओं को नियमनुसार गैस सिलेंडर उपलब्ध कराया जा रहा हैं।

दक्ष प्रजापति समाज की बैठक आयोजित, होली मिलन समारोह आज

दतिया। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी दक्ष प्रजापति समाज का होली मिलन समारोह 15 मार्च रविवार को शाम 7 से रात्रि 11 बजे तक आयोजित किया जाएगा जिसमें फाग गायक कलाकारों को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है। उक्त कार्यक्रम रामचेरे बाबा मंदिर परिसर में आयोजित होगा। उक्त निर्णय हरविंद्र प्रजापति की अध्यक्षता में हुई बैठक में संचालक मंडल द्वारा लिया गया। बैठक में सामाजिक उत्थान हेतु अनेक विषयों पर चर्चा की गई। बैठक का संचालन जितेंद्र प्रजापति व आभार तेजराम प्रजापति ने व्यक्त किया। बैठक में चतुर्भुज प्रजापति, रामस्वरूप प्रजापति, शैलेंद्र प्रजापति, डॉ. हरिकृष्ण बाबूजी, राधेश्याम बुलकिया, सुखलाल प्रजापति, हरि बुलकिया, कमलेश प्रजापति, गौरीशंकर प्रजापति, श्रीराम माते, धीरज प्रजापति, नीरज प्रजापति, धर्मेंद्र प्रजापति, भगवान सिंह प्रजापति, धर्मेंद्र प्रजापति मातन का पहरा, बारे लाल प्रजापति, गणेश प्रजापति, कालीचरण प्रजापति, हरि प्रजापति, विक्की प्रजापति, अशोक प्रजापति सहित समाज के प्रमुख लोग उपस्थित रहे।

सार संक्षिप्त

नव साक्षर अभियान अंतर्गत निरक्षर व्यक्तियों ने परीक्षा में की भागीदारी

दतिया। प्रौढ़ शिक्षा दतिया द्वारा14 मार्च 2026 को नव साक्षर अभियान कार्यक्रम के अंतर्गत राष्ट्रीय साक्षरता मिशन प्राधिकरण एवं एनआईओएस के माध्यम जिला शिक्षा अधिकारी सुनील शुक्ला और जिला समन्वयक सर्व शिक्षा अभियान राजेश शुक्ला मार्गदर्शन में शासकीय माध्यमिक विद्यालय क्र.2 पीतांबरा पीठ में निरक्षर व्यक्तियों की परीक्षा आयोजित की गई। परीक्षा केंद्र प्रभारी विद्यालय की प्रधानाध्यापिका श्रीमती आकांक्षा रावत, संकुल समन्वयक वीरेंद्र सिंह, जन शिक्षक एमपी सिंह बघेल ने अक्षर व्यक्तियों की परीक्षा संपन्न करवाई।

घर में घुसकर दो बदमाशों ने बृद्ध महिला से की लूट

दतिया। शुक्रवार शनिवार की दरम्यानी रात धीरपुरा थाना क्षेत्र के ग्राम बेहरुका में फसल कटवाने गई बृद्ध महिला के साथ उसके घर में घुसकर दो बदमाशों ने लूट की घटना को अंजाम दिया। बदमाशों ने घर में घुसकर बृद्धा की मारपीट कर सोने चांदी के जेवरात, 5 हजार की नगदी और मोबाइल लूट ले गए बदमाश। धीरपुरा थाना पुलिस ने श्रीमती भूरी दीक्षित उम्र 80 बर्ष की रिपोर्ट पर शिवम चौबे और दीपक शर्मा निवासी बेहरुखा के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर तलाश प्रारंभ कर दी है। लूट की वारदात के बाद मौके से फरार हुए लुटेरे। धीरपुरा पुलिस को लुटेरों ने दी चुनौती उपरोक्त लुटेरों का अपराधिक रिकॉर्ड है।

टीकमगढ़ में अलविदा जुमे की नमाज अदा देश की खुशहाली और तरक्की की हुई दुआ

मोहसिन अहमद - टीकमगढ़। रमजान शरीफ के आखिरी जुमे यानी अलविदा जुमे के मौके पर शहर की शेखों के मोहल्लेस्थित कुमैदान मस्जिद में बड़ी संख्या में अकीदतमंदों ने नमाज अदा की। इस अवसर पर हाफिज सोहेब ने नमाज पढ़ाई और देश में अमन, खुशहाली तथा तरक्की के लिए खास दुआ की। रमजान के आखिरी जुमे को अलविदा जुमे के रूप में मनाया जाता है, जिसे लेकर मस्जिदों में खास रौनक देखने को मिली। कुमैदान मस्जिद सहित शहर की विभिन्न मस्जिदों में हजारों लोग नमाज में शामिल हुए और अल्लाह से देश में शांति, भाईचारा और खुशहाली की दुआ मांगी। इस मौके पर मस्जिद सदर शेख जफर ने सभी लोगों को अलविदा जुमे की मुबारकबाद दी और रमजान के पाक महीने में किए गए इबादतों की अहमियत पर रोशनी डाली। उन्होंने कहा कि रमजान हमें सब्र, इंसानियत और भाईचारे का पैगाम देता है। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को अलविदा जुमे की मुबारकबाद दी और देश व समाज की बेहतरी के लिए दुआ की।

इनामी आरोपी गिरफ्तार, बंडोल पुलिस की कार्रवाई

समय जगत, सिवनी। बंडोल पुलिस ने चोरी के दो मामलों में फरार चल रहे ईनामी आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। यह कार्रवाई सुनील कुमार मेहता के निर्देशन तथा दीपक मिश्रा और सचिन परते के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत की गई। पुलिस के अनुसार थाना बंडोल के अपराध क्रमांक 16/26 और 429/25 में धारा 331(4) व 305 (ए) बीएनएस के तहत फरार आरोपी पर कुल 5000 रुपये का इनाम घोषित था। आरोपी की पहचान विकास पिता मनीराम डेहरिया (29) निवासी निवारी चौकी बादलपार थाना कुरई, हाल निवास जनता नगर टपरा मोहल्ला थाना डूण्डा सिवनी के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ थाना अरी, लखनवाड़ा और डूण्डा सिवनी में भी चोरी के कई मामले दर्ज हैं। वह थाना डूण्डा सिवनी का निगरानी बदमाश है और आदतन चोरी करने का आदी बताया गया है। पुलिस टीम ने 14 मार्च 2026 को आरोपी को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय सिवनी में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

इस कार्रवाई में थाना प्रभारी उपनिरीक्षक मनोज जंघेला, सहायक उपनिरीक्षक शिवेन्द्र वसूले, प्रधान आरक्षक बालमुकुंद बघेल, प्रधान आरक्षक जयेन्द्र बघेल, आरक्षक सतेन्द्र चन्द्रवंशी तथा आरक्षक रजनीकांत ठाकुर की सराहनीय भूमिका रही।

सामाजिक समरसता उमंग व उल्लास का पर्व है होली : अरुणादित्य देव

काली पहाड़ी सिद्ध बाबा मंदिर पर हुआ बुंदेली फागों का आयोजन

दतिया। होली उमंग, उल्लास के साथ मनाया जाने वाला सामाजिक समरसता को मजबूत करने वाला पर्व है आप सभी को होली पर्व की बहुत बधाई। उक्त विचार दतिया महाराजा अरुणादित्य जूदेव ने ग्राम काली पहाड़ी स्थित सिद्ध बाबा मंदिर पर आयोजित बुंदेली फाग महोत्सव कार्यक्रम में व्यक्त किए। उन्होंने बुंदेली फाग गायन की सुंदर प्रस्तुति देने वाले फाग कलाकारों की प्रस्तुति की सराहना की। इस अवसर पर महाराजा अरुणादित्य जूदेव ने कहा कि हमारी सनातन संस्कृति और बुंदेली संस्कृति, लोक कलाओं, परंपराओं को जीवंत रखने तथा नई पीढ़ी को हमारी बुंदेली संस्कृति एवं विरासत से परिचित कराने के लिए इस तरह के आयोजन बहुत आवश्यक हैं। उन्होंने सभी फाग कलाकारों को प्रभावी फाग गायन के लिए बधाई दी। इस अवसर पर श्री जूदेव को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार रवि ठाकुर ने भी विचार व्यक्त किए। इस दौरान अरुणादित्य जूदेव का ग्रामीण जनों ने साफा पहनाकर, गुलाल से तिलक कर एवं फूल माला पहनाकर स्वागत सम्मान किया। इससे पहले श्री जूदेव ने सिद्ध बाबा के चरणों में दंडवत प्रणाम कर जिले की समृद्धि व खुशहाली के लिए प्रार्थना की।

दतिया में लोक अदालत बनी मिलन का आधार

दतिया। जिला न्यायालय दतिया में आयोजित लोक अदालत इस बार केवल मामलों के निराकरण तक सीमित नहीं रही बल्कि एक बिछड़े दंपति के मिलन की गवाह भी बन गई। जानकारी के अनुसार हीरालाल और उसकी पत्नी सोनम काफी समय से अनमन होने के कारण अलग-अलग रह रहे थे। दोनों के बीच चल रहा वैवाहिक विवाद जब प्रधान एवं जिला न्यायाधीश संजीव श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में अपर जिला न्यायाधीश श्रीमती मंजूषा के समक्ष लोक अदालत में प्रस्तुत हुआ तो मामले में सकारात्मक पहल देखने को मिली।

नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं अमरूत पिता श्री हरबू , निवासी- देवपिपरिया पोस्ट - रते?ा कला , तहसील - आमला जिला - बैतूल म. प्र.। मेरे आधार कार्ड में मेरा नाम अमरू त्रुटिवंश दर्ज हो गया है ,जो कि गलत है, मेरा सही नाम स्थायी निवास प्रमाण पत्र ,परिचय पत्र ,जाति प्रमाण पत्र में अमरूत पिता श्री हरबू दर्ज हैं, जो कि वास्तविक व सत्य है,
अमरू और अमरूत दोनों मेरे ही नाम हैं, अत: प्रकाशन उपरांत मेरे सभी शासकीय/अशासकीय व व्यक्तिगत दस्तावेजों में सही नाम अमरूत (AMRUT) पिता श्री हरबू (HARBU) के नाम से जाना-पहचाना व लिखा-पढा, दर्ज किया जावे ।

पुराना नाम
अमरू पिता श्री हरबू
AMRU S/o HARBU
नया नाम
अमरूत पिता श्री हरबू
AMRUT S/o HARBU

नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं मिलेश व ?खिया पिता स्व.श्री छगन व ?खिया , निवासी- डोकरवानी तहसील-रामा, जिला- झाबुआ म.प्र. , मेरे आधार कार्ड में मेरा नाम मिला वडाकिया पिता श्री छगन वडाकिया त्रुटिवंश दर्ज हो गया है ,जो कि गलत है, मेरा सही नाम , स्थायी निवास प्रमाण, परिचय पत्र व अन्य दस्तावेजों मे मिलेश व ?खिया पिता स्व.श्री छगन व ?खिया दर्ज है, जो कि वास्तविक व सत्य है , अत: प्रकाशन उपरांत मेरे आधार कार्ड व सभी शासकीय / अशासकीय दस्तावेजों मे मेरा नाम मिलेश वखिया (Milesh Wadakiya) पिता स्व. श्री छगन वखिया(Chhagan Wadakiya) के नाम से जाना-पहचाना व लिखा पढ़ा , दर्ज किया जावे ।

पुराना नाम
मिला वडाकिया पिता स्व. श्री छगन वडाकिया
Mila Wadakiya s/o Chhagan Wadakiya
नया नाम
मिलेश वखिया पिता स्व. श्री छगन वखिया
Milesh Wadakiya s/o Chhagan Wadakiya

अब शिशु रोग ओपीडी में होगा बच्चों के पर्चे और दवा वितरण का कार्य : समय जगत, दतिया। चिकित्सा महाविद्यालय दतिया में बच्चों के उपचार के लिए अब अलग से ओपीडी संचालित होने लगी हैं। मेडिकल कॉलेज दतिया के डीन डॉ. दीपक मरावी एवं अस्पताल अधीक्षक डॉ. अर्जुन सिंह के संज्ञान में यह शिकायत आई थी कि मेडिकल कॉलेज दतिया में उपचार के लिए आने वाले बच्चों और उनके परिजनों को पर्ची बनवाने के लिए लंबी-लंबी कतारों में लगना पड़ता हैं।

कार्यालय नगर पालिक निगम, भोपाल
जोन क्र. 15 यांत्रिक विभाग
निविदा आमंत्रण घोषणा पत्र

क्रं. 32/यां.वि./2026 भोपाल दिनांक 12/3/2026

निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु दो लिफाफा पद्धति के अनुसार म.प्र लोक निर्माण विभाग मे केन्द्रीकृत व्यवस्था के अंतर्गत पंजीकृत ठेकेदार पसेंटेज मोहर बंद निविदाये निर्धारित प्रपत्र पर ऑनलाइन आमंत्रित की जाती हैं।

क्र	ऑनलाईन निविदा क्रं.	कार्य का नाम	अनुमानित राशि	धरोहर राशि	प्रपत्र राशि	कार्य हेतु निर्धारित एस.ओ.आर.	कार्य की अवधि
01	2026_UAD_-489862-1	PROVIDING AND FIXING OF C.I. BENCHES AT PRABHATAM HEIGHTS PARK, I.B.D RAISENA PARK, ISHAAN COLONY PARK AND ESSARJII CAMPUS W-62 Z-15	1,63,800/-	3,276/-	1000/-	MPUADD ISSR 2021	01 Month/-
02	2026_UAD_-489877-1	CONSTRUCTION OF SHED AT DURGESH NAGAR PARK W-62 Z-15	84,664/-	16,93/-	1000/-	MPUADD ISSR 2021	01 Month/-
03	2026_UAD_-489889-1	PROVIDING AND FIXING OF CI BENCHES AT DURGESH NAGAR PARK, DURGA CHOWK PARK, CHHATRSAL NAGAR PARK AND PARK AT INDRAPURI B SECTOR W-66 Z-15	1,04,832/-	2,097/-	1000/-	MPUADD ISSR 2021	01 Month/-

1- निविदा प्रपत्र की निर्धारित राशि, धरोहर राशि एवं अन्य आवश्यक दस्तावेज ऑनलाइन प्रस्तुत करने होंगे एवं अन्य समस्त विस्तृत जानकारी www.mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है।
2- किसी भी निविदा को स्वीकार अथवा अस्वीकार करने का अधिकार विभाग के पास सुरक्षित होगा।

सहायक यंत्री (सिविल)
नि.क्रं. 3320/025/026 नगर पालिक निगम भोपाल

11 दूल्हों के साथ नारायण आश्रम पहुंची बारात

आकाश दुबे-समय जगत, ग्वालियर। नारायण वृद्धाश्रम जागृति नगर लश्कर संस्था पिछले 27 वर्षों से हर वर्ष सर्वजातीय सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित करती आ रही है। इस बार 27 वां सामूहिक विवाह का भव्य आयोजन किया गया। 12 मार्च को रिंग सेरेमनी सगाई हुई । 13 मार्च को हल्दी मेहंदी कार्यक्रम हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष अग्रवाल समाज कैलाश मित्तल, प्रदेश मंत्री श्रीमती खुशबू गुप्ता , आश्रम अध्यक्ष श्रीमती साधना गर्ग, नारायण दास प्रजापति हल्दी मेहंदी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। इस अवसर पर उन्होंने सभी को शुभकामनाएं दी । हैण्ड बाजों के साथ सुबह से ही बारात आना जारी रहा। तत्पश्चात सभी वर वधुओं की वर माला मंच पर कराई गई। इसके बाद जोड़ों को मंड़प में भारतीय संस्कृति अनुसार वैदिक रीति से गायत्री परिवार के आचार्यों द्वारा पाणिग्रहण संस्कार कराया गया। मुख्य अतिथि कैलाश मित्तल जी प्रदेश अध्यक्ष, श्री मती लता गुप्ता प्रदेश उपाध्यक्ष , श्रीमती साधना गर्ग , नारायण दास प्रजापति, वंदना खटीक , स्मृति सिंह का आशीर्वाद सभी जोड़ों को प्राप्त हुआ।

ग्वालियर में सबसे पहले नारायण वृद्धाश्रम खोलने का संकल्प श्रीमती लक्ष्मी गर्ग ने लिया और अब उनकी बहू उन्हीं के पदचिन्हों पर चलते हुए उनके संकल्पों को पूरा करने का काम कर रही है । आश्रम में वर्तमान में 38 वृद्धजन निवासरत हैं जो समाज और सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से चल रहा है । विवाह में सभी जोड़ों को गृहस्थी का सामान देने के साथ कई संस्थाएं भी अलग से उपहार भेंट करती है। इस हेतु एक माह पूर्व से तैयारियां शुरू कर दी जाती हैं। इस अवसर पर सामाज सेवियों द्वारा, एल ई डी, अलमारी, सिलाई मशीन, कूलर, पलंग, साड़ी व अन्य उपहार भेंट किए सहयोगी के रूप में आर के पठेजा, उमेश गुप्ता, राकेश प्रजापति, गिरीश प्रजापति, मौहिनी वर्मा टी आई, देवेंद्र प्रजापति, राजकुमार प्रजापति, हरेन्द्र रावत, भूपेंद्र शिवहरे, वेद प्रकाश शर्मा, शीतल अग्रवाल, रोमा अरोरा, नीता सिंगल, निहारिका, स्वाति अग्रवाल, लता अग्रवाल, कुसुम जैन, शकुन्तला तोमर, रानी द्विवेदी, रेणू चड्ढा, रेखा पवार, इंद्रा मंगल, ममता मंगल, शिवांगी अग्रवाल, ममता कुशवाह, जयंती पाल, ममता शर्मा, मातृशक्ति उपस्थित रहीं। सभी बरातियों को स्वरुची भोजन कराया गया।

उप महानिरीक्षक अजय सिंह ने धौलपुर का किया वार्षिक निरीक्षण

समय जगत, धौलपुर। अजय सिंह उप महानिरीक्षक सुरक्षा राजस्थान, जयपुर ने शनिवार को धौलपुर जिले का वार्षिक निरीक्षण किया। इस दौरान रिजर्व पुलिस लाइन धौलपुर में सेरेमोनियल परेड आयोजित की गई, जिसकी सलामी उन्होंने ली। परेड का नेतृत्व पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान ने किया और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक वैभव शर्मा भी मौजूद रहे। परेड के बाद क्राइम सीन, नाकाबंदी, कमांडो टीम और बलवा नियंत्रण के डेमो का निरीक्षण किया गया। इसके साथ ही पुलिस लाइन की विभिन्न शाखाओं का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए तथा जवानों की समस्याएं सुनकर उनके समाधान के निर्देश दिए। इसके बाद पुलिस अधीक्षक कार्यालय में अधिकारियों की अपराध गोष्ठी लेकर कानून व्यवस्था, साइबर अपराध, अवैध मादक पदार्थों और वांछित अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान उप महानिरीक्षक ने सदर पोलिस स्टेशन धौलपु ॅ का भी निरीक्षण किया और रिकॉर्ड का अवलोकन कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

संक्षिप्त समाचार

क्षमता वर्धन प्रशिक्षण का किया गया आयोजन

बिस्टान । शनिवार मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद खरगोन के विकासखंड गोगावा के सेक्टर क्रमांक बिस्टान में ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों का क्षमता वर्धन(प्रस्फुटन शक्ति संचय अभियान) प्रशिक्षण का आयोजन ब्लॉक समन्वयक धर्मेंद्र गुप्ता द्वारा दिया गया ।नवाकुर संस्था अध्यक्ष यशवंत पाटिल द्वारा सभी समितियां को दस्तावेजीकरण के बारे में बताया गया। परामर्श दाता अखिलेश वर्मा द्वारा नवांकुर सखी योजना के बारे में बताया गया। सभी ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियां को ऑनलाइन प्रक्रिया के बारे में बताया गया ।इस दौरान ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति अध्यक्ष राजा सिंह चौहान, मनीष जैन,मनोज कोठारी,महेश राठौड़,अरुण यादव,जयराम सोलंकी, ललित बारे, महेश सोलंकी, प्रकाश सुरागे , वेदांत पटेल, दिलीप पाटिल आदि उपस्थित रहे।

गोवर्धन में चल रहे सत्संग में राष्ट्रीय संत ने दिए प्रवचन

समयय जगत, श्योपुर । श्री मानव सेवा धमार्थ ट्रस्ट रोड गोवर्धन में श्योपुर के मुख्यनगरपालिका अधिकारी ताराचंद श्रीमती चंद्रकांता धूलिया द्वारा तीन दिवीय धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन कराया जा रहा है।जिसकी शुरूआत 13 मार्च की रात 8 बजे से सत्संग के साथ हो गई है।इस धार्मिक आयोजन के दौरान सत्संग, छप्पन भोग व विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा।आयोजन के दूसरे दिन 14 मार्च को सत्संग प्रवचन का कार्यक्रम किया गया जिसमें राष्ट्रीय संत राज्यसभा सांसद एवं राज्य अतिथि दर्जा प्राप्त संत श्रीश्री 1008 उमेशनाथ महाराज द्वारा प्रवचन सुनाए गए।उन्होंने कहा कि साधु-संगति का महत्व इतना अधिक है कि थोड़े से समय में भी इसका सकारात्मक प्रभाव आपके जीवन पर पड़ सकता है। यह आपके पुराने बुरे कर्मों को मिटा सकता है और आपके जीवन को नई दिशा दे सकता है।इसलिए जीवन में अच्छे लोगों, धर्मात्माओं और संतों के साथ समय बिताना बहुत आवश्यक है।वहीं शनिवार को शाम 5 बजे से गिर्राज जी महाराज मानसी गंगा में छप्पन भोग सजाया गया।रात को 8 बजे से संगीतमयी श्रीकृष्ण लीला का आयोजन किया गया। 15 मार्च को विशाल भंडारे के साथ भोजन प्रसादी का आयोजन किया जाएगा।इससे पहले 14 मार्च को भी भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसादी ग्रहण की।

एंबुलेंस की देरी से हुई महिला की मौत

समय जगत, बांदा । कालिंजर थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसे के बाद समय पर एंबुलेंस न पहुंचने से एक महिला की जान चली गई।परिजनों का आरोप है कि घायल महिला घंटों तक एंबुलेंस का इंतजार करती रही, लेकिन मदद समय पर नहीं पहुंच सकी।जानकारी के अनुसार, कालिंजर थाना क्षेत्र के छतैनी गांव निवासी बुद्धिविलास यादव (51 वर्ष) अपनी पत्नी शेखा देवी (48 वर्ष) को बाइक से लेकर रिश्तेदारी में जा रहे थे।जब वे सढ़ा गांव स्थित पानी टंकी के पास मुख्य मार्ग से गुजर रहे थे, तभी अचानक सामने एक साइकिल सवार बालक आ गया। उसे बचाने के प्रयास में बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खंती में जा गिरी। हादसे में बाइक पर पीछे बैठी शेखा देवी दूर जा गिरीं और उनके सिर में गंभीर चोट लग गई।वहीं बुद्धिविलास यादव को भी हल्की चोटें आईं।

परिजनों के मुताबिक, हादसे के बाद शेखा देवी अचेत अवस्था में पड़ी रहीं और उन्हें अस्पताल पहुंचाने के लिए डायल 108 एंबुलेंस सेवा पर कई बार फोन किया गया।हर बार जल्द पहुंचने का आश्वासन मिला, लेकिन एंबुलेंस समय पर नहीं पहुंच सकी।एंबुलेंस के इंतजार में ही घायल महिला की हालत बिगड़ती गई और अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही उनकी मौत हो गई।परिजनों का कहना है कि यदि समय पर एंबुलेंस मिल जाती और महिला को तुरंत अस्पताल पहुंचाया जाता, तो संभवत: उनकी जान बच सकती थी।घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

बांदा में अब गांव-गांव दौड़ेंगी सरकारी मिनी बसें

सममयय जगत, बांदा। उत्तर प्रदेश सरकार की मुख्यमंत्री ग्राम परिवहन योजना से अब बांदा जिले के ग्रामीण अंचलों की सूरत बदलने वाली है।अब दूर-दराज के गांवों का सफर आसान होने वाला है।योजना के तहत जिले के सभी आठों ब्लॉकों के सुदूर गावों को जिला मुख्यालय से सीधे जोड़ने की तैयारी चल रही है।इस योजना की सबसे खास बात यह है कि अब गांव के गलियारों में 15 से 28 सीटों वाली मिनी बसें नजर आएंगी।शासन से हरी झंडी मिलने के बाद परिवहन विभाग ने बांदा में इसके क्रियान्वयन की प्रक्रिया तेज कर दी है।यह योजना न केवल ग्रामीणों के लिए सुगम सफर की सौगात लाएगी बल्कि स्थानीय युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर स्वरोजगार के द्वार भी खोलेगी।इस योजना के तहत बड़ी बसों के बजाय मिनी बसों का ही संचालन किया जाएगा।इन बसों का निजी वाहन स्वामियों के माध्यम से अनुबंध किया जाएगा।

सर्व समाज जनसेवक संगठन की बैठक हुई आयोजित

समय जगत, भोपाल। सर्व समाज जनसेवक संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष नंदलाल यादव एवं राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष रघुवीर सिंह जनसेवककी उपस्थिति में संगठन की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन गांधी भवन, पॉलिटेक्निक चौराहा, भोपाल में 14 मार्च को किया गया। इस बैठक में राष्ट्रीय कार्यकारिणी, प्रदेश कार्यकारिणी, संभागीय कार्यकारिणी, लोकसभा कार्यकारिणी, विधानसभा कार्यकारिणी के समस्त महिला एवं पुरुष पदाधिकारी शामिल रहे। बैठक में संगठन के पदाधिकारियों द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा के साथ संगठन के आगामी कार्यक्रमों एवं योजनाओं पर विस्तृत चर्चा की गई। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस (8 मार्च) के उपलक्ष्य में मातृशक्तियों का सम्मान किया गया।

ब्राह्मण समाज महिला मोर्चा का सम्मान समारोह आज

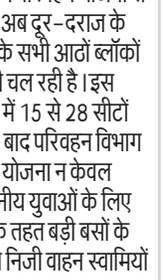

समय जगत, भोपाल। अखिल भारतीय ब्राह्मण समाज महिला मोर्चा भोपाल द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में 101 नारी शक्तियों का सम्मान समारोह रीगल होम्स आडिटोरियम हाल भेल अवधपुरी, भोपाल में अपरान्ह 3 बजे से किया जायेगा। यह जानकारी महिला मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष सावित्री तिवारी एवं भोपाल जिलाध्यक्ष कविता शर्मा ने दी है।

अर्चना चिटनिस के प्रयासों से बुरहानपुर क्षेत्र के चार स्कूलों के भवन निर्माण हेतु 105.75 लाख स्वीकृत

समय जगत, बुरहानपुर। बुरहानपुर विधानसभा क्षेत्र में शिक्षा के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए क्षेत्र के चार शासकीय विद्यालयों के भवन निर्माण के लिए कुल 1 करोड़ 5 लाख 75 हजार रुपए की स्वीकृति प्रदान की गई है। यह स्वीकृति विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री अर्चना चिटनिस (दीदी) के प्रयासों और मांग पर मध्यप्रदेश शासन द्वारा जारी की गई है। इस स्वीकृति के तहत बुरहानपुर विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों में स्थित शासकीय विद्यालयों के नए भवनों का निर्माण कराया जाएगा, जिससे विद्यार्थियों को बेहतर और सुरक्षित शैक्षणिक वातावरण मिल सकेगा। श्रीमती अर्चना चिटनिस ने बताया कि बुरहानपुर विधानसभा अंतर्गत प्राथमिक शाला मोरझिरा, प्राथमिक शाला मैथा, प्राथमिक शाला मलफतपुरा तथा हिंदी शासकीय माध्यमिक शाला सिंधीपुरा के भवन निर्माण के लिए राशि स्वीकृत की गई है। इनमें प्राथमिक शाला मोरझिरा, प्राथमिक शाला मैथा और प्राथमिक शाला मलफतपुरा के लिए प्रत्येक विद्यालय हेतु 18.25 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की गई है, जबकि हिंदी माध्यम शासकीय माध्यमिक शाला सिंधीपुरा के भवन निर्माण के लिए 51 लाख रुपए की स्वीकृति प्रदान की गई है। इन सभी कार्यों के लिए कुल 105.75 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। विधायक श्रीमती अर्चना चिटनिस ने इस स्वीकृति के लिए मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव एवं स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि क्षेत्र में शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए मजबूत बुनियादी ढांचा अत्यंत आवश्यक है। नए स्कूल भवनों के निर्माण से विद्यार्थियों को सुरक्षित, सुविधाजनक और बेहतर वातावरण में अध्ययन करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि बुरहानपुर विधानसभा क्षेत्र में शिक्षा के क्षेत्र को प्राथमिकता देते हुए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों के विद्यार्थियों को भी बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं मिल सकें। नए भवनों के निर्माण से संबंधित विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को काफी लाभ मिलेगा तथा लंबे समय से भवन संबंधी समस्याओं का समाधान हो सकेगा। यह निर्णय क्षेत्र में शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के साथ-साथ बुरहानपुर विधानसभा क्षेत्र के सर्वांगीण विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

ट्रक-बोलेरो की टक्कर में तीन घायल, एक की हालत गंभीर

श्योपुर- पाली हाइवे पर दातंरदा के पास हुई घटना

समय जगत, श्योपुर । जिले के मानपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत दांतरदा चौराहे पर रात तेज रफ्तार ट्रक और बोलेरो के बीच टक्कर हो गई। हादसे में बोलेरो में सवार तीन लोग घायल हो गए, जिनमें से एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश में पुलिस जुट गई है। जानकारी के अनुसार, यह घटना दांतरदा चौराहे पर हुई। फरियादी महावीर, जो दांतरदा निवासी हैं, ने बताया कि मुंगिया ट्रांसपोर्ट का ट्रक क्रमांक आरजे 14 जेडएक्स 5151 तेज रफ्तार में आया और चौराहे पर बोलेरो को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बोलेरो बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे में बोलेरो चालक महावीर, पुष्पराज मीणा और राजू मीणा को गंभीर चोटें आईं। आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल घायलों को अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद राजू मीणा की गंभीर हालत को देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए जयपुर रेफर कर दिया। पुलिस के अनुसार, ट्रक श्योपुर से माधोपुर की ओर जा रहा था, जबकि बोलेरो सवार लोग खेत पर पानी देने के लिए जावदेशवर गांव जा रहे थे। मानपुर थाना पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने बताया कि ट्रक चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया है और उसे जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

बैग की दुकान में लगी आग, सामान जलकर हुआ खाक

समय जगत, बांदा। पीडब्ल्यूडी के सामने दिव्यांग व्यक्ति का परिवार सिलाई कर बैग बनाकर बेचकर परिवार का जीवन यापन करते थे, अज्ञात लोगों ने रात में उनके डिब्बे में आग लगा दिया जिससे दुकान में रखी 3 मशीनो सहित अन्य समान जलकर राख हो गया। पीड़ित ने इस घटना की जानकारी पुलिस को दी है। विजय कुमार ने बताया कि रात को अज्ञात लोगों ने हमारी दुकान में आग लगा दी जिसमें रखी 4 सिलाई मशीन,बैग सहित अन्य समान जलकर राख हो गया है लगभग 2 लाख रुपए तक का पीड़ित का नुक़सान हो गया है ।पीड़ित व्यक्ति ने इस घटना की जानकारी पुलिस को भी दी है।

नर्मदा परिक्रमा कर लौटे महादेव सेन का समाजजनों ने किया स्वागत

समय जगत,मनावर । अवधूत भगवान दादागुरु के सान्निध्य मे 3600 किलोमीटर पैदल नर्मदा परिक्रमा कर सकुशल गृह नगर कुक्षी पहुंचे कुक्षी तहसील सेन समाज के अध्यक्ष महादेव जी सेन का परिजनों, कुक्षी नगर सेन समाज अध्यक्ष महेन्द्र सेन, हेयर सेलुन अध्यक्ष राजेश सेन,चंचल सेन, धर्मेंद्र सेन,जितेन्द्र सेन, मोहन सेन, नरेंद्र सेन, तुफान सेन,प्रकाश सेन, मांगीलाल सर,संदीप सेन, जयदीप सेन,शेलेद्र सेन ,महेश सेन,जगदीश सेन,कुलदीप सेन सहित समाजजनों, मित्रों स्नेहीजनों ने आतिशबाजी कर ढोल ढमाके के साथ फूलों की माला पहनाकर एवं पुष्पवर्षा कर आत्मीय स्वागत किया। उन्होंने विश्वशांति जन कल्याण एवं आपसी भाई चारा बना रहे, यही अपनी पैदल नर्मदा परिक्रमा का उद्देश्य बताया तथा हर हिन्दू धर्मावलम्बी को जीवन में कम से कम एक बार अवश्य मां नर्मदा की परिक्रमा अवश्य करना चाहिए, यह संदेश भी दिया। अपने अनुभव साझा करते हुए श्री सेन ने कहा कि माताजी की कृपा से पूरी परिक्रमा में किसी प्रकार की कोई परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा। यहां तक कि परिक्रमा पथ के दूरस्थ जंगल क्षेत्र मे श्रद्धालु कोसों दूर से अपने वाहन से आकर परिक्रमा वासियों के लिये दूध, चाय, बिस्किट, भोजन, फलाहार, आदि की आत्मीयता से व्यवस्था करते है और आग्रह कर उन्हें भोजन फलाहार करते हैं। उनकी यह अनुकरणीय पहल काबिले तारीफ है। श्री सेन ने कहा कि यदि मुझे मां नर्मदा की आज्ञा मिली तो मैं पुनः परिक्रमा करूंगा ।

स्वच्छता सप्ताह से हुई राजस्थान दिवस कार्यक्रमों की शुरुआत

समय जगत, धौलपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर जिले में 14 से 19 मार्च तक राजस्थान दिवस समारोह मनाया जा रहा है।राजस्थान दिवस के अवसर पर जिले में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित होंगे।शनिवार को स्वच्छता सप्ताह से राजस्थान दिवस कार्यक्रमों की शुरुआत हुई।जिला कलेक्टर श्रीनिधि बी टी के निर्देशन में शनिवार प्रात: मचकुण्ड परिसर पर सात दिवसीय स्वच्छता सप्ताह की शुरुआत हुई।कार्यक्रम में उपस्थितजनों को स्वच्छता की शपथ दिलाई।इससे पूर्व अतिथियों सहित आमजन ने स्वच्छता सप्ताह के तहत मचकुण्ड परिसर में साफ-सफाई करते हुए उत्साहपूर्वक श्रमदान किया।इस अवसर पर जिला कलक्टर कहा कि स्वच्छता केवल सरकारी या नगर परिषद की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि यह हर नागरिक का दायित्व है।उन्होंने कहा कि सार्वजनिक स्थान शहर का चेहरा होते हैं, और इनकी साफ-सफाई बनाए रखना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए।उन्होंने कहा कि नगर परिषद स्वच्छता के लिए निरंतर कार्य कर रही है, लेकिन जनभागीदारी के बिना यह कार्य अधूरा है।इस अवसर पर आयुक्त नगर परिषद कर्मवीर सिंह, अधिशाषी अधिकारी गुमान सिंह सहित अन्य सफाईकर्मी मौजूद रहे।राजस्थान दिवस के तहत 15 मार्च को प्रात: 7 बजे नगर परिषद से मचकुण्ड धाम तक विकसित रन का आयोजन किया जाएगा।इसी दिन राजस्थान को जाने क्विज महाविद्यालय एवं विद्यालयों में निबंध, भाषण, चित्रकारी प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा।साथ ही वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट ओडीओपी मेले, प्रदर्शनी का शुभारंभ किया जाएगा।

अपर सत्र न्यायाधीश ने आरोपी को सुनाई 10 साल की सजा

समय जगत, श्योपुर । जिला न्यायालय ने घर में घुसकर महिला के साथ जबरदस्ती दुष्कर्म करने वाले आरोपी को दोषी ठहराते हुए 10 वर्ष के कठोर कारावास और अर्थदंड की सजा सुनाई है। यह फैसला तृतीय अपर सत्र न्यायाधीश, श्योपुर के न्यायालय द्वारा सुनाया गया। प्रकरण के अनुसार पीड़िता ने पुलिस थाना बड़ौदा, जिला श्योपुर में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी कि उसका पति एक शादी समारोह में गया हुआ था। उसी रात 10 मई 2024 को करीब रात 11 बजे गांव का आरोपी मुकेश पुत्र रमेश मीणा उसके घर में घुस आया और उसकी इच्छा के विरुद्ध जबरदस्ती दुष्कर्म किया। आरोपी ने पीड़िता का मुंह दबा दिया ताकि वह शोर न मचा सके। पीड़िता के चिल्लाने की आवाज सुनकर उसका जेठ का लड़का मौके पर आ गया। उसे देखकर आरोपी मुकेश मौके से भाग गया। पीड़िता ने अपनी शिकायत में यह भी बताया कि घटना से करीब एक माह पहले भी आरोपी ने उसके साथ एक-दो बार दुष्कर्म किया था और उसे धमकी दी थी कि यदि उसने इस बारे में किसी को बताया तो वह उसके बच्चों को जान से मार देगा। इसी डर के कारण उसने पहले रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई थी। बाद में घटना की जानकारी परिजनों को देने पर उन्होंने उसे कानूनी कार्रवाई करने की सलाह दी, जिसके बाद वह अपने पति और भतीजे के साथ थाना बड़ौदा पहुंची और शिकायत दर्ज कराई। पुलिस थाना बड़ौदा द्वारा आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर विवेचना की गई और जांच पूरी होने के बाद आरोप पत्र न्यायालय जेएमएफसी श्योपुर में प्रस्तुत किया गया। इसके बाद प्रकरण सत्र न्यायालय श्योपुर को भेजा गया और सुनवाई के लिए तृतीय अपर सत्र न्यायाधीश के न्यायालय में स्थानांतरित किया गया। सुनवाई और साक्ष्यों के आधार पर न्यायालय ने आरोपी मुकेश पुत्र रमेशचंद मीणा निवासी ग्राम श्रीजी की गांवड़ी को दोषी पाते हुए 10 वर्ष का कठोर कारावास और 7 हजार रुपये जुर्माना लगाया है। प्रकरण में राज्य की ओर से पैरवी विशेष लोक अभियोजक राजेन्द्र जाधव द्वारा की गई।

चंबल नहर में डूबने से युवती की मौत दो दिन बाद ढोढर के पास मिला शव

श्योपुर ब्यूरो । कोतवाली थाना क्षेत्र के चंबल नहर में नहाने गई एक युवती की डूबने से मौत हो गई।घटना के दो दिन बाद शनिवार को युवती का शव ढोढर के पास चंबल नहर में मिला, जिसके बाद पुलिस ने शव को बाहर निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल श्योपुर भिजवाया।

पुलिस को दी सूचना में राणा बंजारा पुत्र मोतीलाल बंजारा निवासी बानीपुरा थाना खंडार जिला सवाई माधोपुर (राजस्थान) हाल मंगल ईंट भट्टा श्योपुर ने बताया कि वह अपने परिवार के साथ पिछले 12-15 वर्षों से श्योपुर में ईंट भट्टे पर मजदूरी कर रहा है।उन्होंने बताया कि दिनांक 12 मार्च 2026 को दोपहर करीब 1 बजे उनकी 23 वर्षीय बेटी सुनीता बंजारा पड़ोस में रहने वाली लड़कियों के साथ नागदा रोड स्थित चंबल नहर में नहाने के लिए गई थी।नहाते समय अचानक उसका पैर फिसल गया और वह नहर के तेज बहाव में डूब गई। घटना के बाद उसकी तलाश की जा रही थी।शनिवार 14 मार्च को ढोढर के पास चंबल नहर में सुनीता का शव मिला।सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नहर से निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल श्योपुर के पीएम हाउस में रखवाया।

तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से युवक घायल, मामला दर्ज

श्योपुर ब्यूरो । कोतवाली थाना क्षेत्र के श्योपुर-बड़ौदा रोड पर फैक्ट्री के पास तेज रफ्तार ट्रैक्टर की टक्कर से एक युवक घायल हो गया।घटना के बाद पुलिस ने अज्ञात ट्रैक्टर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।पुलिस के अनुसार फरियादी ओमप्रकाश पुत्र नेतराम सुमन निवासी जलालपुरा की झोपड़ी ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि 13 मार्च 2026 को शाम करीब 5-30 बजे श्योपुर-बड़ौदा रोड स्थित फैक्ट्री के पास एक भैंसी ट्रैक्टर चालक ने तेज गति और लापरवाही से वाहन चलाते हुए उसकी एक्टिवा (अटिंग) में टक्कर मार दी।हादसे में ओमप्रकाश को चोटें आईं।देहात थाना पुलिस ने मामले में 13 मार्च को रात 8.39 बजे अज्ञात ट्रैक्टर चालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है।

टाउन हॉल में जिला स्तरीय कृषि विज्ञान मेला सह प्रदर्शनी कार्यक्रम का किया आयोजन

तकनीक व नवाचार के जरिए आधुनिक खेती को दें बढ़ावा: अखंड प्रताप सिंह

समय जगत, पन्ना। वर्तमान परिवेश में पुरानी तकनीक से केवल परंपरागत खेती कर कृषि को लाभकारी बनाना असंभव है। कृषकों को नवीनतम तकनीक व नवाचार के जरिए आधुनिक खेती कर फसल उत्पादन व बेहतर पैदावार के लिए अग्रसर होना चाहिए। केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा भी कृषि को लाभ का धंधा बनाने की दिशा में सतत् प्रयास किए जा रहे हैं। सरकार द्वारा इस वर्ष को किसान कल्याण वर्ष के रूप में मनाने को निर्णय लिया गया है। यह बात पन्ना विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री बृजेन्द्र प्रताप सिंह ने टाउन हॉल पन्ना में आयोजित जिला स्तरीय कृषि विज्ञान मेला सह प्रदर्शनी कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर कही। उन्होंने कहा कि हमारा देश एवं प्रदेश कृषि प्रधान है। किसानों के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं संचालित हैं। कृषि

विज्ञान मेला जैसे कार्यक्रम एवं सेमिनार के माध्यम से किसान जागरुक होंगे और इसके जरिए कृषि कार्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होने से इन कार्यक्रमों की सार्थकता भी सिद्ध होगी। कृषि विज्ञान मेला में उपस्थित किसानों को उनके श्रम की सही व उचित कीमत के लिए कृषि में नवाचार अपनाने की सलाह दी गई। साथ ही पौधरोपण एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति भी जागरुक किया गया। पन्ना विधायक ने कहा कि समस्त किसान पशुपालन एवं मत्स्यपालन तथा उद्यानिकी विभाग की अलग-अलग योजनाओं के लाभ के लिए आगे आएं। लघु एवं सीमांत कृषक भी छोटे एवं कम रकबे की जमीन पर फसल का बेहतर उत्पादन प्राप्त कर सकते हैं। इस कृषक सेमिनार में उपयोगी जानकारी प्राप्त कर किसान खेती के अलावा दुग्ध उत्पादन, मत्स्य पालन तथा उद्यानिकी कृषि को भी आर्थिक सशक्तिकरण का माध्यम बनाएं। उन्होंने कहा कि वर्तमान में जैविक एवं प्राकृतिक खेती की ओर किसानों का रूझान बढ़ा है। कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिकों द्वारा किसानों को समय-समय पर नवीन व उन्नत तकनीकों के बारे में जानकारी प्रदान करने के साथ ही समसमायिक सलाह भी दी जाती है। आज देश एवं प्रदेश के किसानों द्वारा मोटे अनाज की पैदावार भी की जा रही है। लोगों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ने से इसकी पैदावार के लिए किसानों को प्रोत्साहन मिला है। उन्होंने कहा कि आजीविका मिशन से जुड़ी स्वसहायता समूह की महिला किसानों द्वारा भी आधुनिक खेती कर मिसाल कायम की गई है।

'मेरा युवा भारत' द्वारा जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन

समय जगत, दमोह। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा संचालित मेरा युवा भारत (माय भारत) जिला दमोह के छात्र क्रांति दल एवं छात्र सर्व कल्याण समिति, दमोह के सहयोग से द्वारा जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन स्थानीय स्टेडियम खेल परिसर दमोह में किया गया जिसके अंतर्गत एथलेटिक्स में 100 एवं 200 मीटर दौड़, गोला फेंक, लंबी कूद, कबड्डी एवं खो-खो प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसके अंतर्गत 100 मीटर दौड़ में प्रथम विवेक रजक, द्वितीय नील चौधरी, तृतीय आशुतोष तिवारी, 200 मीटर दौड़ में प्रथम गुंजन जैन, द्वितीय रोहिणी पटेल, तृतीय हेमा पटेल, गोला फेंक में प्रथम रमेश यादव, द्वितीय लवकेश पटेल, तृतीय रामकेश लोधी, लंबी कूद में प्रथम रोहिणी पटेल, द्वितीय शिवानी राय ,तृतीय हेमा पटेल रही तो वहीं कबड्डी प्रतियोगिता में विजेता बजरंग क्लब ने 49 पॉइंट लेकर उपविजेता दमोह कबड्डी एसोसिएशन को 48 पॉइंट पर ही रोक कर 1 पॉइंट से जीत दर्ज की, साथ ही खो-खो में ब्लू पैंथर एवं दमोह डिस्ट्रिक्ट के मध्य मैच खेला गया। विशेष सहयोग हेतु रेफरी एवं सहयोगी कल्याण विभाग से शैलेन्द्र चौधरी, कमांडो एकेडमी से करण पटेल, सुधीर पटेल, मानवेंद्र सिंह, मुस्कान पटेल, गुड़िया पटेल, वैदेही पटेल, श्रीकांत चौबे, वर्षा अहिरवार, दुर्गा रजक को कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा जिला अध्यक्ष श्याम शिवहरे , विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ पत्रकार एवं साहित्यकार नरेंद्र दुबे, जनपद सदस्य संगीता श्रीधर, सिटी कोतवाली टीआई मनीष कुमार, जन अभियान परिषद जिला समन्वयक सुशील कुमार नामदेव, युवा भाजपा नेता एवं कार्यक्रम प्रभारी कृष्णा पटेल द्वारा शील्ड, प्रमाण पत्र एवं मैडल पहनाकर सभी को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि भाजपा जिला अध्यक्ष श्याम शिवहरे ने कहा कि प्रधानमंत्री के आव्हान पर मेरा युवा भारत विभाग दमोह की ओर से खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रकार की खेल प्रतियोगिता निश्चित रूप से ग्रामीण क्षेत्र में छिपी खेल प्रतिभाओं को अवसर देने का काम करती हैं आज बहुत ही उत्कृष्ट प्रदर्शन खिलाड़ियों का देखने मिला निश्चित रूप से यह खिलाड़ी आने वाले समय में दमोह का नाम रोशन करेंगे।

संक्षिप्त समाचार

एडवोकेट शफीक अंसारी का निधन

समय जगत, सारंगपुर । पर्यावरण प्रेमी एवं शिक्षक तारिक अंसारी के पिता तथा सारंगपुर के वरिष्ठ अधिवक्ता समाजसेवी शफीक अंसारी (86) का शनिवार को दुखद इंतकाल हो गया। उनके इंतकाल की खबर से शहर सहित आसपास के क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। वह काफी हंसमुख, मिलनसार एवं सरल प्रवृत्ति के व्यक्ति थे। वह नगरपालिका में पूर्व पार्षद के साथ-साथ अंजुमन कमेटी के पूर्व सेक्रेटरी के पद पर भी जिम्मेदारी निभा चुके हैं। उनका जनाजा उनके स्वयं के निवास बड़ीखेल मोहल्ले से उठाया गया और दोपहर तीन बजे जनाजे की नमाज शकर कुइयां मस्जिद के पास अदा की गई। उसके बाद उन्हें समीप के कब्रस्तान में सुपुर्दे खाक किया गया। इस दौरान अभिभाषक संघ अध्यक्ष पीएस मंडलोई,पूर्व नपा अध्यक्ष मोहम्मद अली, वरिष्ठ अधिवक्ता ओपी विजयवर्गीय,ब्राह्मण समाज अध्यक्ष संजय शर्मा,वरिष्ठ अधिवक्ता डब्ल्यू एम मंसूरी,अल्ताफ खान,अनवर अंसारी,रईस मंसूरी,मो सलीम कुरैशी, रविशंकर ठाकुर, हाशिब खान जाहिर खान संजय शर्मा, पार्षद शफीक अंसारी,पूर्व पार्षद इकलास अंसारी, पूर्व सदर रफीक अंसारी,पत्रकार शोएब राही,अकरम अंसारी,एजाज यादे,आरिफ मेव,भय्यू मिश्रा,जाहिद मेव,सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता एवं समाजजन शामिल हुए और उनके जन्नत में जाने की दुआएं मांगी।

राजस्व अधिकारियों द्वारा गैस एजेंसियों के वितरण केन्द्रों का किया गया निरीक्षण

समय जगत, रतलाम। जिले में उपभोक्ताओं को घरेलू गैस सिलेंडर की निर्बाध आपूर्ति के लिए कलेक्टर श्रीमती मिशा सिंह के निर्देशानुसार जिले में राजस्व अधिकारियों द्वारा अपने-अपने क्षेत्रों में गैस एजेंसियों के वितरण केन्द्रों का निरीक्षण किया गया। जावरा क्षेत्र में सिद्धि विनायक भारत गैस एजेंसी एवं वर्धमान गैस एजेंसी का निरीक्षण किया गया। धामनोद में कुलदीप इंडेन गैस एजेंसी का निरीक्षण किया गया। आलोट क्षेत्र में एसडीएम आलोट रचना शर्मा द्वारा बीपीसी दक्षिणेश्वरी गैस एजेंसी एवं गोदाम का निरीक्षण किया गया। रतलाम शहर मे एसडीएम आर्ची हरित द्वारा व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया एवं वितरको को शासन के निर्देशानुसार वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गये। उपलब्ध स्टॉक और वितरण व्यवस्था का जायजा लिया गया। अधिकारियों द्वारा ऑनलाइन बुकिंग अनुसार उपभोक्ताओं को समय पर गैस उपलब्ध कराने तथा आवश्यक स्टॉक बनाए रखने के निर्देश वितरकों को दिए गये।

व्यावसायिक एलपीजी उपभोक्ताओं के लिए परामर्श किया गया जारी

समय जगत, रतलाम। अपर कलेक्टर एवं अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी डॉ शालिनी श्रीवास्तव द्वारा वर्तमान परिस्थितियों में घरेलू उपभोक्ताओं के लिए एलपीजी की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा आपूर्ति व्यवस्था को संतुलित बनाए रखने के उद्देश्य से सभी व्यावसायिक एलपीजी उपभोक्ताओं (होटल, रेस्टोरेंट, ढाबा, केटरिंग इकाइयां, हॉस्टल, संस्थान आदि) को परामर्श जारी किए गए है। जारी परामर्श के अनुसार सभी प्रतिष्ठान एलपीजी का न्यूनतम एवं आवश्यकता अनुसार विवेकपूर्ण उपयोग करें तथा अनावश्यक खपत से बचें। जहां संभव हो, वहां वैकल्पिक ईंधन एवं उपकरणों का उपयोग किया जाए, जैसे- डीजल भट्ठियां, इलेक्ट्रॉनिक इग्नडक्शन, रोटी मेकर, इलेक्ट्रिक कुकिंग उपकरण आदि का उपयोग करें। प्रतिष्ठान अपने मेन्यू में अस्थायी रूप से ऐसे विकल्प शामिल करें।

गैस एजेंसी पथरिया के संचालक कर रहे उपभोक्ताओं को परेशान

गैस सिलेंडरों की कमी के चलते बेकाबू हो रही है उपभोक्ताओं की भीड़

समय जगत, दमोह/पथरिया। ईरान इजराइल अमरीका युद्ध का असर दिखने लगा है। भले ही किसी भी देश ने भारत को तेल और गैस देने से मना नहीं किया लेकिन युद्ध के चलते अब भारत में भी पेट्रोल, डीजल एवं गैस की समस्या नजर आने लगी है। दमोह की पथरिया तहसील में गैस की इतनी किल्लत हो गई है कि सैंकड़ों की संख्या में लोग गैस एजेंसी के बाहर घंटों से लाइन में खड़े हैं। जिसमें बूढ़े, बच्चे, महिलाएं, विकलांग सभी सम्मिलित है जो चिलचिलाती धूप में खड़े सिलेंडर की आस लगाए हैं। उसके बाद भी उन्हें सिलेंडर उपलब्ध न होने के कारण निराशा होना पड़ रहा है। गैस एजेंसी के बाहर खड़े कुछ उपभोक्ताओं का आरोप है कि वह लगभग तीन दिन से एजेंसी के चक्कर काट रहे हैं। पर उन्हें एजेंसी द्वारा सिलेंडर नहीं दिया जाता तो वहीं कुछ

उपभोक्ताओं ने सिलेंडर की कालाबाजारी के भी आरोप लगाते हुए कहा कि कई लोगों को एजेंसी द्वारा गाड़ी भर भर कर सिलेंडर दिए जा रहे हैं। जिससे उपभोक्ताओं को समस्या का सामना करना पड़ रहा है। जबकि खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के पत्र क्रमांक 1472/पेट्रोलियम/26 भोपाल दिनांक 10 मार्च में साफ कहा गया है कि चिकित्सालय एवं शैक्षणिक संस्थान और उपभोक्ताओं के अलावा किसी और को सिलेंडर वितरित नहीं किए जाएंगे। खासकर प्राइवेट संस्थान या रेस्टोरेंट आदि पर परंतु लोगों की मानें तो संचालकों और उनके कर्मचारियों द्वारा धड़ल्ले से गैस की कालाबाजारी की जा रही है। जिसका खामियाजा गरीब उपभोक्ताओं को झेलना पड़ रहा है। खास बात यह है कि अभी गैस की इतनी समस्या नहीं है जितनी एजेंसी संचालकों द्वारा बनाई जा रही है। ऐसी स्थिति में यह साफ माना जा सकता है कि एजेंसी संचालक खुद ही कालाबाजारी का मन बना चुके हैं। वहीं दूसरी ओर गैस एजेंसी मुख्य सड़क पर बस्ती में है, भीड़ बढ़ने के कारण यातायात भी प्रभावित हो रहा है। बढ़ती भीड़ को देखकर पुलिस व्यवस्था की गई। स्कूल, अस्पताल और सरकारी संस्थानों ज्वलनशील पदार्थों के भंडारण की एक निश्चित दूरी सुनिश्चत होती है। परंतु संचालक द्वारा इन नियमों को ताक पर रख गैस एजेंसी का संचालन किया जा रहा है। क्योंकि एजेंसी के ठीक पीछे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र है और दोनों तरफ 50 मीटर की दूरी पर प्राइवेट स्कूल संचालित होते है।

करंट से मौत के बाद भी नहीं चेता विद्युत मंडल, 48 घंटे बाद भी नहीं व्यवस्थित हुए नदी पर झूलते तार

समय जगत, दमोह। हटा क्षेत्र की सुनार नदी के इंटेकबेल घाट पर करंट लगने से परसराम रैकवार की मौत की घटना के 48 घंटे बीत जाने के बाद भी विद्युत मंडल प्रशासन की लापरवाही कम होती नजर नहीं आ रही है। हादसे के बाद भी नदी के ऊपर से गुजर रहे झूलते और अवैध तार अब तक नहीं हटाए गए हैं, जिससे फिर किसी बड़े हादसे की आशंका बनी हुई है। जानकारी के अनुसार सुनार नदी पार रोसरा ग्राम के चार किसानों को वर्तमान में सिंचाई के लिए अस्थायी विद्युत कनेक्शन दिए गए हैं। इन्हीं में से एक तार टूटकर नदी के घाट क्षेत्र में आ गिरा था जिससे परसराम रैकवार करंट की चपेट में आ गए और उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस टीम के साथ विद्युत मंडल के कर्मचारी मौके पर पहुंचे थे। निरीक्षण के दौरान नदी के दूसरे किनारे की ओर चार तार झूलते हुए जाते पाए गए। इसके अलावा भी एक ट्रांसफार्मर के पास से दर्जनों तार लटकते हुए दिखाई दिए जिनका उपयोग जरूरत पड़ने पर अस्थायी या जुगाड़ के कनेक्शन के रूप में किया जाता रहा है। नगर निरीक्षक सुधीर बेंगी ने भी घटना स्थल का निरीक्षण करते हुए इन अवैध और खतरनाक तारों को तत्काल हटाने के निर्देश विद्युत मंडल के कर्मचारियों को दिए थे। इसके बावजूद 48 घंटे बीत जाने के बाद भी इन तारों को नहीं हटाया गया है जिससे विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। इस संबंध में सहायक अभियंता राजेश सहाय का कहना है कि रोसरा के किसानों को दिए गए चार अस्थायी कनेक्शनों की अवधि तीन-चार दिनों में समाप्त हो जाएगीए जिसके बाद तार निकाल दिए जाएंगे। साथ ही उन्होंने बताया कि अन्य जो भी तार लगे हैं उन्हें ट्रांसफॉर्मर से अलग कर हटाने के निर्देश कर्मचारियों को दे दिए गए हैं। हालांकि सवाल यह उठ रहा है कि जब एक व्यक्ति की जान जा चुकी है, तब भी यदि खतरा बना रहे तो जिम्मेदारी किसकी मानी जाएगी। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि जल्द ही इन अवैध और झूलते तारों को नहीं हटाया गया तो कभी भी फिर कोई बड़ा हादसा हो सकता है।

यूनियन बैंक द्वारा अधिक ब्याज लेने पर उपभोक्ता फोरम ने लगाया अर्थदंड

समय जगत, पन्ना। पन्ना जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोषण आयोग पन्ना द्वारा वरिष्ठ साहित्यकार एवं समाजसेवी एस कुमार चनपुरिया द्वारा दायर परिवाद क्रमांक 37/2025 में निर्णय पारित करते हुए यूनियन बैंक के ऊपर परिवादी से अधिक वसूल किए गए ब्याज की रकम 9 प्रतिशत ब्याज सहित वापस करने और साथ ही परिवादी को क्षतिपूर्ति और वाद व्यय भुगतान करने का आदेश पारित किया है। घटना यह है कि चनपुरिया द्वारा यूनियन बैंक में चल रही अपनी फिक्स्ड डिपॉजिट के विरुद्ध आवश्यकता पड़ने पर डिमांड लोन लिया था जिस पर बैंक द्वारा जो नियमानुसार ब्याज लिया जाना था उसके अतिरिक्त 2 प्रतिशत पेनल इंटरेस्ट चार्ज किया गया। जबकि भारत के सभी बैंकों में प्रचलित परंपरा के अनुसार एफडी के विरुद्ध दिए जाने वाले डिमांड लोन पर किसी भी प्रकार का पैनल ब्याज नहीं लगाया जा सकता और डिमान्ड लोन की अदायगी

अपनी सुविधानुसार करने का विकल्प भी बैंक ग्राहक को उपलब्ध रहता है।ऐसे ऋणों की कोई ईएमआई या निश्चित अदायगी अनुसूची नहीं होती। दि.3/9/25 को अकाउंट स्टेटमेंट देखने के बाद चनपुरिया द्वारा यूनियन बैंक के मैनेजर आशीष कुमार से नियम विरुद्ध वसूला गया पैनल ब्याज खाते में वापस करने का अनुरोध किया गया।तो मैनेजर आशीष कुमार ने इनकार किया और लगाए गए ब्याज को नियम अनुसार कहकर वापसी से इनकार कर दिया,बल्कि परिवादी द्वारा जब यह बताया गया कि वह स्वयं बैंक से रिटायर्ड वरिष्ठ प्रबंधक है तो मैनेजर आशीष कुमार द्वारा अशोभनीय व्यवहार किया गया। चनपुरिया द्वारा बैंक को नोटिस भेजकर पेनल ब्याज वापस करने अथवा नियम/सर्कुलर की कॉपी देने की मांग की गई।लेकिन मैनेजर आशीष कुमार अपनी हठधर्मिता पर अड़ा रहा। तब चनपुरिया द्वारा मा.जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोषण आयोग पन्ना में बैंक के विरुद्ध परिवाद प्रस्तुत किया,जिस पर उभयपक्षों की विधिवत सुनवाई कर मा.फोरम द्वारा शाखा प्रबंधक यूनियन बैंक पन्ना को सेवा में कमी का दोषी पाया और दण्ड लगाए जाने का निर्णय पारित किया गया। समाजसेवी चनपुरिया द्वारा ग्राहकों से लेनदेन में सतर्कता बरतने की सलाह दी है।और बैंक के उच्च प्रबंधन से निरंकुश मैनेजर आशीष कुमार पर उचित कार्यवाही करने का अनुरोध किया है।

जिले में रसोई गैस की उपलब्धता और वितरण व्यवस्था को लेकर बैठक आयोजित

कलेक्टर ने दिए सिलेंडर होम डिलीवरी और उपभोक्ताओं के ई-केवाईसी कराने के निर्देश

समय जगत, कटनी । जिले में रसोई गैस की उपलब्धता और वितरण व्यवस्था को लेकर कलेक्टर आशीष तिवारी की अध्यक्षता में गैस संचालकों के साथ बैठक आयोजित की गई। इस दौरान अपर कलेक्टर नीलांबर मिश्रा भी मौजूद रहे। बैठक में जिला आपूर्ति अधिकारी ने बताया कि जिले में गैस का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है, अतः नागरिक किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें।

कलेक्टर ने गैस संचालकों को निर्देशित किया कि गैस एजेंसियां ऑनलाइन बुकिंग के आधार पर ही सिलेंडरों की सप्लाई सुनिश्चित करें। एजेंसी या गोदाम के बाहर भीड़ जमा करने के बजाय हितग्राहियों को उनके घर पर ही होम डिलीवरी की सुविधा दी जाए। डिलीवरी के समय उपभोक्ताओं से ओटीपी अनिवार्य रूप से लें। साथ ही, उन्होंने संचालकों को उपभोक्ताओं से निर्धारित मूल्य से अधिक राशि न वसूलने की हिदायत दी। कलेक्टर ने स्पष्ट किया है कि सभी गैस उपभोक्ताओं के लिए ई-केवाईसी कराना अनिवार्य है। इसके साथ ही, एजेंसी संचालकों और उनके कर्मचारियों को हिदायत दी गई है कि वे उपभोक्ताओं के साथ सद्भावनापूर्ण व्यवहार करें। बैठक में यह भी तय किया गया कि गैस सिलेंडर की बुकिंग ग्रामीण क्षेत्रों में 45 दिन और शहरी क्षेत्रों में 25 दिन के अंतराल पर ही की जा सकेगी। कलेक्टर ने कहा कि यदि कहीं भी एलपीजी का अवैध स्टॉक मिलता है, तो इसकी सूचना तुरंत प्रशासन को दें। व्यवसायिक सिलेंडरों का उपयोग केवल अस्पतालों और शैक्षणिक संस्थानों में ही किया जा सकेगा, अन्य निजी प्रतिष्ठानों को गैस सिलेंडर का प्रदाय नहीं किया जाए। बैठक में ऑयल कंपनी की नोडल अधिकारी श्रीमती रेनू वर्मा, जिला आपूर्ति अधिकारी एस.एस. परिहार सहित, सहायक आपूर्ति अधिकारी पीयूष कुमार शुक्ल, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी वंदना जैन एवं प्रियंका सोनी अधिकारी उपस्थित रहे।

उपसरपंच ने घटिया निर्माण के लगाए आरोप

निर्माण समिति के सदस्यों को जानकारी दिए बिना चल रहे निर्माण कार्य

समय जगत, अमझेरा। ग्राम पंचायत में चल रहे निर्माण कार्यों में घटिया निर्माण कार्य का आरोप उपसरपंच अर्जुन मोहनिया ने लगाए हैं। विगत दिनों जनसुनवाई में कलेक्टर को सौंपे शिकायती आवेदन में बताया गया कि ग्राम पंचायत ने निर्माण कार्यों को लेकर निर्माण समिति गठित की गई है लेकिन समिति के सदस्यों को बिना जानकारी दिए सरपंच, सचिव के द्वारा मनमानी से निर्माण कार्य किए जा रहे हैं। विगत माह में 36 लाख रुपये की लागत से बस स्टैंड से अस्पताल रोड़ तक सीसी रोड का निर्माण किया गया, जो उखड़ना शुरू हो गया है। साथ ही मुक्तिधाम में हुए लाखों के निर्माण कार्य में भ्रष्टाचार किया है, बिना सीमांकन के कार्य किया गया। आवेदन में बताया गया है कि कई निर्माण कार्य सिर्फ

कागजों में किए गए है। जिनकी उच्चस्तरीय जांच की जाना चाहिए।

इनका कहना है

ग्राम पंचायत के द्वारा निर्धारित मापदण्ड के अनुसार कार्य किये हैं। कोई भी कार्य कागज पर नहीं किया गया है।

मनु बाई मकवाना
सरपंच अमझेरा

ग्राम पंचायत द्वारा सभी निर्माण कार्य सब इंजीनियर की देखरेख में किये गए हैं। साथ ही मुक्तिधाम में पूर्व का सीमांकन किया गया था उसके अंदर ही कार्य किया गया है।

गोपाल कुमावत
सचिव ग्राम पंचायत अमझेरा

उपसरपंच द्वारा की गई शिकायतों की जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों से मिली है। ग्राम पंचायत की जांच के लिए दल गठित कर जांच करवाई जाएगी।

जोशुआ पीटर
सी ई ओ जनपद सरदारपुर

वसूली कार्य में लापरवाही कर्मचारियों को पड़ी भारी

समय जगत, कटनी । निगम के बकाया करों की वसूली हेतु आयोजित होने वाले विशेष वसूली शिविर के दौरान वसूली कार्य में लापरवाही एवं उदासीनता बरतने के कृत्य को मध्यप्रदेश सिविल सेवा आचरण नियम के उल्लंघन का दोषी मानते हुए निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार ने नगर निगम के दो सहायक राजस्व निरीक्षकों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार ने सिविल सेवा वर्गीकरण नियंत्रण तथा अपील नियम 1966 के नियमों के तहत जिन दो सहायक राजस्व निरीक्षकों पर निलंबन की कार्यवाही की है उनमें संतोष बिरहा एवं अजय निगम शामिल है। निलंबन अवधि में बिरहा एवं श्री निगम का मुख्यालय जोन क्रमांक 1 बस स्टैंड ऑडिटोरियम नगर निगम कटनी निर्धारित किया गया है। निलंबन अवधि के दौरान इन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी। उल्लेखनीय है कि शासन द्वारा आयोजित विशेष वसूली शिविर की शासन स्तर से मॉनिटरिंग किये जाने पर उक्त दोनो राजस्व कर्मचारियों द्वारा अपने-अपने वार्डों में एक भी रसीद जारी नहीं की गई।

कलेक्टर ने रसोई गैस उपभोक्ताओं से की अपील

जिले में घरेलू गैस की कोई कमी नहीं अफवाहों पर न दें ध्यान : कलेक्टर

समय जगत, कटनी। जिले में घरेलू रसोई गैस की कोई कमीं नहीं है और उपभोक्ताओं से अपील की गई है कि वे अफवाहों पर ध्यान नहीं दें। जिला प्रशासन एलपीजी गैस सहित अन्य ईंधनों के परिवहन, भंडारण और वितरण के प्रति पूरी तरह से सतर्क और चौकस है। कलेक्टर ने खाद्य विभाग के अधिकारियों को एलपीजी सहित अन्य ईंधन के परिवहन, भंडारण और वितरण व्यवस्था पर कड़ी नजर रखने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही कलेक्टर ने गैस एजेंसियों के प्रतिदिन के स्टाक जांच और गैस सिलेंडर वितरण कार्य की निगरानी करने अधिकारियों को निर्देशित किया है। अफसरों को सख्त हिदायत दी गई है कि वे सूचना तंत्र को पुख्ता और मजबूत कर सुनिश्चित करें कि अवैध जमाखोरी और कालाबाजारी की कोई भी घटना नही हो। कलेक्टर ने जिले में घरेलू गैस वितरण की ऑनलाइन व्यवस्था को और मजबूत करने कहा है। साथ ही गैस एजेंसियों के संचालकों को निर्देशित किया गया है कि वे इससे जुड़ी कंपनियों को भी सर्वर आदि की क्षमता बढ़ाने को कहें ताकि रिफिल बुकिंग ,ओटीपी जनरेशन और वितरण बिना किसी असुविधा के सुनिश्चित किया जा सके। जिले में रसोई गैस वितरण की पारदर्शी व्यवस्था है , गैस सिलेंडर की 2 बुकिंग के बीच में 25 दिवस का अंतर होना चाहिए। यह अवधि पहले 21 दिन की थी, उसमें अब मात्र 4 दिन बढाकर 25 दिन की गई है। कलेक्टर ने आम जनता से आग्रह किया है कि रसोई गैस सहित अन्य ईंधन का जिले में भरपूर और पर्याप्त स्टाक है। गलत सूचनाओं के कारण घरेलू गैस की कमी की अफवाह पर ध्यान न देवें। कटनी जिले में इंडियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड,भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड की 25 गैस एजेंसियां संचालित हैं।

जल संकट को दूर करने जनपद सभागार में बनी कार्य योजना

उचेहरा । गर्मी के दिनों में आने वाले जल संकट से निपटने जनपद सभागार में आवश्यक बैठक सम्पन्न हुई काबिलेगौर है कि हर वर्ष खासकर ग्रामीण अंचल में पेय जल संकट काफी गहरा जाता है, गांव - गांव पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने और समस्या ग्रस्त क्षेत्रों में पानी पहुंचाने की व्यवस्था के उद्देश्य से एसडीएम सुमेश द्विवेदी सीईओ ओ पी अस्थाना की उपस्थिति में बैठक संपन्न हुई । बैठक में पंचायतों के सचिव ,रोजगार सहायक सहित जनपद के जिम्मेदार अधिकारी ,कर्मचारी मौजूद रहे । बैठक में

पंचायत वार समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश देते अधिकारियों ने सम्बन्धित पंचायतो के सचिव रोजगार सहायकों को स्पष्ट निर्देश दिया कि बंद पड़े हैंडपंप,जिनमें पाइप की कमी हो,सुधार सहित तकनीकी कारणों से बंद हैंडपंप की जानकारी दो दिन में उपलब्ध कराये जिससे समय पर पीएचई विभाग के माध्यम से बिगड़े हैंड पम्पों को हर हाल में चालू कराया जा सके। जल संकट की आहट के पहले कार्य योजना बनाने के निर्देश देते सी ई ओ ने सख्त लहजे में कहा कि आमजन को खासकर गर्मी के दिनों में पेयजल उपलब्ध कराना हमारी पहली प्राथमिकता है, इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दास्त नहीं की जाएगी। कुछ इसी तरह के निर्देश एसडीएम ने भी दिए। ज्ञात हो कि जनपद के पठारी अंचल के गांव उरई चुआ और खखरा में हर वर्ष गर्मी में भीषण जल संकट होता है उसको देखते अभी से विस्तृत रूप से कार्य योजना बनाने के निर्देश भी दिया गया।

गुना के विकास को मिलेगी नई सौगात, केन्द्रीय मंत्री सिंधिया करेंगे कई विकास कार्यों का लोकार्पण

समय जगत, गुना। नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सविता अरविंद गुप्ता ने बताया कि क्षेत्रीय संसद एवं केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया द्वारा कल रविवार 15 मार्च को गुना शहर को करोड़ो के विकास कार्यों की सौगातें दी जाएंगी। जिला चिकित्सालय में अत्याधुनिक गहन चिकित्सा इकाई का लोकार्पण होगा, जिसकी लागत राशि 16.86 करोड़ रुपये है। सकतपुर में अमृत योजना के अंतर्गत निर्मित सीवरेज

ट्रीटमेंट प्लांट का लोकार्पण किया जायेगा, जिसकी लागत राशि 15.41 करोड़ रुपये है। कुल विकास कार्य इन सभी विकास कार्यों की कुल लागत राशि 32.27 करोड़ रुपये है। इसी कड़ी में, सिंधिया की उपस्थिति में एक भव्य धन्यवाद सभा का आयोजन किया जा रहा है। यह सभा सायं 6.15 बजे लक्ष्मीगंज, गुना में संपन्न होगी। नागरिकों से सादर अनुरोध किया गया है कि अधिक से अधिक संख्या में लक्ष्मीगंज पहुंचकर महाराज साहब द्वारा दी गई इन विकास की सौगातों के प्रति अपना आभार व्यक्त करें और इस गौरवशाली क्षण के साक्षी बनें।

नलकूप से ट्रांसफार्मर का तेल, केबिल और स्टार्टर चोरी, पुलिस जांच में जुटी

समय जगत हमीरपुर। कुरारा कस्बे में अज्ञात चोरों द्वारा एक निजी नलकूप से सामान चोरी करने का मामला सामने आया है। चोरों ने नलकूप का ताला तोड़कर ट्रांसफार्मर का तेल, केबिल और स्टार्टर चोरी कर लिया। पीड़ित ने मामले की शिकायत पुलिस थाने में दर्ज कराई है।

कुरारा कस्बे के वार्ड सात निवासी अखिलेश कुमार पुत्र स्व. चुनुबाद ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनका निजी नलकूप मनकी तिराहे से आगे खरोंज मोड़ के पास स्थित है। नलकूप का विद्युत कनेक्शन उनकी माता रामकिशोरी के नाम पर है। अखिलेश कुमार के अनुसार 9 मार्च की रात अज्ञात चोरों ने नलकूप के दरवाजे का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया और वहां से केबिल, कॉपर के तार, स्टार्टर तथा ट्रांसफार्मर का तेल चोरी कर लिया। उन्होंने बताया कि चोरी की जानकारी उन्हें अगले दिन सुबह नलकूप पर पहुंचने पर हुई। इसके बाद उन्होंने शुक्रवार शाम पुलिस थाने में अज्ञात चोरों के खिलाफ तहरीर दी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है।

मैसेज पर क्लिक करते ही खाते से 55 हजार पार, युवक साइबर ठगी का शिकार

समय जगत, हमीरपुर। जनपद के राठ कस्बे में एक युवक साइबर ठगी का शिकार हो गया। साइबर अपराधियों ने मोबाइल पर मैसेज भेजकर उसके बैंक खाते से 55 हजार रुपये पार कर दिए। पीड़ित ने मामले की लिखित शिकायत राठ कोतवाली में दी है। राठ कस्बे के फरसौलियाना निवासी मोहम्मद जावेद ने शुक्रवार को कोतवाली में तहरीर देते हुए बताया कि मंगलवार रात करीब 9 बजे उनके मोबाइल फोन पर एक मैसेज आया। मैसेज में दिए गए लिंक पर क्लिक करते ही उनके बैंक खाते से 55 हजार रुपये निकल गए। घटना का पता चलने पर पीड़ित के होश उड़ गए। उन्होंने अज्ञात साइबर अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए पुलिस को शिकायत दी है। इस संबंध में राठ कोतवाली के प्रभारी इंस्पेक्टर ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और साइबर ठगी करने वालों का पता लगाया जा रहा है।

शांति व्यवस्था के लिये घातक है अवैध कारोबार, जिम्मेदारों का दिखना चाहिये सक्रियतापूर्ण सरोकार

जुए के खेल में लिप्त दिखे कथित भाजपा नेता, प्रशासन ले सकता है ऐक्शन

आनंद शर्मा -समय जगत, मनेंद्रगढ़ । जिले में अवैध जुए के कारोबार को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो रहे हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो में झगराखांड निवासी भाजपा से जुड़ा बताया जा रहा युवक शुभम सिंह कथित तौर पर खुलेआम जुआ खेलते हुए दिखाई दे रहा है। इस वीडियो के सामने आने के बाद क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। बताया जा रहा है कि शुभम सिंह को प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल का करीबी माना जाता है। सोशल मीडिया पर दोनों की कई तस्वीरें भी साझा की जा रही हैं, जिनसे उनकी नजदीकी की चर्चा हो रही है।

सोशल मीडिया पर नेताओं के साथ तस्वीरें, संरक्षण की चर्चा तेज : इतना ही नहीं, शुभम सिंह की तस्वीरें भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव सहित कई भाजपा नेताओं और पुलिस अधिकारियों के साथ भी

सोशल मीडिया में देखी जा सकती हैं। इन तस्वीरों के सामने आने के बाद यह सवाल उठने लगे हैं कि आखिर किसके संरक्षण में ऐसे लोग खुलेआम कानून की धज्जियां उड़ा रहे हैं। वायरल रील में कथित रूप से लिखा गया है - हमारा दबदबा है, हमारे इलाके में हर कोई जानता है, हम पर कोई हाथ नहीं डाल सकता।

वायरल रील में दबदबे का दावा, प्रशासन के लिए खुली चुनौती ?: यदि यह दावा सही है तो यह सिर्फ अहंकार का प्रदर्शन नहीं, बल्कि कानून और प्रशासन को खुली चुनौती भी माना जा सकता है। ऐसे में सवाल यह उठता है कि क्या राजनीतिक संरक्षण के कारण ही ऐसे लोगों का मनोबल इतना बढ़ गया है कि वे खुलेआम जुआ खेलते हुए कानून को चुनौती दे रहे हैं?

अब निगाहें जिला प्रशासन पर टिकी हैं। जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक से यह अपेक्षा की जा रही है कि इस मामले की निष्पक्ष जांच कर सच्चाई सामने लाएं और यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो संबंधित लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करें।साथ ही यह भी सवाल उठ रहा है कि क्या जनप्रतिनिधियों के साथ तस्वीरें साझा कर कुछ लोग प्रशासन पर दबाव या अपना प्रभाव दिखाने की कोशिश कर रहे हैं? यदि ऐसा है तो यह लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए भी गंभीर चिंता का विषय है।

जनता की मांग है कि पूरे मामले की पारदर्शी जांच हो और यह स्पष्ट किया जाए कि कहीं किसी राजनीतिक संरक्षण में अवैध गतिविधियां तो संचालित नहीं हो रही हैं।

सार-समाचार

सराहनीय सेवा के लिए संतोष शर्मा को मिला केंद्रीय गृहमंत्री का उत्कृष्ट सेवा पदक

समय जगत, सिवनी। पुलिस विभाग में उत्कृष्ट कार्य एवं सराहनीय सेवाओं के लिए संतोष शर्मा को केंद्रीय गृहमंत्री द्वारा प्रदान किया जाने वाला प्रतिष्ठित उत्कृष्ट सेवा पदक प्रदान किया गया है। यह सम्मान उन्हें पुलिस विभाग में लंबे समय से की जा रही निष्ठापूर्ण, ईमानदार और समर्पित सेवा के लिए दिया गया है। यह पदक उन्हें जोनल पुलिस अधीक्षक जबलपुर आशीष खरे द्वारा प्रदान किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ अधिकारियों ने संतोष शर्मा के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने, अपराध नियंत्रण तथा आम जनता की सुरक्षा के लिए उल्लेखनीय योगदान दिया है। पुलिस विभाग में अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए संतोष शर्मा ने हमेशा कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन और ईमानदारी का परिचय दिया है। उनके इसी समर्पण और उत्कृष्ट कार्यशैली को देखते हुए उन्हें यह प्रतिष्ठित सम्मान प्रदान किया गया है, जो पुलिस विभाग के लिए गर्व की बात है। सम्मान प्राप्त होने पर संतोष शर्मा ने अपने वरिष्ठ अधिकारियों, सहकर्मियों, मित्रों, परिजनों एवं शुभचिंतकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह सम्मान उनके लिए प्रेरणा का स्रोत है और आगे भी वे पूरी निष्ठा एवं जिम्मेदारी के साथ पुलिस विभाग और समाज की सेवा करते रहेंगे। इस उपलब्धि पर उनके मित्रों, सहयोगियों और क्षेत्र के लोगों ने भी उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

कलेक्टर के निर्देश पर कार्रवाई, अग्रोहा लॉन व साईं रेसिडेंसी से घरेलू सिलेंडर किये गये जब्त

समय जगत, सिवनी। श्रीमती शीतला पटले के निर्देशन में घरेलू गैस सिलेंडरों के व्यवसायिक उपयोग पर प्रशासन द्वारा लगातार निगरानी रखी जा रही है। पूर्व में लॉन संचालकों एवं केटरर्स की बैठक लेकर घरेलू सिलेंडरों का व्यवसायिक उपयोग न करने की समझाइश भी दी गई थी। इसके बावजूद निरीक्षण के दौरान अग्रोहा लॉन एवं साईं रेसिडेंसी में घरेलू गैस सिलेंडरों का व्यवसायिक उपयोग किया जाना पाया गया। इस पर कार्रवाई करते हुए राजस्व एवं खाद्य आपूर्ति विभाग की संयुक्त टीम द्वारा दोनों स्थानों से 1-1 घरेलू गैस सिलेंडर जब्त किए गए। जिला प्रशासन द्वारा रेस्टोरेंट, लॉन संचालक, केटरर्स सहित सभी व्यवसायिक गैस सिलेंडर उपभोक्ताओं से अपील की गई है किसी भी स्थिति में घरेलू गैस सिलेंडर का उपयोग न करें। गैस के स्थान पर वैकल्पिक ईंधन का उपयोग करे।

शासकीय शिक्षक संगठन ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

समय जगत,हरदा। शासकीय शिक्षक संगठन जिला हरदा ने शिक्षक पात्रता परीक्षा निरस्त करने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन संयुक्त कलेक्टर सतीश राय को सौंपा।शिक्षक पात्रता परीक्षा का आदेश जारी होते ही पूरे प्रदेश में इसका विरोध आरंभ हो गया है,इसी क्रम में शासकीय शिक्षक संगठन जिला इकाई हरदा ने जिलाध्यक्ष मजीद खान के नेतृत्व में मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन संयुक्त कलेक्टर सतीश राय को सौंपा गया। साथ ही स्थानीय समस्याओं के लिए भी कलेक्टर महोदय को ज्ञापन दिया गया। ज्ञापन में लेख है कि टिमरनी विकासखंड एवं हरदा विकासखंड में प्राथमिक शिक्षकों का फ़रवरी माह का वेतन नहीं हुआ जिसे शीघ्र करने की मांग कि गई। हरदा विकासखंड में 141 शिक्षकों के वेतन से की गई कटौती की राशि

आज तक शिक्षकों के खाते में जमा नहीं किया गया, उसे शीघ्र करने का निवेदन ज्ञापन में किया गया है,साथ ही जिन शिक्षकों के सेवा अवधि 12 वर्ष एवं 24 वर्ष पूर्ण हो चुकी है उन्हें नियमानुसार क्रमोन्नत वेतनमान का लाभ प्रदान किया जाये। ई अटेंडेंस के कारण रुके हुए शिक्षकों का वेतन भुगतान,बाजनिया संकुल के डीए के एरियर्स का भुगतान,नवीन शिक्षक संवर्ग कि परीक्षा अवधि पूर्ण होने ओर सत प्रतिशत वेतन भुगतान तथा विकलांग शिक्षकों के विकलांग भत्ते का भुगतान कि मांग कि गई।संगठन के प्रांतीय महामंत्री अशोक कुमार देवराले ने बताया कि,शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 लागू होने के पूर्व नियुक्त शिक्षकों की नियुक्ति मध्यप्रदेश शासन द्वारा जारी राजपत्र तथा उस समय प्रभावी नियमों के आधार पर विधिवत रूप से की गई है।

आज बिलानी में आशीष शुक्ला का होगा आगमन शक्तिपुत्र महाराज का पहुंचाएंगे संदेश

खिलान पटेल- समय जगत पथरिया (दमोह)। भगवती मानव कल्याण संगठन एवं पंचज्योति शक्तितीर्थ सिद्धाश्रमधाम के संयुक्त तत्वाधान में परम पूज्य योगीराज श्री शक्तिपुत्र जी महाराज के दिशा-निर्देशन में पथरिया ब्लॉक

के ग्राम बिलानी स्थित प्रणामी मंदिर में 24 घंटे का अखंड श्री दुर्गा चालीसा पाठ आयोजित किया गया है। कार्यक्रम का शुभारंभ 14 मार्च को सुबह 10 बजे हुआ, जिसका समापन 15 मार्च को सुबह 10 बजे होगा। इस पावन अवसर पर भगवती मानव कल्याण संगठन के केंद्रीय मुख्य सचिव सिद्धाश्रम रत्न आशीष शुक्ला (राजू भैया) का भी शुभ आगमन होगा। कार्यक्रम के दौरान धर्म रक्षा, राष्ट्र रक्षा एवं मानवता की सेवा का संदेश देते हुए समाज में जागरुकता फैलाने का कार्य किया जाएगा। आयोजक ग्राम पंचायत बिलानी के सरपंच महेंद्र पटेल तथा भगवती मानव कल्याण संगठन शाखा पथरिया ने दमोह जिले के सभी धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर अखंड श्री दुर्गा चालीसा पाठ में सहभागिता करने की अपील की है। साथ ही कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं को नशे एवं भटकाव से दूर रखने और समाज को जागरूक करने का संदेश भी दिया जाएगा।

मध्य रात्रि में पुलिस अधीक्षक श्री शशांक का औचक निरीक्षण अस्त-व्यस्त मिले कर्मचारियों को दिये सख्त निर्देश

समय जगत,हरदा। जिले में पुलिस व्यवस्था को सुदृढ़ एवं अनुशासित बनाए रखने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक श्री शशांक द्वारा मध्य रात्रि में जिले के विभिन्न थानों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान थाना परिसर, ड्यूटी रजिस्टर, मालखाना, हवालात तथा रात्रि ड्यूटी पर तैनात पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति और कार्यप्रणाली की जांच की गई।निरीक्षण के दौरान थाना कोतवाली के कर्मचारी अस्त-व्यस्त स्थिति में पाए गए,जिस पर

पुलिस अधीक्षक द्वारा नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित कर्मचारियों को कड़ी फटकार लगाई गई तथा भविष्य में ड्यूटी के दौरान पूर्ण अनुशासन एवं सतर्कता बरतने के सख्त निर्देश दिए गए। पुलिस अधीक्षक श्री शशांक ने रात्री में थाना कोतवाली,सिविल लाईन,टिमरनी,हंडिया का निरीक्षण किया एवं अधिकारीयों को निर्देशित किया कि रात्रि गश्त नियमित रूप से की जाए,थाना परिसर की साफ-सफाई एवं अभिलेखों का संधारण व्यवस्थित रखा जाए तथा आमजन से संबंधित शिकायतों का त्वरित एवं निष्पक्ष निराकरण सुनिश्चित किया जाए।साथ ही उन्होंने सभी अधिकारीयों एवं कर्मचारियों को चेतावनी दी कि ड्यूटी में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और नियमों का पालन सख्ती से किया जाए।

नगर परिषद की महत्वपूर्ण बैठक में पंद्रह में से दो पार्षद शामिल, लापरवाह पार्षदों की वजह से नगर हुआ बेहाल, वरिष्ठ अधिकारी ध्यान दें तत्काल

समय जगत, झाबुआ। नगर परिषद थांदला द्वारा आज परिषद की महत्वपूर्ण बैठक होना थी किंतु नगर की बागडोर संभालने वाले पंद्रह वार्डो के पार्षद अपने कार्य में इतने मशगूल थे की परिषद की बैठक में आना भी मुनासिब नहीं समझा। बैठक में नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती लक्ष्मी सुनील पणदा मुख्य नगर पालिका अधिकारी कमलेश जायसवाल इंजिनियर पप्पु बारिया, स्वास्थ अधिकारी गौरांक सिंह राठौर, सहायक लेखापाल यशदीप अरोरा सहायक इंजिनियर पारसिंह,अंशुल मौजूद थे मुख्य रूप से बैठक का एजेंडा कचरा ग्राउंड के रख रखाव सहित नगर में गिला एवं सूखा कचरा को वाहन में जमा कर व्यवस्थित ढंग से ट्रेंचिंग ग्राउंड पर पहुंचाया जाना था। इस संदर्भ में सीएमओ कमलेश जायसवाल द्वारा समस्त पार्षदों को पत्र ज़ारी कर व दूरभाष पर बैठक संबंधी जानकारी से अवगत कराया किंतु नगर के विकास में बाधक इन जनप्रतिनिधियों ने उक्त आदेश को नजर अंदाज कर नगर के वाशिंदों के स्वास्थ के साथ साथ नगर विकास में भी विघ्न डाला है। सीएमओ ने एक जानकारी में बताया की पिछले अनेक वर्षों से परिषद एक स्थाई ट्रेंचिंग ग्राउंड के लिये जमीन को तलाशने का कार्य कर रही है किंतु अभी तक उचित जगह नहीं मिल पाने की वजह से नगर को अत्यधिक परेशानी के दौर से गुजरना पड़ रहा है सीएमओ ने दावा किया है की अगर संपूर्ण परिषद ये प्रयास कर ले की

सिर्फगिला कचरा का संग्रहण अलग से कर ले तो सूखा कचरा को हम आसानी से इकट्ठा कर परिषद को एक बड़ी बचत में खड़ी कर सकते है। अब सवाल यह उठता है कि प्रशासनिक अधिकारी के साथ पूरा स्टाफखड़ा है दूसरी ओर परिषद के पार्षदका नगर से मोह भंग होना क्या दर्शाता है जबकि नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती लक्ष्मी सुनील पणदा के अथक प्रयास के नतीजों के बाद भी ये दिशा हीन पार्षद किसी भी कार्य को करने में दिलचस्पी नहीं ले रहे है पिछले एक वर्ष में नगर में स ड क, स्वास्थ,सौंदर्यकरण के कार्य परिषद द्वारा किये गए है सूत्रों की माने तो अब तो नगर के चौराहे पर चर्चा होती है कि जब से भाजपा की परिषद बनी है यहां पर वरिष्ठ नेताओं के आगोश में दो गुटों में विभक्त ये वार्ड पार्षद नहीं चाहते की ये परिषद नगर हित में कोई कार्य करे वही अन्य को भी कोई लेना देना नहीं है अगर मातृ शक्ति (पार्षदों) की बात की जावे तो वो दोनों गुटों का समय समय पर मान सम्मान रख देती है। जनप्रतिनिधियों के चक्र जाल में फंसे इन पार्षदों के हाल बेहाल है कोई रंगदारी कर रहा है तो कोई पुलिस की मार से उठ नहीं पा रहा है कई पार्षदों का कहना है कि चुनाव में जो खर्च हुआ था वो भी अभी तक नहीं निकला है ऐसे में इनसे नगर विकास की बातें करना बेमानी होगी। बहरहाल ऐसी ही अनेकों परिषद की बैठकों से नदारद हो कर ये नगर के वाशिंदों को क्या संदेश देना चाहते है ये तो वो ही जाने पर आज की परिषद की बैठक में राजू धानक, श्रीमती वंदना सुधीर भाबर ने सम्मिलित हो कर परिषद का, अध्यक्ष का मान बढ़ाया।

स्वत्वाधिकारी, समय जगत मीडिया प्रा.लि. के लिए प्रकाशक, मुद्रक अशोक त्रिपाठी द्वारा श्री बालाजी प्रिंटर्स प्लॉट नं. 21, सेक्टर-एच, गोविंदपुरा इंडस्ट्रियल एरिया, भोपाल 462011 से मुद्रित कर जी-1 गोयल निकेत अपार्टमेंट प्रेस कॉम्प्लेक्स जोन-1 एमपी नगर भोपाल म.प्र. से प्रकाशित। पिन नं. 462011, संपादक **अभिनव त्रिपाठी।**
RNI-MPHIN/2004/13180 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार) सभी प्रकार के विवादों के लिए न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। **फोन :** 0755-4700402, ई-मेलः dainiksamayjagat@gmail.com